वोट कार के लिए
जय तेलंगाना!
जय जय तेलंगाना!

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
epaper.vaartha.com
वर्ष-28 अंक : 229 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.10 2080 मंगलवार, 7 नवंबर-2023
प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कार को वोट दो
जय तेलंगाना!
जय जय तेलंगाना!

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- गवर्नर को जनता नहीं चुनती

अमृतसर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस बात पर नाराजगी जताई की राज्य सरकारें विधानसभा से पारित बिलों को राज्यपाल से पास कराने के लिए बार-बार सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाती हैं।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा- राज्यपालों को यह समझना चाहिए कि वो चुनी हुई अथॉरिटीज नहीं हैं। राज्य सरकारों के कोर्ट जाने के बाद ही गवर्नर बिल पर कार्रवाई क्यों करते हैं? इसे रोकना होगा।

सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच पंजाब सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें गवर्नर बनवारीलाल पुरोहित पर आरोप है कि वे विधानसभा से पारित 7 बिलों को पास नहीं कर रहे हैं।

इस पर राज्यपाल की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट ने को बताया कि गवर्नर ने निर्णय लिए हैं। शुक्रवार तक डिटेल मिल जाएगी। मामले की अगली सुनवाई 10 नवंबर को होगी।

डॉ.अभिषेक मनु सिंघवीः राजकोषीय प्रबंधन, जीएसटी में संशोधन, गुरुद्वारा प्रबंधन आदि से संबंधित महत्वपूर्ण विधेयक जुलाई में राज्यपाल के विचार के लिए भेजे गए थे। ये अब तक पास नहीं हुए हैं जिसके कारण सरकार के कामकाज पर असर पड़ा है। राज्यपाल अनियमितताओं का हवाला देकर इन बिलों को पास करने पर विचार नहीं कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्टः पार्टी को सुप्रीम कोर्ट क्यों आना पड़ता है? राज्यपाल तभी कार्रवाई करते हैं जब मामले सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचते हैं। इसे रोकना होगा। आप सुप्रीम कोर्ट आते हैं तब राज्यपाल कार्रवाई करना शुरू करते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। ऐसी ही स्थिति तेलंगाना में भी हुई, जहां राज्यपाल ने सरकार के याचिका दायर करने के बाद ही लंबित बिलों पर कार्रवाई की।

राज्यपालों को अंतरात्मा में झांकने की नसीहत
कहा- कोर्ट पहुंचने से पहले निपटाएं बिल

पंजाब सरकार Vs गवर्नर केस

सीजेआई चंद्रचूड़: मार्च में विधानसभा बुलाई गई, फिर अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। स्पीकर ने जून में विधानसभा की बैठक दोबारा बुलाई। क्या ये वाकई संविधान के तहत चल रहा है। **आपको 6 महीने में एक सत्र बुलाना होता है न?**

सभी राज्यपालों को आत्ममंथन करना होगा कि बजट सत्र बुलाने के लिए पार्टियों को सुप्रीम कोर्ट जाने की जरूरत ही क्यों होनी चाहिए?...ये राज्यपाल और सीएम द्वारा तय किए जाने वाले मामले हैं।

पंजाब सरकार की मांग- कोर्ट गवर्नर को निर्देश दे

पंजाब सरकार ने याचिका में मांग की थी कि विधानसभा में पास बिलों को मंजूरी देने के लिए सुप्रीम कोर्ट गवर्नर को निर्देश दें। सरकार ने यह भी कहा कि इस तरह की संवैधानिक निष्क्रियता की वजह से प्रशासन का कामकाज ठप हो गया है। इससे पहले सीएम भगवंत मान भी कहते रहे हैं कि गवर्नर इलेक्टेड नहीं बल्कि सिलेक्टिड हैं। पंजाब की जनता ने सरकार चलाने के लिए उन्हें चुना है, राज्यपाल को नहीं।

एससी पहुंचने पर 2 बिल मंजूर कर चुके गवर्नर

दरअसल, सरकार के सुप्रीम कोर्ट में पिटीशन फाइल करने के बाद पंजाब के गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित अपने स्टैंड से यू-टर्न ले चुके हैं। वे विधानसभा में पारित कराने के लिए तैयार 3 मनी बिलों में से 2 को मंजूरी दे चुके हैं।

हालांकि कई बिल अभी लटके हैं।

उधर राज्य सरकार के जिन दो मनी बिलों को गवर्नर ने मंजूरी दे दी है, उनमें जीएसटी संशोधन बिल 2023 शामिल है। इसके तहत राज्य में जीएसटी एपिलेट ट्रिब्यूनल बनाए जाने हैं। दूसरा मनी बिल गिरवी रखी जाने वाली जायदादों पर स्टांप ड्यूटी लगाने से जुड़ा है।

एक और सत्र बुलाने की तैयारी में सरकार

राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित की ओर से 2 मनी बिलों को मंजूरी दिए जाने के बाद अब भगवंत मान सरकार नवंबर महीने में ही एक बार फिर विधानसभा का सत्र बुलाने की तैयारी कर रही है। नए सत्र को लेकर एजी ऑफिस से कानूनी पहलुओं पर राय ली जा चुकी है। विधानसभा सत्र की तारीख तय करने के लिए मुख्यमंत्री ने आज कैबिनेट की मीटिंग में फैसला ले सकते हैं।

दिल्ली की हवा जहरीली, 13 से 20 नवंबर तक ऑड-ईवन

कंस्ट्रक्शन पर रोक, 10 नवंबर तक सभी स्कूल बंद; ए क्यू आई 450 पार

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के बीच केजरीवाल सरकार ने सोमवार को एक बार फिर गाड़ियों के लिए ऑड-ईवन सिस्टम लागू करने का फैसला किया। यह ऑड-ईवन फॉर्मूला दिवाली के अगले दिन 13 से 20 नवंबर तक यानी एक हफ्ते के लिए लागू रहेगा।

इससे पहले दिल्ली सरकार ने गैर जरूरी कंस्ट्रक्शन, बीएस-3 कैटेगरी वाले पेट्रोल और बीएस - 4 कैटेगरी वाले डीजल वाहनों पर रोक लगाई थी। खराब एयर क्वालिटी को लेकर 5वीं तक के स्कूलों को 10 नवंबर तक बंद करने का आदेश दिया था।

दिल्ली में एयर क्वालिटी क्रिटिकल यानी सबसे खतरनाक हो गई है। सोमवार (6 नवंबर) को दिल्ली में ऐवरेज एयर क्वालिटी इंडेक्स 470 दर्ज किया गया। यह वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की पॉल्यूशन की लिमिट से 20 गुना ज्यादा है। डब्लूएचओ के मुताबिक, 0 से 50 के बीच का एक्यूआई को सुरक्षित माना गया है।

गोपाल राय ने कहा- पटाखों पर प्रतिबंध लगाए

बढ़ते प्रदूषण को लेकर दिल्ली सचिवालय में आज हाई लेवल मीटिंग हुई। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता वाली मीटिंग में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय, शिक्षा मंत्री आतिशी, स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मीटिंग के बाद दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा- दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद पिछले साल पटाखे फोड़े गए। इस साल दीपावली के बाद वर्ल्ड कप के मैच हैं। फिर छठ भी आ रहा है। दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया गया है कि टीमों को सतर्क करें। उत्तर प्रदेश और हरियाणा की भाजपा सरकारों से मेरा निवेदन है कि वे भी पटाखों पर प्रतिबंध लगाए। ताकि प्रदूषण की स्थिति और खराब होने से रोका जा सके।

खराब एयर क्वालिटी से हार्ट अटैक-ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

दिल्ली एआईआईएमएस के डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिन के एडिशनल प्रोफेसर डॉ पीयूष रंजन ने बताया कि खराब एयर क्वालिटी से अलग-अलग तरह के कैंसर होने का खतरा रहता है। वैज्ञानिकों का दावा है कि वायु प्रदूषण रेस्पिरेटरी सिस्टम को नुकसान पहुंचाने के साथ हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक को बढ़ावा देता है।

सीएक्यूएम ने 50% कर्मचारियों को ऑफिस बुलाने की सलाह दी

जहरीली हवा को लेकर कमीशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट सीएक्यूएम ने दिल्ली-एनसीआर की राज्य सरकारों को सरकारी और प्राइवेट ऑफिस में 50% कर्मचारियों को ऑफिस बुलाने की अपील है। बाकी 50% कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होने देने की सलाह दी है।

दिल्ली सरकार बोली- दिल्ली यूपी-हरियाणा के प्रदूषण की मार झेल रहा

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित यूपी और हरियाणा के प्रदूषण की मार दिल्ली झेल रहा है। दिल्ली में जनरेटर सेट नहीं है। यहां उससे धुआं नहीं फैलता है, लेकिन यूपी-हरियाणा में इस पर रोक नहीं लगाई गई है। दिल्ली सरकार का आरोप है कि पड़ोसी राज्यों से पराली का धुआं दिल्ली की हवा खराब रही है।

वहीं, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रविवार को कहा कि प्रदूषण की कोई सीमा नहीं होती है। पंजाब की खराब हवा हरियाणा में भी प्रदूषण फैला रही है। शनिवार को भी उन्होंने भगवंत मान सरकार पर हरियाणा में प्रदूषण फैलाने का आरोप लगाया था।

कैश फॉर क्वेरी मामले में एथिक्स कमेटी की बैठक कल

कमेटी चर्चा कर रिपोर्ट तैयार करेगी, महुआ के खिलाफ सख्त एक्शन की सिफारिश कर सकती है

नई दिल्ली,6 नवंबर (एजेंसियां)। महुआ ने कहा- मैं जांच के लिए हमेशा तैयार हूं, लेकिन शालीनता बनाए रखें। मुझे घटिया और अपमानजनक सवालों से सुरक्षा की जरूरत है।

तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर लगे कैश फॉर क्वेरी आरोप की सुनवाई कर रही संसद की एथिक्स कमेटी मंगलवार को बैठक करेगी।

कमेटी ने 26 अक्टूबर को इस मामले की जांच शुरू की थी। दो हफ्ते से भी कम समय में कमेटी रिपोर्ट ड्राफ्ट करने पर विचार कर रही है। कल कमेटी इस रिपोर्ट को अपना भी सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एथिक्स कमेटी महुआ की संसद सदस्यता रद्द करने जैसी सख्त कार्रवाई की सिफारिश कर सकती है। 15 अक्टूबर को भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने महुआ पर पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने का आरोप लगाया था।

कमेटी महुआ के खिलाफ सख्त एक्शन ले सकती

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कमेटी के एक मेंबर ने नाम न छपने की शर्त पर बताया कि कमेटी महुआ मोइत्रा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर सकती है। इसमें वर्तमान लोकसभा के बचे कार्यकाल के लिए महुआ को अयोग्य घोषित करना भी शामिल हैं।

कमेटी 2005 के ऐसे ही कैश फॉर क्वेरी मामले का रेफरेंस ले सकती है, जिसमें सवाल पूछने के लिए पैसे लेने के आरोप में 11 सांसदों को संसद से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इस फैसले को जनवरी 2007 में सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकार रखा था।

न्यूजक्लिक फाउंडर की याचिका पर एससी में दीपावली बाद सुनवाई

यूएपीए केस में अपनी अरेस्ट को चुनौती दी थी, 3 अक्टूबर को हुई थी गिरफ्तारी

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)।न्यूजक्लिक के फांउडर और एडिटर प्रबीर पुरकायस्थ और HR हेड अमित चक्रवर्ती की गिरफ्तारी को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई दीपावली बाद के लिए टाल दी है। प्रबीर और अमित को दिल्ली पुलिस ने 3 अक्टूबर को यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया था। दोनों ने इस गिरफ्तारी के खिलाफ 16 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका डाली थी। पुरकायस्थ और अमित पर चीन से जुड़ी कंपनियों और संगठनों से फंडिंग लेकर चाइनीज प्रोपेगैंडा फैलाने का आरोप है। 3 अक्टूबर को न्यूजक्लिक से जुड़े कई पत्रकारों के घर छापेमारी की गई थी, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने पुरकायस्थ और अमित को अरेस्ट कर लिया था। न्यूजक्लिक के खिलाफ सीबीआई सहित पांच एजेंसियां जांच कर रही हैं। सबसे पहले दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज की थी। उससे पहले दिल्ली पुलिस इकोनॉमिक ऑफेंस विंग, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट इस केस से जुड़े अलग-अलग मामलों में जांच कर रही थी। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने न्यूजक्लिक के खिलाफ फॉरेन कॉन्ट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

अजित को सीएम बनते देखना चाहती हैं उनकी मां

बोलीं- मेरे जिंदा रहते इच्छा पूरी हो जाए; पंचायत चुनाव में वोट डालने पहुंची थीं

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अजित पवार के महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने की बात एक बार फिर सुर्खियों में है। दरअसल यह इच्छा उनकी 86 साल की मां आशा पवार ने मीडिया के सामने जताई है। आशा पवार, रविवार (5 नवंबर) को महाराष्ट्र में हुए ग्राम पंचायत चुनाव में वोट डालने आई थीं। आशा ने कहा कि- अब मेरा आखिरी समय ही है, इसलिए लगता है मेरे जिंदा रहते मेरा बेटा मुख्यमंत्री बने। लेकिन लोगों का कुछ कह नहीं सकते हैं। बारामती में सब हमारे ही हैं... वहां सब लोग अजित से प्रेम करते हैं।

5 महीने पहले शरद पवार से अलग होकर बनाया अपना गुट

जुलाई 2023 में अजित एनसीपी के 40 विधायकों के साथ महाराष्ट्र की शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। गठबंधन सरकार में उन्हें डिप्टी सीएम भी बनाया गया है।

शरद से अलगाव के बाद अजित ने दावा किया कि एनसीपी का बहुमत उनके पास है। इसलिए पार्टी के नाम और सिंबल पर उनका अधिकार है।

अजित ने 30 जून को चुनाव आयोग में याचिका दायर कर एनसीपी पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह पर दावा किया था।

दूसरी तरफ शरद पवार ने पार्टी छोड़कर जाने वाले 9 मंत्रियों समेत 31 विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है।

अयोग्यता पर फैसले का केस सुप्रीम कोर्ट में भले ही अजित पवार की मां ने अपनी इच्छा दुनिया के सामने जाहिर कर दी, लेकिन एसीपी के अजित गुट के विधायकों की अयोग्यता से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट में है। पिछले महीने सुनवाई के दौरान कोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को 31 जनवरी 2024 तक फैसला लेने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सुनील प्रभु और एनसीपी (शरद पवार गुट) के जयंत पाटिल की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें शिंदे-अजित पवार गुटों के विधायकों की अयोग्यता पर स्पीकर के जल्द फैसला करने की मांग की गई है।

महाराष्ट्र में रविवार को 2068 ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत सदस्यों के 2 हजार 950 पदों और सीधे निर्वाचित 130 सरपंच के पदों के लिए वोटिंग हुई। इस चुनाव में पवार परिवार का गढ़ कहा जाने वाली बारामती की काटेवाड़ी ग्राम पंचायत भी शामिल है। ग्राम पंचायत चुनाव के नतीजे आज यानी सोमवार 6 नवंबर को घोषित होंगे।

दरअसल, महाराष्ट्र में ग्राम पंचायत चुनाव बहुत अहमयित रखते हैं। चुनाव में पार्टियों और स्थानीय नेताओं के बीच हार-जीत प्रतिष्ठा का सवाल मानी जाती है। लोकल रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि अजित अपनी पत्नी को बारामती से लोकसभा चुनाव का उम्मीदवार बना सकते हैं।

बेंगलुरु में महिला जियोलॉजिस्ट का मर्डर उसके ड्राइवर ने किया

8 दिन पहले नौकरी से निकाला तो हत्या की; 5 साल से कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी था

बेंगलुरु,6 नवंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु पुलिस ने बेंगलुरु में माइंस और जियोलॉजी डिपार्टमेंट की डिप्टी डायरेक्टर केएस प्रतिमा के मर्डर के सिलसिले में एक व्यक्ति को अरेस्ट किया है। कमिश्नर बी दयानंद के मुताबिक यह शख्स प्रतिमा का ड्राइवर था। जिसे 8-10 दिन पहले ही काम से हटाया गया था।

ड्राइवर किरण ने कबूल कर लिया है कि उसने ही प्रतिमा का मर्डर किया क्योंकि उसने उसे नौकरी से निकाल दिया था। हत्या के बाद वह कामराजनगर भाग गया, जो बेंगलुरु से लगभग 200 किमी दूर है। बेंगलुरु में केएस प्रतिमा (43) की 4 नवंबर को हत्या कर दी गई थी। पुलिस को 5 नवंबर को प्रतिमा का शव उनके घर पर मिला था।

उनकी हत्या को लेकर उनके साथी अफसरों ने हैरानी जताई है। प्रतिमा के सीनियर अधिकारी दिनेश का कहना है कि प्रतिमा ने हाल ही में कुछ जगहों पर छापेमारी की थी। वे बहुत एक्टिव और बहादुर महिला थीं।

चाहे छापेमारी हो या कोई कार्रवाई, उन्होंने डिपार्टमेंट में बड़ा नाम कमाया। प्रतिमा का कोई दुश्मन नहीं था, वे अपना काम नियमों को ध्यान में रखकर करती थीं, इसीलिए डिपार्टमेंट में सब लोग उनकी तारीफ करते थे।

ऑफिस से घर पहुंचने के आधे घंटे बाद हुआ मर्डर

बेंगलुरु पुलिस के मुताबिक, प्रतिमा रोज रात को 8 बजे ऑफिस से घर जाती थीं। 4 नवंबर को ऑफिस से घर पहुंचने के आधे घंटे बाद यानी रात 8:30 बजे के आसपास उनकी हत्या की गई। प्रतिमा की मौत गला घोंटने और काटने से हुई।

इस घटना को लेकर कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने रविवार 5 नवंबर को ही जांच के आदेश दिए थे। सीएम के बयान के 24 घंटे के अंदर पुलिस ने कातिल को पकड़ लिया।

पुलिस ने लूटपाट के दौरान हत्या की आशंका को खारिज कर दिया था। डीसीपी ने कहा था कि घर से किसी ज्वेलरी या कीमती सामान की चोरी नहीं हुई। मामले की जांच के लिए तीन टीमें बनाई गई थीं। फोरेंसिक और टेक्नीकल टीम भी घटनास्थल पर पहुंची थी।

चार साल से बेंगलुरु में अकेले रह रही थीं प्रतिमा

पुलिस ने 5 नवंबर को बताया कि प्रतिमा पिछले चार-पांच सालों से यहां अकेली रहती थीं। उनके पति और बेटा शिवमोगा जिले के तीर्थहल्ली गांव में रहते हैं। 4 नवंबर रात से प्रतिमा किसी का फोन नहीं उठा रही थीं। इसके बाद प्रतिमा के भाई आज सुबह उनके घर पहुंचे। वहां प्रतिमा की डेड बॉडी पड़ी थी।

प्रॉपर्टी के लिए भाई-भाभी ने की बहन की हत्या

पत्नी के प्रेमी को भी साजिश में शामिल किया
कहा-मेरा साथ दो, फिर मेरी बीवी से शादी कर लेना

बागपत, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बागपत में 4 दिन पहले यानी 2 नवंबर को सूटकेस में एक युवती का जलता हुआ शव बरामद हुआ। इसकी शिनाख्त ग्रेटर नोएडा की 20 साल की मनीषा चौहान उर्फ मिनी के रूप में हुई। मनीषा के मर्डर केस में उसके सगे भाई मनीष उर्फ विवेक और भाभी शिखा को गिरफ्तार किया है। मनीषा की हत्या के बाद उसका शव जिस कार से बागपत लाया गया, उस कार को सोनीपत से बरामद किया गया। मामले में एक आरोपी फरार है, जो शिखा का प्रेमी पवन बताया जा रहा है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। मनीषा की बॉडी की शिनाख्त उसके चचेरे भाई संदीप ने की। पुलिस ने जांच की तो वह हत्यारोपी भाई-भाभी तक पहुंची। गिरफ्तार भाई-भाभी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। मनीष ने अपनी पत्नी के प्रेमी पवन के साथ मिलकर बहन की हत्या की खौफनाक साजिश रची और उसे अंजाम दिया।

चलिए सिलसिलेवार तरीके से जानते हैं, मनीषा चौहान के बारे में। ऐसा क्या हुआ कि सगे भाई और भाभी ने उसकी हत्या कर दी? 2 नवंबर की सुबह करीब 8 बजे पुलिस को सूचना मिली कि सिसाना गांव के जंगल में श्मशान के पास एक युवती का शव जल रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पहले आग बुझाई। इसके बाद पहचान के लिए आसपास के कई गांवों के लोगों से संपर्क किया। फोरेंसिक टीम ने एविडेंस कलेक्ट किए। शुक्रवार को पुलिस ने शव को मॉर्चुरी में रखवाया। मृतका की पहचान के लिए सोशल मीडिया की मदद ली। आसपास के जिलों में फोटो सर्कुलेट की गईं। दो दिन बाद बागपत पहुंचे संदीप चौहान नाम के युवक ने बॉडी की पहचान की। यह मेरी चचेरी बहन है, कद-काठी और कंगन उसके बागपत थाने पहुंचे संदीप ने बताया कि यह शव उसकी चचेरी बहन मनीषा उर्फ मिनी का है।

कर्नाटक सिविल सर्विस एग्जाम में छात्राओं के मंगलसूत्र उतरवाए

स्टूडेंट्स बोलीं- हिजाब वालों को एंट्री दी; बीजेपी ने पूछा- क्या ये नियम सिर्फ हिंदुओं के लिए?

बेंगलुरु, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन का एग्जाम देने आईं लड़कियों को एग्जाम हॉल में एंट्री देने से पहले मंगलसूत्र हटाने को कहा गया। चेकिंग कर रहे अधिकारियों ने लड़कियों से उनके कान के झुमके, गले की चेन और बिछिया भी हटाने को कहा।

एक स्टूडेंट जिससे मंगलसूत्र उतारने को कहा गया था, उसने बताया कि अधिकारियों ने हिजाब पहनने वाली महिलाओं की भी चेकिंग की, लेकिन उन्हें अंदर एंट्री मिल गई।

छात्रा ने कहा कि हिंदू धर्म में मंगलसूत्र नहीं हटाया जाता है। जब जरूरत पड़ती है, तभी हम इसे हटाते हैं। परीक्षा देने के लिए मुझे मंगलसूत्र और बिछिया हटानी पड़ी।

छात्रा ने कहा कि जैसे चेकिंग करने वाली टीम ने हिजाब पहनने वाली लड़कियों को चेकिंग के बाद अंदर जाने दिया, वैसे ही हमें भी जाने देना चाहिए था। इस मामले को लेकर भाजपा सांसद बसनगौड़ा यत्नाल ने पूछा कि क्या ये नियम सिर्फ हिंदुओं के लिए था।

कान में ब्लूटूथ लगाकर नकल करते पकड़ाया था कैंडिडेट

कहा जा रहा है कि एग्जाम के दौरान नकल रोकने के लिए प्रशासन ने सख्ती बरती है। दरअसल, 4 नवंबर को कर्नाटक कॉमन एंट्रेंस परीक्षा के दौरान एक कैंडिडेट और उसके भाई को नकल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

दोनों की पहचान त्रिमूर्ति और अंबरीश के रूप में की गई। पुलिस ने बताया कि एग्जाम सेंटर में त्रिमूर्ति ब्लूटूथ डिवाइस लगाकर परीक्षा दे रहा था। उसका भाई अंबरीश ब्लूटूथ के जरिए एग्जाम सेंटर के बाहर से उसकी मदद कर रहा था। इस साल 7 मई को निट नीट परीक्षा के दौरान महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़ सहित कई जगह से छात्राओं की तलाशी पर विवाद हुआ था।

चेन्नई के एक परीक्षा केंद्र पर छात्राओं को एग्जाम से पहले खुले में ब्रा उतारने के लिए मजबूर किया गया था।

पश्चिम बंगाल के हुगली में कुछ छात्राएं परीक्षा केंद्र पर जींस पहनकर चली गईं। लेकिन उसकी उन्हें इजाजत नहीं थी। ऐसे में उन्हें जींस उतारकर अपनी मां की लेगिंग्स पहननी पड़ी। यह सब भी खुले में हुआ। कुछ लड़कियों को तो खुले में ही कपड़े चेंज करने पड़े। परिजनों ने घेरा बनाया, तब जाकर उनकी बेटियों ने कपड़े बदले।

2. केरल में एग्जाम सेंटर पर 90% छात्राओं के उतरवा दिए थे इनवियर

पिछले साल केरल के कोल्लम जिले में ड्रेस कोड से जुड़ा ऐसा ही विवादित मामला सामने आया। मार्थोमा इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सेंटर NEET परीक्षा देने गई छात्रा से एग्जाम सेंटर पर ब्रा उतारने के लिए कहा गया। जब छात्रा ने आपत्ति जताई तो उसे परीक्षा में बैठने से मना कर दिया गया।

हालांकि छात्रा ब्रा उतारकर परीक्षा देने चली गई, लेकिन वापस आने के बाद लड़की और उसके पिता ने एनटीए के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इस परीक्षा केंद्र पर 90 प्रतिशत लड़कियों के इनरवियर उतरवाए गए थे। इसके अलावा 1 लड़की से जींस उतारने के लिए कहा गया, क्योंकि जींस में मेटल के बटन लगे थे।

जमानत पाए आतंक के आरोपियों के पैर में जीपीएस लगेगा

मूवमेंट पर नजर रखना आसान होगा, कश्मीर पुलिस ऐसा करने वाली देश की पहली फोर्स

श्रीनगर, 6 नवंबर (एजेंसियां)।जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जमानत पर रिहा आतंकी गतिविधियों में लिप्त पाए गए आरोपियों पर निगरानी रखने के लिए जीपीएस एंकलेट का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। कश्मीर पुलिस ऐसा करने वाली देश की पहली पुलिस फोर्स बन गई है।

भारत में सबसे पहला जीपीएस ट्रैकर हिजबुल मुजाहिद्दीन से जुड़े एक ऑपरेटिव गुलाम मोहम्मद को पहनाया गया है। गुलाम 2007 के टेरर फंडिंग केस में आरोपी है। जीपीएस एंकलेट सिस्टम के तहत उसके टखने में लॉक पहनाया गया है। इसके बाद उसके मूवमेंट की ट्रैकिंग पुलिस कंट्रोल रूम से की जाएगी। इस तरह के एंकलेट का इस्तेमाल अमेरिका, यूके , दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों में जमानत, पेरोल और हाउस अरेस्ट (नजरबंद) आरोपी व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जाता है। इससे जेलों में भीड़ कम होती है।

कौन है गुलाम भट, जिसे जीपीएस ट्रैकर पहनाया गया

स्पेशल एनआईए कोर्ट जम्मू के आदेश के बाद पुलिस ने गुलाम भट को जीपीएस ट्रैकर पहनाया है। गुलाम भट, उधमपुर में कई धाराओं समेत यूएपीए केस में आरोपी है। उसने अपनी जमानत के लिए याचिका लगाई थी। गुलाम को टेरर फंडिंग के ढाई लाख रुपए ले जाते हुए पकड़ा गया था। गुलाम, हिजबुल मुजाहिद्दीन से जुड़ा है। आतंकी साजिश रचने के आरोप में एनआईए और दिल्ली पटियाला हाउस कोर्ट भी उसे दोषी ठहरा चुकी है और वह 12 साल की सजा काट चुका है।

इसी साल 24 अगस्त को मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स की पार्लियामेंट्री कमेटी ने भी जेल सुधारों पर एक रिपोर्ट पेश की थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 229 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.10 2080 मंगलवार, 7 नवंबर-2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

क्रिमिनल लॉ की जगह तीनों नए बिल मंजूर

गृह मंत्रालय की संसदीय समिति में पेश हुए, विपक्षी सदस्यों ने भी सबमिट किए असहमति पत्र

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और एविडेंस एक्ट की जगह लेने वाले तीन विधेयकों को गृह मंत्रालय की संसदीय कमेटी में एक्सेप्ट कर लिए हैं। इसके साथ ही विपक्षी सदस्यों ने भी अपनी असहमति वाले नोट भी सबमिट कर दिए हैं।

27 अक्टूबर को हुई बैठक में कमेटी ने ड्राफ्ट रिपोर्ट को स्वीकार नहीं किया था। कुछ विपक्षी सदस्यों ने ड्राफ्ट पढ़ने के लिए और समय मांगा था। कमेटी ने उनकी मांग मान ली थी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक ये बिल सोमवार (6 नवंबर) की बैठक में मंजूर कर लिए।

विपक्ष ने मांगा था बिल पढ़ने का समय :

इससे पहले कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम समेत विपक्षी सदस्यों ने कमेटी के अध्यक्ष बृज लाल से ड्राफ्ट पर फैसला लेने के लिए दिए गए समय को तीन महीने बढ़ाने का आग्रह किया था। सदस्यों ने कहा था कि चुनावी लाभ के लिए इन विधेयकों को उछालना सही नहीं है। ये विधेयक 11 अगस्त को संसद में पेश किए गए थे। अगस्त में ही इससे जुड़ा ड्राफ्ट गृह मामलों की स्थायी समिति को भेजा गया था। कमेटी को ड्राफ्ट स्वीकार करने के लिए तीन महीने का समय दिया गया है।

अमित शाह ने तीन कानूनों में बदलाव के बिल पेश किए :

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में 163 साल पुराने 3 मूलभूत कानूनों में बदलाव के बिल लोकसभा में पेश किए थे। सबसे बड़ा बदलाव राजद्रोह कानून को लेकर है, जिसे नए स्वरूप में लाया जाएगा। ये बिल इंडियन पीनल कोड (आईपीसी), क्रिमिनल प्रोसिजर कोड (सीआरपीसी) और एविडेंस एक्ट हैं।

3 विधेयकों से क्या बदलाव होगा :

कई धाराएं और प्रावधान अब बदल जाएंगे। आईपीसी में 511 धाराएं हैं, अब 356 बचेंगी। 175 धाराएं बदलेंगी। 8 नई जोड़ी जाएंगी, 22 धाराएं खत्म होंगी। इसी तरह सीआरपीसी में 533 धाराएं बचेंगी। 160 धाराएं बदलेंगी, 9 नई जुड़ेंगी, 9 खत्म होंगी। पूछताछ से ट्रायल तक वीडियो कॉन्फ्रेंस से करने का प्रावधान होगा, जो पहले नहीं था। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब ट्रायल कोर्ट को हर फैसला अधिकतम 3 साल में देना होगा। देश में 5 करोड़ केस पेंडिंग हैं। इनमें से 4.44 करोड़ केस ट्रायल कोर्ट में हैं।

पीएफआई को झटका

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार जजों ने कहा- पहले हाई कोर्ट जाओ

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को करारा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को पीएफआई द्वारा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत एक 'गैरकानूनी' संगठन के रूप में अपने पदनाम को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

जस्टिस अनिरुद्ध बोस और बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने टिप्पणी करते हुए कहा कि संगठन को पहले संबंधित उच्च न्यायालय का रुख करना चाहिए। पीएफआई की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान भी इस पर अपनी सहमति जताई।

सुप्रीम कोर्ट ने इस साल मार्च में पारित यूएपीए ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ प्रतिबंधित संगठन की अपील पर सुनवाई कर रही थी। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की अध्यक्षता वाले न्यायाधिकरण ने पीएफआई और उसके सहयोगी संगठनों पर पांच साल का प्रतिबंध लगाने के केंद्र सरकार के फैसले को बरकरार रखा था।

केंद्र सरकार ने 28 सितंबर, 2022 को यूएपीए की धारा 3 के तहत पीएफआई को एक गैरकानूनी संगठन घोषित किया था। संगठन पर 'गैरकानूनी गतिविधियों' में शामिल होने का आरोप लगाया गया था, जो देश की अखंडता, संप्रभुता और सुरक्षा के लिए खतरा है।

यूएपीए में प्रावधान है कि ऐसा कोई प्रतिबंध तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि यूएपीए ट्रिब्यूनल द्वारा अधिनियम की धारा 4 के तहत पारित आदेश द्वारा इसकी पुष्टि नहीं की जाती है।

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके

नेपाल में था केंद्र, तीव्रता 5.6 रही, यूपी-उत्तराखंड में भी असर, 3 दिन में ऐसा दूसरी बार

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को शाम 4 बजकर 16 मिनट पर फिर एक बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका केंद्र नेपाल में था। रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.6 आंकी गई। इसकी वजह से उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में भी झटके महसूस किए गए।

4 नवंबर को भी रात 11:32 बजे नेपाल में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 157 लोगों की मौत हुई थी। तब दिल्ली-एनसीआर के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और बिहार की राजधानी पटना में भी झटके महसूस किए गए थे। हालांकि भारत में किसी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ था।

2015 में आए भूकंप से काठमांडू 10 फीट तक खिसक गया था

नेपाल में साल 2015 में 7.8 तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी। इस दौरान करीब 9 हजार लोग मारे गए थे। इस भूकंप ने देश के भूगोल को भी बिगाड़ दिया था। यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज के टैक्टोनिक एक्सपर्ट जेम्स जैक्सन ने बताया कि भूकंप के बाद काठमांडू के नीचे की जमीन तीन मीटर यानी करीब 10 फीट दक्षिण की ओर खिसक गई। हालांकि दुनिया की सबसे बड़ी पर्वत चोटी एवरेस्ट के भूगोल में किसी बदलाव के संकेत नहीं हैं। नेपाल में आया यह भूकंप 20 बड़े परमाणु बमों जितना शक्तिशाली था।

भूकंप क्यों आता है :

हमारी धरती की सतह मुख्य तौर पर 7 बड़ी और कई छोटी-छोटी टेक्टोनिक प्लेट्स से मिलकर बनी है। ये प्लेट्स लगातार तैरती रहती हैं और कई बार आपस में टकरा जाती हैं। टकराने से कई बार प्लेट्स के कोने मुड़ जाते हैं और ज्यादा दबाव पड़ने पर ये प्लेट्स टूटने लगती हैं। ऐसे में नीचे से निकली ऊर्जा बाहर की ओर निकलने का रास्ता खोजती है और इस डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

एक्सपर्ट का दावा, अरावली पर्वतमाला की दरार एक्टिव हुई, आते रहेंगे भूकंप

भूगोल के जानकार डॉ. राजेंद्र सिंह राठौड़ के अनुसार अरावली पर्वतमाला के पूर्व में एक भ्रंश रेखा (दरार) है। यह भ्रंश रेखा राजस्थान के पूर्वी तट से होते हुए धर्मशाला तक जाकर मिलती है। इसमें राजस्थान के जयपुर, अजमेर, भरतपुर इलाके शामिल हैं।

एक्सपर्ट का कहना है कि अरावली पहाड़ में जो दरारें हैं, उनमें हलचल शुरू हो चुकी है। अब ऐसे भूकंप के झटके जयपुर समेत इससे सटे हुए अन्य इलाकों में भी आते रहेंगे। जयपुर जोन-2 और पश्चिमी राजस्थान जोन-3 में आता है। इसमें सामान्य भूकंप के झटके आते हैं।

इससे पहले चीन में आए भूकंप में 8.30 लाख लोगों की मौत हुई थी

सबसे जानलेवा भूकंप चीन में 1556 में आया था, जिसमें 8.30 लाख लोगों की मौत हुई थी। तीव्रता के लिहाज से अब तक का सबसे खतरनाक भूकंप चिली में 22 मई 1960 को आया था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 9.5 थी। इसकी वजह से आई सुनामी से दक्षिणी चिली, हवाई द्वीप, जापान, फिलीपींस, पूर्वी न्यूजीलैंड, दक्षिण-पूर्व ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों में भयानक तबाही मची थी। इसमें 1655 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 3000 लोग घायल हुए थे।

इंडिया गठबंधन में कोई दरार नहीं

हम साथ हैं : विरोधाभासी बयानों के बीच कांग्रेस नेता ने कही ये बात

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों के लेकर बने इंडिया गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा। राजनीतिक दलों में बयानबाजी का दौर जारी है। कांग्रेस और सपा के बीच की तल्खी तो अब विकराल रूप ले चुकी है। ये इसलिए कह रहे हैं क्योंकि अखिलेश यादव ने अपने एक बयान में कांग्रेस को चालू पार्टी तक कह दिया। इससे पहले आम आदमी पार्टी भी गठबंधन को लेकर तल्ख बयान दे चुकी है। इंडिया गठबंधन में मचे घमासान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि पहले आप ये समझिए कि इंडिया गठबंधन क्यों बना? लोकसभा में बीजेपी को 31.8 प्रतिशत मत मिला था और उन्होंने सरकार बना ली, यह 2014 की बात है। 2019 में भी 37 प्रतिशत के आसपास मिला और सरकार बन गई।

देश के पहले दलित मुख्य सूचना आयुक्त बने राजस्थान के हीरालाल सामरिया

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के हीरालाल सामरिया देश के पहले दलित मुख्य सूचना आयुक्त बन गए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया को राष्ट्रपति भवन में मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में शपथ दिलाई। हीरालाल सामरिया फिलहाल सूचना आयुक्त के तौर पर सेवाएं दे रहे थे। वह श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में सचिव के तौर पर भी काम कर चुके हैं। अब उनको मुख्य सूचना आयुक्त बनाया गया है।

कौन हैं हीरालाल सामरिया :

हीरालाल सामरिया देश के पहले दलित सीआईसी हैं। उनका जन्म राजस्थान के भरतपुर जिले के एक सुदूर और छोटे से गांव पहाड़ी में हुआ था। वह 1985 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। आज सुबह 10 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में हीरालाल सामरिया को केंद्रीय सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में पद की शपथ दिलाई गई। वाईके सिन्हा का कार्यकाल 3 अक्टूबर को पूरा होने के बाद से मुख्य सूचना आयुक्त का पद खाली था। अब देश को पहाल दलित मुख्य सूचना आयुक्त मिल गया है।

हीरालाल सामरिया ने कहां-कहां दी सेवाएं :

हीरालाल सामरिया का जन्म 14 सितंबर 1960 को राजस्थान के भरतपुर के पास एक छोटे से गांव पहाड़ी में हुआ था। उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय से बीई सिविल (ऑनर्स) की पढ़ाई की है। वह अब तक श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में सचिव और अतिरिक्त, सचिव के पद पर काम कर चुके हैं। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में संयुक्त सचिव, वाणिज्यिक कर, तेलंगाना में आयुक्त, ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन ऑफ ए.पी. (ट्रांसको) में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आंध्र प्रदेश परिवहन विभाग में आयुक्त, विभाग, बीसी कल्याण विभाग, हैदराबाद में प्रमुख सचिव के पद पर सेवाएं दे चुके हैं।

भारत-कनाडा रिश्ते सबसे खराब दौर से गुजर रहे

वीजा प्रतिबंधों में ढील के बाद भी विशेषज्ञों की राय

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के बाद से ही भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास आई है। पीएम ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि निज्जर की हत्या के पीछे भारत की खुफिया एजेंसी है। जिसके बाद से ही दोनों देशों के संबंधों में दरार आ गई। कई विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और कनाडा के रिश्ते अपने सबसे खराब दौर से गुजर रहे है। अधिकारियों और विशेषज्ञों की माने तो कनाडाई लोगों पर कुछ वीजा प्रतिबंधों को कम करने के नई दिल्ली के आश्चर्यजनक कदम के बावजूद अभी भी भारत और कनाडा के बीच खराब राजनयिक संबंधों को सुधरने की एक लंबी प्रक्रिया होगी। दोनों देशों के विशेषज्ञों ने कहा, वीजा पर भारत की छूट से संबंधों में सुधार की कुछ उम्मीदें बढ़ गई हैं, लेकिन यह कोई सफलता नहीं है, क्योंकि किसी भी पक्ष के पास सामान्य स्थिति में वापसी के लिए ज्यादा प्रोत्साहन नहीं है।

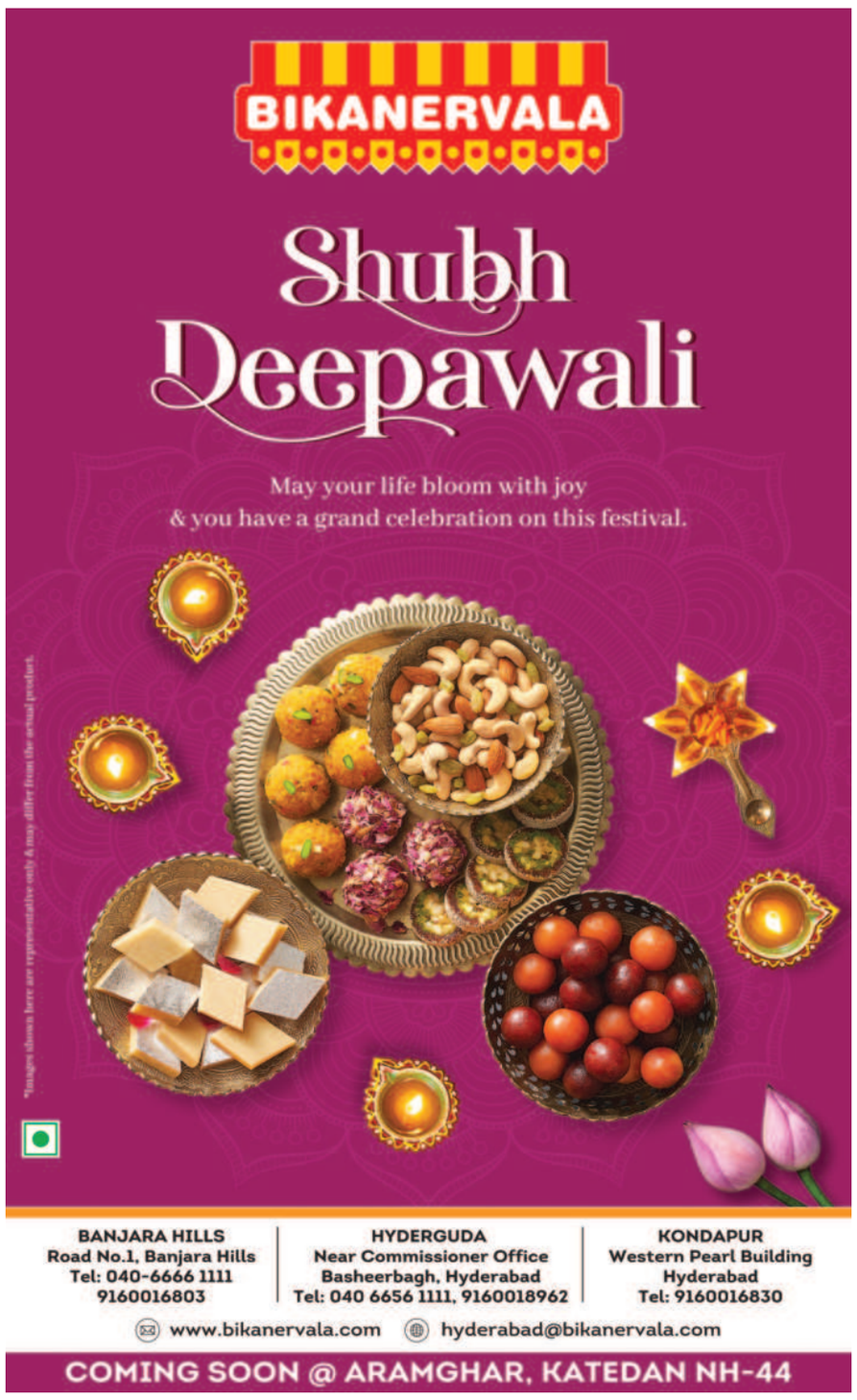

अमित शाह विपक्षी गठबंधन इंडिया की नहीं करें परवाह

संजय राउत बोले- हमारी चिंता छोड़ें, मराठा नेता ने दी यह सलाह

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों के गठबंधन आईएनडीआईए (इंडिया) पर हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के मुखपत्र सामना के संपादकीय में उन्होंने कहा, अमित शाह को इंडिया गठबंधन की परवाह करने की जरूरत नहीं है, उन्हें पांच राज्यों के चुनावों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, इंडिया गठबंधन के नेता सक्षम हैं, इंडिया गठबंधन 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बना है, जिन राज्यों में चुनाव हैं वहां कांग्रेस नंबर वन पार्टी है, अगर हम विधानसभा चुनाव में बीजेपी को नहीं हराएंगे तो हम लोकसभा चुनाव की तैयारी कैसे करेंगे? पांच राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद, इंडिया गठबंधन की बैठकें फिर से होंगी।

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) में उठापटक के बीच शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने सोमवार को कहा कि यह गठबंधन केंद्र में 'तानाशाही शासन' को खत्म करने के लिए बनाया गया लेकिन राज्यों में राजनीति अलग होती है। संपादकीय में विश्वास जताया गया है कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन जीतेगा। इस महीने पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव अगले साल के लोकसभा चुनावों के लिए 'ड्रेस रिहर्सल' हैं।

इसमें कहा गया है कि जिन पांच राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होने हैं, वहां कांग्रेस एक प्रमुख दल है। संपादकीय में कहा गया है, कांग्रेस के लिए सत्ता के दुरूपयोग और धन के अहंकार को खत्म करने के वास्ते चुनाव जीतना महत्वपूर्ण है। यह इंडिया गठबंधन के लिए अहम साबित होगा।

इसमें कहा गया है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चिंता वाजिब है। पिछले सप्ताह कुमार ने 'आईएनडीआईए (इंडिया)' की सक्रियता थमने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था और कहा था कि देश की सबसे पुरानी पार्टी को फिलहाल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में दिलचस्पी है तथा विपक्षी मोर्चे को आगे बढ़ाने की उसे चिंता नहीं है।

दिवाली से पहले मंत्रिमंडल विस्तार: योगी की टीम में पिछड़ों को मिलेगी तवज्जो, राजभर और दारा समेत कई नए चेहरे

लखनऊ, 6 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में पिछड़ों को तवज्जो मिलेगी। राजभर और दारा समेत कुछ नए चेहरे मंत्रिमंडल में शामिल होंगे। दिवाली से पहले विस्तार की संभावना है।

जाति जनगणना की काट ढूंढने में जुटी भाजपा पिछड़े वर्ग को साधने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। इसका असर योगी सरकार 2.0 के बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार में देखने को मिल सकता है। यह विस्तार दिवाली से पहले संभव है। क्योंकि भाजपा में इस पर सैद्धांतिक सहमति बन गई है।

मंत्रिमंडल विस्तार में सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, घोसी से उपचुनाव हारे पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान को जगह मिलना तय माना जा रहा है। इनके अलावा एक दो नए चेहरों को भी जगह मिल सकती है, जो दारा सिंह और ओमप्रकाश की तरह पिछड़े वर्ग से आएंगे।

मालूम हो कि इस वर्ष जुलाई में सुभासपा के एनडीए में और सपा के पूर्व विधायक दारा सिंह चौहान के भाजपा में शामिल होने के बाद से मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा चल रही है।

सूत्रों के मुताबिक, अब तक मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर पार्टी में सैद्धांतिक सहमति नहीं बन पा रही थी। लेकिन विपक्षी दलों की ओर से जाति जनगणना के मुद्दे को हवा देने के बाद भाजपा नेतृत्व पिछड़े वोट बैंक को लेकर चिंतित है।

बीते सप्ताह मुख्यमंत्री योगी की गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से हुई मुलाकात में राजभर और नोनिया समाज को साधने के लिए ओमप्रकाश और दारा सिंह को मंत्री बनाने पर चर्चा हुई है।

इसी तरह आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जातीय समीकरण साधने के लिए एक-दो और मंत्री बनाए जाने पर सहमति बनी है। ओमप्रकाश राजभर सात नवंबर तक मंत्रिमंडल विस्तार की बात कह चुके हैं।

अखिलेश यादव का कांग्रेस पर हमला: बोले - सत्ता में रहते न जातीय जनगणना होने दी, न ओबीसी आरक्षण लागू किया

लखनऊ, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कांग्रेस ने जातीय जनगणना नहीं कराई और ओबीसी आरक्षण भी नहीं लागू होने दिया।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस ने न तो जातीय जनगणना होने दी और न ही पिछड़ों के आरक्षण के लिए मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू होने दी। जिस रास्ते पर पहले कांग्रेस चल रही थी, अब उसी रास्ते पर भाजपा चल रही है। अखिलेश ने कांग्रेस को चालू पार्टी करार दिया।

अखिलेश मध्य प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे के पहले दिन टीकमगढ़ और पन्ना जिलों में चुनावी जनसभाओं को संबोधित कर रहे थे। अखिलेश ने कहा कि पीडीए का कमाल देखिए, अब तो भाजपा की भाषा भी बदल गई है। भाजपा भी जातीय जनगणना कराने के लिए तैयार है। जबकि, कांग्रेस पहले ही पलटा मार चुकी है। उन्होंने कहा कि 2024 में जब नई सरकार बनेगी तो सबसे पहला काम होगा जातीय जनगणना। जनगणना के बाद जिस जाति की जितनी संख्या होगी, उसके उसके अधिकार के हिसाब से मदद प्राप्त होगी।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा सिर्फ लूट पर भरोसा करती है। प्रधानमंत्री एक कार्यक्रम में कह रहे थे कि 13 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। अगर इतने लोग गरीब रेखा से बाहर हो गये हैं तो यह राशन किसको दे रहे हैं। जब चुनाव आता है तो भाजपा के लोग किसानों, गरीबों और नौजवानों से झूठे वादे करते हैं। भाजपा सामाजिक न्याय की दुश्मन है। कई राज्यों में मंडल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार पिछड़ों के लिए 27 फीसदी आरक्षण लागू किया गया, लेकिन मध्य प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस की सरकारों ने इसे लागू नहीं किया।

आसपा प्रमुख चंद्रशेखर के बसपा सुप्रीमो को लिखे पत्र से मची सियासी हलचल

मेरठ, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आजाद समाज पार्टी प्रमुख एवं भीम आर्मी संस्थापक चंद्रशेखर की तरफ से बसपा सुप्रीमो को लिखे गए पत्र से सियासी हलचल मच गई। हालांकि आजाद समाज पार्टी के प्रमुख ने इस पत्र को सिरे से नकार दिया है। उनका कहना है कि यह पत्र 2022 में लिखा गया था। किसी असमंजस की वजह से यह पत्र मीडिया में जारी हो गया।

दरअसल, आजाद समाज पार्टी के प्रवक्ता टिंकू कपिल की तरफ से मीडिया को एक पत्र भेजा गया। जो पार्टी प्रमुख चंद्रशेखर के नाम से बसपा सुप्रीमो मायावती को लिखा गया है।

चार पन्नों के पत्र में लिखा गया कि वर्ष 2014 और फिर 2019 में लगातार भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनावों में बहुमत से सरकार बनाई है। बहुजनों के सबसे मजबूत गढ़ उत्तर प्रदेश में भी भाजपा ने वापसी की है। बहुजन समाज के लिए यह कठिन दौर है।

भाजपा शासन में बहुजन समाज पर अत्याचार बढ़ा है और उसके अधिकार छीने जा रहे हैं। बहुजनों को शासन बनाने का सबसे बड़ा कार्य कांशीराम ने किया, जिसकी वजह से बहुजन समाज पार्टी ताकत बनकर उभरी और बहुजन आंदोलन भी मजबूत हुआ। उनके आंदोलनों में आपका (मायावती) का योगदान भी महत्वपूर्ण रहा है लेकिन राजनीतिक परिस्थितियों के कारण आज वह विचारधारा खत्म होती नजर आ रही है। उन्होंने मायावती से अनुरोध किया है कि बहुजन समाज के हितों को देखते हुए हमें अपने मतभेद भुलाकर एक साथ आना होगा।

जैसे ही यह पत्र मीडिया में जारी हुआ तो पश्चिमी यूपी की राजनीति में भी हलचल मच गई। इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। मामला लखनऊ तक पहुंच गया लेकिन देर शाम पार्टी प्रमुख चंद्रशेखर की तरफ से इसे नकार दिया गया।

पार्टी प्रमुख चंद्रशेखर ने बताया कि यह पत्र 2022 में लिखा गया था। फिलहाल ऐसा कोई पत्र नहीं लिखा गया। कुछ असमंजस की वजह से यह पत्र मीडिया में जारी किया गया। वहीं, प्रवक्ता टिंकू कपिल ने बताया कि यह पुराना पत्र है, जो गलती से मीडिया को जारी हो गया था।

नौकरी घोटाला और कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा ने किया हंगामा, विधानसभा कल तक के लिए स्थगित

पटना, 6 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से एक दिन पहले मुजफ्फरपुर में सभा के दौरान इसके आंकड़ों पर सवाल उठाया था। संभव है कि मंगलवार को सरकार ऐसे सारे सवालों का जवाब शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन दे।

बिहार विधानमंडल का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विधानसभा पहुंचे। विधानसभा के अध्यक्ष ने उनका स्वाकत किया। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार विधानसभा अध्यक्ष के चेंबर में गए। इधर, भाजपा नेताओं ने विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे की मांग करने लगे।

जाति आधारित जनगणना की पूरी रिपोर्ट सदन में पेश करेगी सरकार

बिहार की राजनीति में यह सप्ताह इसी सत्र के हंगामे को समर्पित होगा। पांच दिवसीय सत्र के पहले दिन सोमवार को औपचारिकताओं के साथ हंगामा संभव है। असल हंगामा मंगलवार को होने की आशंका है, जब बिहार की महागठबंधन सरकार अपनी घोषणा के अनुसार बिहार में जाति आधारित जनगणना की पूरी रिपोर्ट सदन में पेश करेगी। जातीय जनगणना की रिपोर्ट जारी किए जाते समय ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि आर्थिक सर्वे के साथ जातीय गनणा की रिपोर्ट को विधानमंडल के पटल पर रखा जाएगा। सत्र से एक दिन पहले बिहार आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस रिपोर्ट को गुमराह करने वाला बताया था। उन्होंने कहा था कि लालू प्रसाद के दबाव में सीएम नीतीश कुमार ने इस सर्वे में यादवों और मुसलमानों की संख्या ज्यादा दिखाई है।

मंत्री अशोक चौधरी ने भाजपाइयों को बताया महिषासुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बताया कमजोर खिलाड़ी

वैशाली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कुछ दिन पहले लालू यादव की पार्टी राजद के विधायक ने महिषासुर को समाजवादी बताया था, अब जदयू कोटे से बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने भाजपाइयों की तुलना महिषासुर से कर दी है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा।

बिहार सरकार के भवन निर्माण मंत्री डॉ. अशोक चौधरी ने हाजीपुर में एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने भाजपाइयों की तुलना महिषासुर से की। उन्होंने कहा- दुर्गा मैया से हम आग्रह करते हैं कि हे दुर्गा मइया, आपने जैसे महिषासुर का वध किया था, ठीक उसी तरह भाजपा वालों का भी कल्याण कीजिए। इतना ही नहीं, उन्होंने मुजफ्फरपुर में हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर भी अपनी भड़ास निकाली। कहा- रबिहार में भाजपा काफी कमजोर स्थिति में है, इसलिए अमित शाह यहां बार बार आ रहे हैं। वैसे भी कमजोर खिलाड़ी को ज्यादा प्रैक्टिस करनी पड़ती है।

अमित शाह को बताया कमजोर खिलाड़ी

अमित शाह के मुजफ्फरपुर के दौरे पर भी अशोक चौधरी बौखलाए नजर आये। उन्होंने कहा कि बिहार में भाजपा बहुत कमजोर है। बिहार में भाजपा का अस्तित्व समाप्त हो गया है। इसलिए उनको बिहार में लगातार मेहनत करना पड़ेगा।इसलिए अमित शाह आ रहे हैं। अमित शाह जान रहे हैं कि वह बिहार में कमजोर हैं। कमजोर विद्यार्थी को मैदान में ज्यादा प्रैक्टिस करना पड़ता है इसलिए अमित शाह बाकी राज्यों को छोड़कर बिहार ज्यादा आ रहे हैं।

अमित शाह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू प्रसाद पर जमकर बरसे

मुजफ्फरपुर पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू प्रसाद पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि मैं पलटू बाबू को कहना चाहता हूं कि आपने जनाद्रोह किया। लेकिन, मोदी जी की सरकार ने देश से आतंकवाद को उखाड़ने का काम किया है। राजद और जदयू जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटाने के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने धारा 370 हटाने पर कश्मीर में खून की नदियां बहने की भी बात कही थी। लालू जी खून की नदियां तो छोड़ो, आपसे अबतक एक कंकड़ तक नहीं चला। अमित शाह ने बिहार में कराये गये जाति जनगणना रिपोर्ट पर भी जमकर बोला। उन्होंने कहा कि यह सर्वे छलावा है।

यादव और मुस्लिमों की आबादी को बढ़ाकर दिखाया गया, जबकि अति पिछड़े समाज की संख्या को काफी कम दिखाया है। नीतीश कुमार और लालू प्रसाद ने मिलकर अति पिछड़े समाज को धोखा दिया है।

बालू कारोबारी का मर्डर, गाड़ी से नीचे उतरते ही अपराधियों ने भूना; बॉडीगार्ड भी साथ था

पटना

कनपा पूल के पास गाड़ी रोककर जैसे ही उतरे पूर्व से घात लगाएं अपराधियों ने बालू कारोबारी देवराज उर्फ़ लालू पर गोलीबारी कर दिया। उनका बॉडीगार्ड जबतक कुछ समझ पाता की घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी काले रंग के स्कॉर्पियो से फ़रार हो गये।

बिहार में बालू खनन शुरू होते ही माफियाओं का खूनी खेल भी शुरू हो गया है। भोजपुर के खनगांव बालू घाट पर हत्या एवं गोलीबारी की आग अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि पटना में अपराधियों ने बालू कारोबारी देवराज उर्फ़ लालू की गोली मारकर हत्या कर दी। अपराधियों ने यह हत्या तब की जब बालू कारोबारी के साथ बॉडीगार्ड भी था। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी फरार हो गये। पुलिस आसपास के लगे सीसीटीवी को खंगाल रही है।

बताया जा रहा है कि रविवार के देर रात्रि रानीतलाब थाना क्षेत्र के बेरर गांव निवासी देवराज अपने गाड़ी से जा रहे थे। कनपा पूल के पास गाड़ी रोककर जैसे ही उतरे वैसे पूर्व से घात लगाएं अपराधियों ने बालू कारोबारी देवराज उर्फ़ लालू पर गोलीबारी कर दिया। उनका बॉडीगार्ड जबतक कुछ समझ पाता की घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी काले रंग के स्कॉर्पियो से फ़रार हो गये। आननफानन में देवराज को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया।

कारोबारी देवराज उर्फ़ लालू के साथ रहे प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना में चार अपराधियों की बात सामने आ रही है। सभी अपराधियों के हाथ में छोटे हथियार थे और पलक झपकते ही घटना को अंजाम दे फ़रार हो गये। पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी फ़ुटेज को खंगाल रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही घटना में शामिल अपराधियों को गिरफ़्तार कर लिया जायेगा। बताया जा रहा है कि तीन - चार साल पहले देवराज बालू के कारोबार में जुड़े थे। पहले दो हाइवा लिये और बालू कारोबार से जुट गये। देखते ही देखते अपना सिंडिकेट खड़ा कर लिया और करोड़ों का साम्राज्य खड़ा कर लिया था। इसको लेकर कई गुटों से रंजिश चल रही थी।

नॉर्थ ईस्ट हादसे की जिम्मेदारी, वंदे भारत को उड़ाने की धमकी का सच खुला; रंजिश में चौंकाने वाली साजिश

पटना, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बक्सर में हुए नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन हादसे की जिम्मेदारी लेने और वंदे भारत, राजधानी एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों का भी ऐसा ही हश्र करने की धमकी के नाम पर डेढ़ करोड़ मांगने वाली चिट्ठी का राज जानकर पुलिस भी चौंक गई। शिक्षक ने यह साजिश रची थी।

आदमी किसपर भरोसा करे और किस बात पर चिंतित हो भला! नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस जैसे भीषण रेल हादसे को लेकर भी बिहार के एक शिक्षक ने भद्दा मजाक किया था। पुलिस की जांच में जब वंदे भारत एक्सप्रेस, राजधानी एक्सप्रेस, शताब्दी जैसी ट्रेनों को लेकर धमकी का राज खुला तो शिक्षक तक पहुंचकर पुलिस भी चौंक गई। सामने आया कि नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस को नमूना बताते हुए इन ट्रेनों को निशाना बनाने की बात लिख डेढ़ करोड़ रंगदारी मांगने वाली चिट्ठी एक शिक्षक ने दूसरे शिक्षक को फंसाने के लिए लिखी थी। धमकी भरी चिट्ठी में नाम-मोबाइल नंबर होने के कारण पुलिस तह तक पहुंच गई, वरना ढूंढ़ना आसान नहीं होता। रेल डीएसपी सुशांत कुमार चंचल के अनुसार, स्टेशन प्रबंधक को एक लेटर मिल था। इसमें धमकी देते हुए डेढ़ करोड़ रुपये की डिमांड की गई थी। लेटर में लिखा गया था कि रकम नहीं देने पर वंदे भारत, राजधानी, जनशताब्दी ट्रेन नहीं बचेगी। पहले लेटर की अनदेखी करने पर आपलोग नार्थ-ईस्ट का हाल देख ही चुके होंगे। इसके बाद रेल प्रशासन दंग रह गई। फौरन मामले में केस दर्ज किया और छानबीन में जुट गई।

रेल पुलिस ने इसके लिए विशेष टीम का गठन किया। लेटर में लिखे मोबाइल नंबर का लोकेशन और डिटेल निकाला गया। पता चला कि पटना के रामकृष्णानगर निवासी कमलदेव सिंह का यह नंबर था। शनिवार की रात रेल पुलिस ने कमलदेव के घर पहुंची। इसके बाद उससे पूछताछ की। इसके बाद कमलदेव ने जो खुलासा किया, वह चौंकाने वाला था। कमलदेव ने बताया कि उसने यह चिट्ठी नहीं लिखी। रेल पुलिस ने प्रमाण के लिए उसकी लिखावट और लेटर की लेखनी की जांच की, लेकिन यह मेल नहीं खाया।

पूछताछ के दौरान कमलदेव ने बताया कि यह काम बहादुरपुर निवासी कामता प्रसाद का है। वह पटना सिटी के एक स्कूल में पढ़ाता है। जेल भेजनवाने के लिए कामता प्रसाद ने यह साजिश रची। इसके बाद पुलिस कामता प्रसाद के घर पहुंची। जांच के दौरान मिले सबूत और कामता प्रसाद से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस का कहना है कि बिहार राज्य आवास बोर्ड की जमीन मामले में करोड़ों रुपये के गबन की बात सामने आई थी। इस आरोप में 4 माह पहले कामता प्रसाद जेल गया था।

इंटर की छात्रा फंदे पर झूलती मिली

घर वाले निकले बीमार को देखने और लौटे तो बेटी की लाश मिली

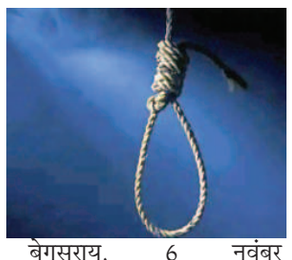

बेगूसराय, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बेगूसराय में इंटर की छात्रा ने सुसाइड कर लिया। उसकी लाश उसके ही घर के कमरे में फंदे से लटकी मिली। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के कुंभी गांव की है। मृत छात्रा की पहचान रामबाबू महतो की पुत्री सुमन कुमारी के रूप में की गई है।

घर में अकेली थी सुमन

परिजनों ने बताया कि छात्रा इंटर में पढ़ाई करती थी। उन्होंने बताया कि सब कुछ ठीक-ठाक था। सभी लोग बीमार बच्चों को दिखाने के लिए बेगूसराय शहर में डॉक्टर के पास आए थे। घर में सुमन कुमारी घर में अकेले ही थी, अचानक उसने गले में फंदा डालकर आत्महत्या कर ली।

लाश देख दंग रह गए परिजन

परिजनों ने बताया कि मोबाइल के माध्यम से सूचना मिली कि सुमन कुमारी घर में ही गले में फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। हमलोग जब घर आए तो उसकी लाश देखकर दंग रह गए। उसने क्यों और किस कारण से आत्महत्या की, यह जांच का विषय है। इधर घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने चेरिया बरियारपुर थाना पुलिस को दी मौके पर चेरिया बरियारपुर थाने के पुलिस पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

पुलिस का कहना है मामले की जांच की जा रही है। परिजनों से जानकारी ली जा रही है।

व्यापारी का कत्ल: 'ढाबे पर ऐसी क्या बात हुई जो मार दी गोली...', हकीकत जानने के लिए गिड़गिड़ाते रहे मां-बाप

कानपुर देहात, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कानपुर देहात के रनियां थाना क्षेत्र के उमरन स्थित सेंगर ढाबा में खाना खाने के बाद रुपये देने को लेकर हुए विवाद में ढाबा कर्मचारी ने सुरक्षा गार्ड की रायफल से व्यापारी की गोली मार कर हत्या कर दी।

कानपुर देहात के उमरन स्थित सेंगर ढाबा में योगेश की गोली मार कर हत्या किए जाने के मामले में कई सवाल खड़े हुए हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज देखने के लिए डीवीआर कब्जे में ली है। बेटे की मौत से बदहवाश पिता मोहनलाल व मां शकुंतला बार- बार पुलिस अधिकारियों से हकीकत जानने के लिए फुटेज दिखाने की मांग करती रही। मां ने कई बार कहा कि आखिर ऐसी क्या बात हुई जो बेटे को गोली मार दी गई। वह तो यह भी कहती रही की ढाबा की गतिविधियां संदिग्ध हैं। योगेश की मौत के मामले में कई अनसुलझी पहली ऐसी है जो रह रह कर कई सवाल खडे.कर रही है। पुलिस जहां साफ तौर पर यह कह रही है कि हत्या लेनदेन को लेकर हुए विवाद में हुई हैं।

वहीं परिवार के लोग सच्चाई कुछ और होने की बात कह रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने पिता मोहनलाल की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। कानपुर हैलट से शव पोस्टमार्टम होकर पहुंचा तो मृतक की मां शकुंतला, बहन शगुन, पिता मोहन लाल ने ढाबा के सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग करने लगे।

परिजनों ने साफ कहा कि वह शव को पैतृक गांव तभी लेकर जाएंगे जब वह बेटे की मौत की सच्चाई जान लेंगे। हालांकि पुलिस ने काफी समझाया और इसके बाद वह लोग शव को लेकर पैतृक गांव रामसीसर, जिला सीकर, राजस्थान निजी वाहन से लेकर गए। इस दौरान रनियां पड़ाव के रहने वाले लोगों घटना को लेकर कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं थानाध्यक्ष रनियां महेंद्र सिंह ने परिजनों को कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

ढाबा में देर रात शराब पार्टी चलने की बात सामने आई है। पुलिस जांच में लोगों ने बताया कि ढाबा पर आस पास के लोग देर रात तक शराब पार्टी करते हैं। इसी वजह से अक्सर लोगों के बीच लेनदेन को लेकर विवाद होता है। शनिवार को योगेश व उसके साथियों के साथ भी लेनदेन को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद बात इतनी बढ़ी गई की हत्या कर दी गई।

निकाय चुनाव के दौरान इसी ढाबे से पुलिस व आबकारी टीम ने शराब भी बरामद की थी, जिसके बाद यह ढाबा चर्चा में रहा। वहीं एक पास के होटल में सिपाहियों से हुए विवाद में भी ढाबे को लेकर चर्चा रही। जिसमें तत्कालीन एसपी ने बाद में सिपाहियों को निलंबित किया था। उमरन स्थित सेंगर ढाबा के संचालक देवराज सिंह है। ढाबा पर कभी उनका छोटा बेटा विशाल सिंह व तो कभी बड़ा बेटा विकास बैठता था। विकास सिंह ने बताया कि उनके ढाबा में रामचंद्र सुरक्षा कर्मी है। रात अधिक होने पर वह रायफल को ढाबा पर रख कर कहीं चले गए थे। देर रात हुए विवाद में ढाबे पर मौजूद पुष्पेंद्र डराने के डर से रायफल लेकर आया था, इसी बीच उससे गोली चल गई और योगेश घायल हो गया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 7 नवंबर, 2023 5

युविचार

जिन्दगी में सबसे ज्यादा
खुश वही रहता है,
जो कम साधनो में भी
खुश रहता है !

कांग्रेस ने कोत्तागुडेम सीट सीपीआई को दी, दो एमएलसी पद देने का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। राज्य में तेलंगाना विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़ा घटनाक्रम हुआ है। कांग्रेस पार्टी इस चुनाव को जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इसके लिए वह किसी भी छोटे मौके का फायदा उठा रही है। कांग्रेस आलाकमान, जिसका मानना था कि कम्युनिस्ट कुछ विधानसभा क्षेत्रों को प्रभावित करेंगे, ने कोत्तागुडेम विधानसभा सीट सीपीआई को देने का फैसला किया है। टीपीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी खुद सीपीआई कार्यालय गए और प्रमुख सीपीआई नेताओं कुनामनेनी सांबा शिवा राव और चाडा वेंकट रेड्डी से बातचीत की। एक घंटे से अधिक समय तक चली चर्चा के बाद सीपीआई ने कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन के लिए 'हां' कह दी।

बातचीत के बाद रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद आलाकमान सीपीआई को दो एमएलसी सीटें देने पर सहमत हो गया है। उन्होंने कहा कि सीपीआई के साथ कांग्रेस पार्टी की बातचीत सफल रही है. उन्होंने कहा कि हमने एआईसीसी के निर्देशों पर चर्चा की है। अंतत: हम एक समझौते पर पहुंचे। सीपीआई हमारे साथ चलने को तैयार है. सीपीआई कोत्तागुडेम से चुनाव लड़ेगी।

रेवंत रेड्डी ने कोठागुडेम निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से सीपीआई पार्टी के उम्मीदवार की जीत के लिए काम करने का आह्वान किया। इस बात को लेकर काफी दिलचस्पी है कि कोठागुडेम के कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता निर्वाचन क्षेत्र में कैसे प्रतिक्रिया देंगे। बातचीत के बाद सीपीआई महासचिव नारायण ने मीडिया से बात की। नारायण ने कहा कि हमारा लक्ष्य तेलंगाना को सीएम केसीआर के हाथों से मुक्त कराना है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी का शासन अच्छा है। राजनीति में धर्म को जोड़ा जा रहा है। भाजपा, बीआरएस और मजलिस वही हैं। कविता की गिरफ्तारी रोक दी गई क्योंकि भाजपा और बीआरएस के बीच सांठगांठ है। देश और लोकतंत्र को बचाने की जरूरत है। हमें फार्म हाउस शासन के खिलाफ लड़ना होगा।

दूसरी ओर, सीपीआई के राज्य सचिव कूनामनेनी संबाशिव राव ने मीडिया से कहा कि सीपीआई का कांग्रेस के साथ गठबंधन अपरिहार्य हो गया है। राज्य में कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने की सकारात्मक हवा है। अन्य दल कांग्रेस पार्टी के अनुकूल माहौल को देखकर कृत्रिम रूप से कार्य कर रहे हैं। मुनुगोडु में भी, हमने भाजपा को हराने के लिए गठबंधन बनाया है। एक गठबंधन होना चाहिए विधानसभा में सवाल उठाने की आवाज। तेलंगाना के लोग सांस लेने की स्थिति में नहीं हैं। तेलंगाना में अपनी शिकायतें व्यक्त करने की स्थिति नहीं है। बीआरएस सरकार ने सवाल उठाने की आवाज को दबा दिया है। बीआरएस निरंकुश की तरह ही स्तर पर है केंद्र में भाजपा का शासन है। हमें उम्मीद है कि सीपीएम के साथ भी कुछ समझ बनेगी। हम चाहते हैं कि यह दोस्ती भविष्य में भी बनी रहे। हम अपरिहार्य परिस्थितियों में कांग्रेस पार्टी के साथ जा रहे हैं। कांग्रेस आलाकमान और रेवंत रेड्डी जल्द ही अन्य वामपंथी पार्टी सीपीएम नेताओं के साथ भी बातचीत कर सकते हैं। हालाँकि, 17 उम्मीदवारों और सीपीएम द्वारा पहले ही घोषित घोषणापत्र के साथ, यह संदिग्ध है कि कांग्रेस और सीपीएम के बीच बातचीत कैसे होगी।

रेलवे ट्रैक का अतिक्रमण एक गंभीर अपराध : अरूण जैन

दमरे महाप्रबंधक ने ट्रेन संचालन और सुरक्षा पर बैठक की

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे ट्रैक का अतिक्रमण एक गंभीर अपराध है। यह सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालता है और ट्रेन की आवाजाही को बाधित करता है। ऐसे में, घटनाओं से बचने के लिए जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। यह बातें दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने ट्रेन संचालन की सुरक्षा और समय की पाबंदी पर रेल निलयम, सिकंदराबाद आयोजित एक समीक्षा बैठक में कही। आर. धनंजयुलु, अपर महाप्रबंधक, एससीआर ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए। अरुण कुमार जैन जोन पर ट्रेन संचालन की सुरक्षा की समीक्षा करते समय, एक ट्रैक्टर के ट्रैक पर फंसने की घटना सामने आई। उन्होंने अधिकारियों को लेवल क्रॉसिंग पर रेलवे ट्रैक पार करते समय अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं पर ग्राम पंचायतों आदि में परामर्श सत्र आयोजित करके आम जनता के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को लोको पायलटों, सहायक लोको पायलटों को रोड लर्निंग पर नियमित परामर्श कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी और शॉर्ट कट तरीकों से बचने की हिदायत दी। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेन संचालन में सुरक्षा में सुधार के लिए नए विचारों और सुझावों के साथ आने और छोटी-मोटी असामान्य घटनाओं से बचने की सलाह दी, जिससे समय की पाबंदी आदि में कमी आ सकती है। महाप्रबंधक ने रोलिंग स्टॉक की स्थिति, सिग्नलिंग उपकरण और जोन पर मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग को खत्म करने आदि पर चर्चा की, उन्होंने डीआरएम को ट्रेन चालक दल के काम के घंटों पर ध्यान केंद्रित करने और उन्हें उचित आराम प्रदान करने का निर्देश दिया। उन्होंने मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की समयपालनता पर चर्चा की और अधिकारियों को समयपालनता में सुधार करने की सलाह दी। उन्होंने ट्रैक अनुरक्षण कार्यों एवं गति प्रतिबंध पर विशेष रूप से फोकस करने के निर्देश दिये। उन्होंने डीआरएम को प्रारंभिक स्टेशनों पर प्रस्थान समय की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने और ट्रेनों के देर से चलने के कारणों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने समयपालन में सुधार के लिए ट्रेनों की समय सारिणी का अध्ययन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कोचिंग ट्रेनों के प्राथमिक रखरखाव की निगरानी करने का भी निर्देश दिया जिसमें सफाई, पानी और खानपान आदि शामिल है, जो अप्रत्यक्ष रूप से समय की पाबंदी को प्रभावित कर सकता है। महाप्रबंधक ने जोन पर दोहरी लाइन खंडों पर ट्रेनों की गतिशीलता में सुधार करने का निर्देश दिया। उन्होंने लंबी दूरी की ट्रेनों की समयपालनता पर भी ध्यान देने का निर्देश दिया. उन्होंने औसत गति में सुधार के लिए योजनाओं की समीक्षा की, लंबी दूरी की ट्रेनों पर चर्चा की और मालगाड़ियों की गति में सुधार करने की सलाह दी।

टीईएस-42 कोर्स के 32 जेंटलमैन कैडेट सीटीडब्ल्यू, एमसीईएमई से उत्तीर्ण हुए

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टेक्निकल एंट्री स्कीम-42 (टीईएस-42) कोर्स के बत्तीस युवा और दृढ़निश्चयी जेंटलमैन कैडेट्स (जीसी) तीन कोर्स पूरा करने के बाद कैडेट्स ट्रेनिंग विंग (सीटीडब्ल्यू), मिलिट्री कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एमसीईएमई) के पोर्टल से पास हुए। पासिंग आउट कोर्स (पीओएस) (टीईएस-42) का पुरस्कार वितरण समारोह 06 नवंबर 2023 को एमसीईएमई ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ आयोजित किया गया था। लेफ्टिनेंट जनरल जेएस सिदाना, कमांडेंट, एमसीईएमई और ईएमई के कर्नल कमांडेंट कोर प्रमुख कार्यक्रम के अतिथि थे। समारोह में बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित अतिथि, वरिष्ठ अधिकारी और टीईएस-42 पाठ्यक्रम के जीसी के गौरवान्वित माता-पिता उपस्थित थे। कमांडेंट और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए, ब्रिगेडियर जीएस बेदी, कमांडर, सीटीडब्ल्यू ने पाठ्यक्रम के दौरान सभी प्रशिक्षण गतिविधियों में उनके अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए पासिंग आउट कोर्स को बधाई दी। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में पीओसी के सभी जीसी और अभिभावकों को बधाई दी और भारतीय सेना के हथियारों और सेवाओं के महान पेशे को चुनने के लिए उनकी सराहना की। जनरल ऑफिसर ने पाठ्यक्रम में आधुनिक युद्ध के मैदान में सामने आने वाली तीव्र तकनीकी चुनौतियों से अवगत रहने और तकनीकी विशेषज्ञता और पेशेवर कौशल के साथ उनका सामना करने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने पेशेवर दक्षता, प्रतिबद्धता और कर्तव्य के प्रति समर्पण के आवश्यक गुणों को अपनाने पर भी जोर दिया। मुख्य अतिथि ने पाठ्यक्रम के मेधावी जीसी को विभिन्न पुरस्कारों और पदकों से सम्मानित किया। योग्यता के क्रम में पहले स्थान पर रहने के लिए प्रतिष्ठित जीओसी-इन-सी, एआरटीआरएसी स्वर्ण पदक प्लाटून कैडेट कैप्टन आयुष बिष्ट को प्रदान किया गया, योग्यता के क्रम में दूसरे स्थान पर रहने के लिए रजत पदक विंग कैडेट क्वार्टरमास्टर मुदित गुप्ता को प्रदान किया गया, जबकि खड़े होने के लिए कांस्य पदक दिया गया। योग्यता क्रम में तीसरा पुरस्कार विंग कैडेट कैप्टन आर अमरनाथ रेड्डी को प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जीसी को पुरस्कार भी दिए गए, जिनमें ड्रिल, अधिकारी जैसी योग्यताएं, हथियार प्रशिक्षण, आउटडोर प्रशिक्षण, सैन्य विषय और खेल शामिल हैं।

अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने पर ईएफएलयू के छात्र हिरासत में

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएलयू) के कुछ छात्रों को पुलिस ने तब गिरफ्तार कर लिया जब उन्होंने सोमवार को परिसर के भीतर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। परिसर में कथित यौन उत्पीड़न की पीड़िता के लिए न्याय और अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए, छह छात्रों ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी, जबकि कई अन्य छात्र क्रमिक भूख हड़ताल पर हैं।

जब छात्रों और पुलिस ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की तैयारी कर रहे लोगों को पकड़ने की कोशिश की तो छात्रों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। एक प्रदर्शनकारी छात्र ने कहा कि रिले भूख हड़ताल पर बैठे दो छात्रों समेत छह छात्रों को पुलिस ने उठा लिया है। प्रदर्शनकारी छात्रों के अनुसार, पुलिस ने विरोध प्रदर्शन में शामिल उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों को भी हिरासत में लिया।

ईएफएलयू के छात्रों ने उन छात्रों के खिलाफ एफआईआर और कारण बताओ नोटिस को तत्काल वापस लेने की मांग की, जिन्होंने हाल ही में महिला छात्र पर कथित यौन उत्पीड़न पर विरोध प्रदर्शन किया था। उन्होंने यूजीसी के नियमों के अनुरूप और प्रशासनिक सदस्यों के बिना निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों के साथ आईसीसी के पुनर्गठन की भी मांग की। यह कहते हुए कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव कोई बाधा नहीं है, छात्रों ने विश्वविद्यालय से तुरंत छात्र संघ चुनाव कराने की मांग की। छात्रों ने कहा, "हम इस बात पर जोर देते हैं कि इन मांगों को तुरंत पूरा किया जाए और इसकी घोषणा हमें लिखित रूप में दी जाए।

कोडाद पुलिस ने 50 किलो गांजा जब्त किया, तीन को पकड़ा

सूर्यापेट, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। कोडाद ग्रामीण पुलिस ने सोमवार को जिले के रामपुरम में अंतरराज्यीय सीमा चेक-पोस्ट पर वाहन जांच के दौरान दो महिलाओं सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया और 12.5 लाख रुपये मूल्य का 50 किलोग्राम गांजा जब्त किया। गिरफ्तार किये गये व्यक्तियों में महाराष्ट्र के रायगढ़ के अवधेश चन्द्रशेखर वर्मा, शैला प्रदीप धनदाकर और सारिका विलास महिथे शामिल हैं।

पुलिस अधीक्षक बीके राहुल हेगड़े ने कहा कि पुलिस एक निजी बस में चार बैगों की जांच कर रही थी, जो विजयवाड़ा से विशाखापत्तनम जा रही थी, और गांजा मिला। तीनों आरोपी 3 नवंबर को ट्रेन से महाराष्ट्र से विशाखापत्तनम पहुंचे और 1 लाख रुपये में गांजा खरीदा। वे इसे बेचने के लिए वापस महाराष्ट्र जा रहे थे।

उत्तर पूर्वी मॉनसून : हैदराबाद में हल्की छिटपुट बारिश का अनुमान

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग, हैदराबाद (आईएमडी-एच) ने अगले तीन दिनों में शहर में हल्की छिटपुट बारिश की भविष्यवाणी की है क्योंकि उत्तर पूर्वी मॉनसून की बारिश अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। आईएमडी-एच के अनुसार, ये बारिश या गरज के साथ बौछारें दोपहर या शाम के समय होने की उम्मीद है। यह पूर्वानुमान क्षेत्र में शुष्क अक्टूबर के बाद एक स्वागतयोग्य राहत के रूप में आया है। हालाँकि, शहर में बारिश छिटपुट रहने की उम्मीद है, इसलिए सभी क्षेत्रों में वर्षा नहीं हो सकती है। इस अवधि के दौरान दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने की संभावना है, जबकि रात का तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। अगले तीन दिनों के दौरान राज्य भर में छिटपुट बारिश सक्रिय रहने की भी उम्मीद है, जिससे लंबे समय से चले आ रहे शुष्क दौर से कुछ राहत मिलेगी।

बीआरएस शासन के तहत कोडंगल में कोई विकास नहीं

कोडंगल, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आज कहा कि उन्हें कोडंगल के लोगों के आशीर्वाद से राज्य पार्टी इकाई का नेतृत्व करने का अवसर मिला है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे उन्हें डीके शिवकुमार से आगे का फैसला दें, जो कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने सोमवार को कोडंगल विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी की ओर से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। 2009 में, जब महबूबनगर के लोगों ने केसीआर पर भरोसा किया और उन्हें संसद में भेजा, तो उन्होंने उन्हें धोखा दिया। यदि क्षेत्र के साथ न्याय हुआ है, तो आपने निर्णय लेने के लिए कोडंगल आने के अनुरोध का जवाब क्यों नहीं दिया? अगर कृष्णा का पानी निकाला गया है और कोस्गी में महिला कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज बनाया गया है, तो लोगों ने केसीआर की बातों पर विश्वास किया होगा। उन्होंने सवाल किया कि लोगों को धोखा देने वाली बीआरएस दोबारा वोट कैसे मांगेगी? उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस को सत्ता में लाना सभी लोगों की जिम्मेदारी है। कोई विकास नहीं हुआ है। यह चुनाव कोडंगल के युवाओं को रोजगार दिलाने की लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना चुनाव कोडंगल सीट के लोगों और केसीआर के बीच हो रहा है, उन्होंने कहा कि यह चुनाव आशा का चुनाव नहीं है, बल्कि एक ऐसा चुनाव है जो लोगों के जीवन में बदलाव लाएगा। उन्होंने कहा कि इस चुनाव से कोडंगल को देश के मानचित्र पर पहचान मिलेगी।

एनसीसी तेलंगाना और एपी गणतंत्र दिवस शिविर 2024 के लिए तैयार

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के नौ एनसीसी समूहों के बीच गणतंत्र दिवस शिविर 2024 के लिए अंतर समूह प्रतियोगिता 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक मेहदीपट्टनम सैन्य गैरीसन में आयोजित की गई थी। लड़के और लड़की कैडेटों ने ड्रिल, स्मॉल आर्म्स फायरिंग, दो राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विभिन्न शैलियों में फोटोग्राफी और फ्लैग एरिया प्रतियोगिताओं जैसे विभिन्न कार्यक्रमों में जमकर प्रतिस्पर्धा की। वारंगल ग्रुप के कैडेट्स को चैंपियंस और सिकंदराबाद ग्रुप को उपविजेता चुना गया। एयर कमोडोर वी मधुसूदन रेड्डी, उप महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय तेलंगाना और आंध्र प्रदेश व्यक्तिगत रूप से कैडेटों के चयन में शामिल थे। उन्होंने प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए कैडेटों और अधिकारियों द्वारा किए गए अपार प्रयासों की सराहना की। इस शिविर से चुने गए कैडेटों को प्रशिक्षित किया जाएगा और जनवरी 2024 में नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में राज्यों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सभी एनसीसी कैडेटों और कर्मियों को अपने संबोधन में, एयर कमोडोर वीएम रेड्डी ने प्रशिक्षण में सभी द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। एनसीसी कैडेटों ने चयन प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने इस तथ्य पर चिंता व्यक्त की कि तेलंगाना और एपी निदेशालय पिछले साल 17 निदेशालयों में से 16 वें स्थान पर थे। उन्होंने कैडेटों को आगाह किया कि दोनों राज्यों की प्रतिष्ठा दांव पर है।

उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि ठोस और समर्पित प्रयासों से तेलंगाना और एपी टीम नई दिल्ली में आगामी गणतंत्र दिवस शिविर 2024 में विजयी होगी और समग्र चैंपियंस ट्रॉफी जीतेगी।

मां-बेटी तालाब में डूबीं

नगरकर्नूल, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। एक दुखद घटना में, रविवार को नगरकर्नूल नगर पालिका के अंतर्गत नागानोले गांव में कपड़े धोते समय एक मां और बेटी तालाब में डूब गईं। मां और बेटी की पहचान नरम्मा (55) और सैदम्मा (37) के रूप में की गई। उनके शव तालाब से बरामद किए गए और पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल में भेज दिए गए।

राजनीतिक दलों के विज्ञापन के लिए एमसीएमसी समिति की मंजूरी अनिवार्य : रोनाल्ड रोज

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी रोनाल्ड रोज ने कहा कि प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, ऑडियो, वीडियो डिस्पले, वाहनों में विज्ञापन, एफएम रेडियो, बल्क एसएमएस, वीडियो संदेश, सिनेमा थिएटरों में विज्ञापन, पंपलेट छापने की अनुमति एमसीएमसी कमेटी के माध्यम से ली जाए। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी मुख्यालय में सीपीआरओ एमसीएमसी कमेटी का गठन किया गया है। राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को एमसीएमसी से अनुमति लेनी होगी। प्रिंटिंग प्रेस से छपने वाले पंपलेटों पर यदि प्रकाशक का नाम, पता, हैण्डबिल व अन्य दस्तावेज छपे हों तो चुनाव आचार संहिता का सही ढंग से पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे पर्चे छापने चाहिए जिनमें किसी के खिलाफ प्रचार न हो बल्कि ऐसे पर्चे के पोस्टर में जाति, धर्म, अदालती मामलों और अदालती फैसलों की आलोचना हो। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127ए के तहत प्रकाशक के नाम और मुद्रण करने वाले व्यक्ति के पते के बिना की गई किसी भी छपाई पर मुकदमा चलाया जाएगा। प्रिंटिंग प्रबंधन को इस मामले में सहयोग करते हुए किसी भी पंपलेट को छापने के लिए एमसीएमसी कमेटी की अनुमति लेने को कहा गया।

CLASSIFIEDS

SECURITY GUARDS

JSS Group Leading Security Agency: Urgently Required Security guards,Head guards, security supervisors, security officers, chief security officers for Nacharam and RTC cross road (8hours/12hoursDuty) Attractive salary ESIC+PF Benefits Madhapur Hyd

Contact: 9966062084, 99660 62097, 9966062092

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व मंत्री बी. जनार्दन ने कांग्रेस छोड़ी, बीआरएस में शामिल होंगे

मंचेरियल, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। गुटबाजी से जूझ रही कांग्रेस को एक और झटका देते हुए, पूर्व मंत्री बी. जनार्दन ने सोमवार को यह आरोप लगाते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया कि कांग्रेस ने वादा कुछ किया और किया कुछ और्। उनके शीघ्र ही बीआरएस में शामिल होने की उम्मीद है। जनार्दन ने कहा कि पार्टी ने उन्हें इस क्षेत्र में काम करने के लिए कहा था और तदनुसार, टिकट के दावेदारों ने कड़ी मेहनत की है। एक चयन समिति द्वारा चेन्नूर से एक एकल नाम प्रस्तावित किया गया था, जो सर्वेक्षणों पर आधारित था। हालाँकि, कुछ दिन पहले ही पार्टी में शामिल होने के बाद विवेक वेंकटस्वामी अचानक सबसे आगे हो गए हैं। वरिष्ठ नेता ने पूछा कि विवेक के पास अन्य अभ्यर्थियों से अधिक योग्यता क्या है। उसके पास पैसे के अलावा कुछ नहीं है। वह टिकट पाने के लिए पार्टी को मोटी रकम दे रहे हैं. यह स्वागतयोग्य संकेत नहीं है और पार्टी के लिए अच्छा संकेत नहीं होगा. विवेक के भाई विनोद ने कई बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के बाद चेन्नूर के लिए कुछ नहीं किया, जनार्दन ने कहा, उन्होंने कहा कि वह लोगों को विवेक के खिलाफ वोट करने के लिए प्रेरित करेंगे।

चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट में सी-विजिल की भूमिका अहम

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के चुनाव आयोग द्वारा इन सभी कमियों को भरने, फास्ट ट्रैक शिकायत प्राप्त करने, त्वरित समाधान प्रणाली बनाने के लिए नया सी-विजिल ऐप लॉन्च किया गया है। सी-विजिल नागरिकों के लिए आचार संहिता, व्यय की रिपोर्ट करने के लिए एक अभिनव मोबाइल ऐप एप्लिकेशन है। चुनाव के दौरान उल्लंघन सी-विजिल विजिल का मतलब सतर्क नागरिक है जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में नागरिकों की सक्रिय और जिम्मेदार भूमिका पर जोर देता है। फोटो व वीडियो अपलोड करते समय फोन में जीपीआरएस चालू होना चाहिए, शिकायतकर्ता को अपनी जानकारी दर्ज करने की जरूरत नहीं है। इनका विवरण ग्रुप में है।

चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन होने पर दो मिनट का फोटो या वीडियो एप पर अपलोड करना होगा। एप के माध्यम से वितरण का विवरण सीधे जिला निर्वाचन अधिकारी तक पहुंचेगा। फील्ड में 24 घंटे कर्मचारी उपलब्ध हैं जो ऐप में प्राप्त शिकायतों को संबंधित टीमों को भेजेंगे और 100 मिनट के भीतर उनका समाधान करके आपकी निर्धारित आईडी पर वापस भेज देंगे।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 7 नवंबर - 2023

कितनी कारगर हैं कैंसर की दवाएं

निरंकार सिंह

देश में प्रत्येक वर्ष 7 नवंबर को राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मनाया जाता है ताकि जानलेवा बीमारी से लड़ने के लिये शुरुआती कैंसर का पता लगाने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता फैलाई जा सके। कैंसर एक गैर संक्रामक बीमारी है, लेकिन इसके बावजूद भी हर साल इसके मामले बढ़ रहे हैं। भारत में भी कैंसर के मामलों में इजाफा जारी है, लेकिन आज तक ऐसी कोई दवा नहीं बनी थी जो कैंसर को जड़ से खत्म कर सके। कैंसर आज भी एक जानलेवा बीमारी है। अब तक ऐसी कोई ऐसी दवा नहीं बनी है जो इस बीमारी को हमेशा के लिए खत्म कर दे. हालांकि अब कैंसर के इलाज में एक उम्मीदे जगी है । देश विदेश में कोई ऐसी दवाएं बनायी जा रही है जो कैंसर के उपचार में सहायक साबित होंगीं। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने एक ड्रग ट्रायल में दावा किया है कि एक दवा शरीर की हेल्दी सेल्स को नुकसान किए बिना ही कैंसर ट्यूमर को जड़ से खत्म कर सकती है। इस ड्रग को एओएच1996 नाम दिया गया है। यह कैंसर सेल्स में पाए जाने वाले प्रोटीन को टारगेट करती है। इस कैंसर प्रोटीन की वजह से ही शरीर में ट्यूमर फैलता और बढ़ता है। पहले इस प्रोटीन (पीसीएनए) को इलाज योग्य नहीं माना जाता था, लेकिन अब नई दवा इस पर प्रभावी बताई जा रही है। यह ड्रग अमेरिका के सबसे बड़े कैंसर केंद्रों में से एक, लॉस एंजिल्स में सिटी ऑफ होप हॉस्पिटल द्वारा 20 सालों की रिसर्च के बाद विकसित की है। ट्रायल में इस दवा के अच्छे परिणाम आने के बाद दुनियाभर के कैंसर मरीजों के लिए उम्मीद की किरण जग गई है। इस दवा का लैब में 70 तरह के कैंसर पर ट्रायल किया गया है, जिसमें ब्रेस्ट कैंसर, ब्रेन कैंसर, यूट्रस कैंसर, स्किन कैंसर और लंग्स कैंसर पर ट्रायल हुआ है। इन सभी तरह के कैंसर ट्यूमर पर इसने असर दिखाया है. दवा को विकसित कर रहे प्रोफेसर लिंडा मलकास का कहना है कि यह ड्रग कैंसर प्रोटीन को खत्म करने में मदद करती है। शरीर में कैंसर कारण सेल्स पर अटैक करती है और ट्यूमर के विकास में बाधा बनने के साथ उसको खत्म भी करती है। इस दवा पर रिसर्च कर रही टीम ने पाया है कि एओएच 1996 कैंसर से पीड़ित मरीजों में सेल्स को बढ़ने और उनके फैलने के सामान्य तरीके को बाधित कर देती है।

ये कैंसर सेल्स को मारने का भी काम करती है। इस दौरान वह स्वस्थ्य सेल्स पर हमला नहीं करती है, जबकि कैंसर के ट्रीटमेंट के दौरान कीमोथेरेपी ट्रीटमेंट से मरीजों की अच्छी सेल्स भी खत्म होती है, जिससे शरीर में कई तरह के साइड इफेक्ट्स आते है।. इस कारण बाल झड़ने, चेहरे के काला पड़ने और पेट खराबी की समस्या सबसे अधिक देखी जाती है। भारत में भी कैंसर की दवाओं के निर्माण की दिशा में कई प्रयास हुए हैं। आईआईटी इंदौर के केमिकल और बायोमेडिकल साइंस एवं बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग ने अपने एक शोध के दौरान कैंसर जैसी लाइलाज बीमारी के लिए उपचार खोज निकाला है। आईआईटी इंदौर ने रुथेनियम आधारित नैनो जेल का आविष्कार किया है। कैंसर के इलाज की यह प्रक्रिया कीमोथेरेपी से बिल्कुल अलग प्रक्रिया है जो शरीर में मौजूद रूग्ण सेल पर ही वार करेगी। इसके अतिरिक्त दूसरे स्वस्थ सेल पर इसका कोई भी प्रभाव नहीं पड़ेगा. इस नैनो जेल में रुथेनियम- ग्लूकोज कॉम्प्लेक्स है जो अगर किसी कारणवश लीक भी कर जाए तो शरीर से बाहर न निकलते हुए शरीर के अंदर ही अन्य कैंसर सेल को ढूंढ कर उन्हें नष्ट कर देगा।इस नैनो जेल के अविष्कार में काम करने वाली टीम के प्रोफेसर सोनकर के अनुसार इसे अलग-अलग स्टेज पर टेस्ट किया जा चुका है। जिसमें इस बात को देखा गया है कि यह केवल कैंसर युक्त सेल को ही नष्ट कर रहा है। इसके अलावा स्वस्थ सेल पर इसका प्रभाव नहीं है जो एक बहुत ही अच्छी बात है। कैंसर के इलाज की इस प्रक्रिया का टेस्ट मछली पर किया जा चुका है जिसमें किसी भी तरह का प्रतिकूल प्रभाव नजर नहीं आया. हालांकि इंसानों पर इसका प्रयोग करने से पहले और अधिक अध्ययन की आवश्यकता है। जैसा की आमतौर पर कैंसर पेशेंट को कीमोथेरेपी के कई साइड इफैक्ट्स झेलने पड़ते हैं. जिसके चलते शरीर पूरी तरह कमजोर हो जाता है. साथ ही और भी कई तरह के बदलाव शरीर में होते हैं। लेकिन अगर यह आविष्कार सफल साबित होता है तो इसमें मौजूद रूथेनियम के चलते शरीर पर किसी भी तरह के नुकसान देखने को नहीं मिलेगा और कैंसर के इलाज की प्रक्रिया भी आसान हो जाएगी। वर्तमान में कैंसर के पेशेंट को प्लैटिनम-आधारित ड्रग दिया जाता है. जो शरीर में मौजूद रूग्ण और स्वस्थ दोनों ही सेल को एकसाथ नष्ट करता है. लेकिन इस नैनो जेल की प्रक्रिया में ऐसा कुछ भी नहीं होगा. यही एक मुख्य कारण है कि इस अविष्कार के सफल साबित होने से कैंसर जैसी बीमारी के इलाज में काफी सकारात्मक बदलाव देखा जा सकता है। वैकल्पिक चिकित्सा के क्षेत्र में काम करने वाली एक अग्रणी संस्था डीएस रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों ने भी खाद्य पदार्थों की पोषक ऊर्जा सेकैंसर की औषधि तैयार की है।वैज्ञानिक परीक्षणों में भी इस औषधि के नतीजे बेहतर पाये गये हैं। कोलकाता के जाधवपुर विश्वविद्यालय के नैदानिक अनुसंधान केन्द्र (सीआरसी) के निदेशक डा. टी.के. चटर्जी के अनुसार- रिसर्च सेंटर की पोषक ऊर्जा से तैयार की गई औषधि सर्वपिष्टी के पशुओं पर किये गये परीक्षण के परिणाम उत्साहजनक पाये गये हैं।

यदि पशुओं के शरीर पर सर्वपिष्टी का प्रयोग किये जाने के बाद सीआरसी ने उत्साहजनक परिणाम प्राप्त किये हैं तो ऐसे ही परिणाम इसे मानव शरीर पर प्रयोग करने से भी प्राप्त किये जा सकते हैं, जो कैंसर उपचार के इतिहास में युगान्तकारी घटना होगी। सीआरसी विभिन्न रोगों के लिए दवाईयों का नैदानिक परीक्षण करता है। इसी सिलसिले में उन्होंने सर्वपिष्टी का भी नैदानिक परीक्षण किया था। ये परीक्षण आयातित सफेद चूहों पर किये गये। पशु शरीर में कैंसर कोशिकाओं को प्रविष्ट कराया गया और जब ट्यूमर निर्मित हो गया तब हमने दवा देना शुरू किया।

ऊर्जा के परीक्षण की स्थिति में 14 दिनों बाद जो प्रतिक्रियायें देखी गयीं उनमें कोशिकाओं की संख्या स्पष्ट रूप से कम होना शुरू हो गई थीं। पशु शरीर में कोई अल्सर पैदा नहीं हुआ। ट्यूमर विकास दर 46 प्रतिशत तक कम हो गई थी और दवाई की विषाक्तता लगभग शून्य थी। ऐसे सकारात्मक परिणाम हाल के समय में नहीं देखे गये थे। इस औषधि में कैंसर को रोकने और उससे लड़ने की अपरिमित संभावनाएं हैं। औषधियों के परिणाम-परीक्षण की एक सुनिश्चित वैज्ञानिक पद्धति है। औषधियां प्रायः विषों और ड्रगों से बनती है अतएव पहला परीक्षण किया जाता है कि वे स्वास्थ्य और जीवन को खतरे में तो नहीं डाल देंगी। लेकिन डीएस रिसर्च सेंटर ने तो मानवीय भोज्य पदार्थो में सन्निहित पोषक ऊर्जा को प्राप्त करके औषधियां तैयार की थी इसलिए वे औषधियां मानव स्वास्थ्य के लिए सर्वथा अनुकूल थी। यहां तक कि औषधि के सेवन का माध्यम भी दुग्ध शर्करा को बनाया गया था जो एक मानवीय भोज्य है और स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। सन1982 में सेंटर ने कैंसर की औषधि तैयार की। इस औषधि के परीक्षण के लिए प्रारम्भ से ही नीति बनी कि केवल ऐसे रोगियों की तलाश की जाए जिन्हें अस्पताली चिकित्सा के धर्मकांटे ने चिकित्सा के लिए अयोग्य मानकर अन्तिम रूप से छोड़ दिया हो। खोजबीन करके इस तरह के रोगियों तक पोषक ऊर्जा की खुराकें पहुँचायी जाने लगी।

उन्हें यह भी कह दिया गया कि अपने कष्टों के लिए और स्वास्थ्य के विकास के लिए जो भी औषधियां वे लेते रहे हैं उन्हें लेते रहें। सेंटर के वैज्ञानिक डा. उमाशंकर तिवारी के निर्देशन में परीक्षण अभियान शुरू हुआ। अन्ततः औषधि की सफलता और उसके प्रभाव-परिणाम की सकारात्मकता, रोगियों के अपने अनुभवों तक सीमित नहीं रही, वह जांच रिपोर्टो से भी प्रमाणित हुई और पारम्परिक चिकित्सा के वर्तमान सूत्रपातों को अक्सर विस्मित भी करती रही।

कुदरत का कहर

बीते कुछ दिनों से देखने में आ रहा है कि दुनिया में कहीं न कहीं भूकंप का कहर जारी है। यह प्राकृतिक उथल-पुथल ही गंभीर आपदा व तबाही का कारण बनती है। कई बार तो यह संदेश भी देती है कि संभल जाओ आने वाले दिन काफी खतरनाक भी हो सकते हैं। शुक्रवार को नेपाल से लेकर उत्तर भारत के एक बड़े इलाके में जिस तरह से भूकम्प ने तबाही मचाई है, उसे एक तरह से चेतावनी माना जाना चाहिए कि समय रहते खतरे से बचाव का इंतजाम कर लेना चाहिए। गनीमत रही कि इस भूकंप ने अपनी विनाशलीला से भारत को बचाए रखा वर्ना नेपाल जैसा ही बडे जानमाल का नुकसान हो सकता था। नेपाल में डेढ़ सौ से ज्यादा लोगों की जान इस विनाशकारी भूकंप ने लील ली। इस बार धरती हिलने की जैसी घटना देखी गई, उससे भविष्य को लेकर कई तरह की आशंकाएं पैदा होना स्वाभाविक है। बता दें कि 6.4 तीव्रता वाले इस भूकम्प का केंद्र काठमांडो से तीन सौ इकतीस किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में दस किलोमीटर जमीन के नीचे था। इसलिए नेपाल में इसका असर सबसे ज्यादा देखा गया, लेकिन भारत में भी दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड और बिहार जैसे राज्यों में देखा गया, जहां काफी देर तक लोगों ने धरती हिलते हुए महसूस किया। काफी समय से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जिस तरह लगातार भूकम्प के झटके सामने आ रहे हैं, उससे यह आशंका स्वाभाविक है कि कहीं धरती के भीतर कोई व्यापक उथल-पुथल तो नहीं हो रही है। शुक्रवार को आए भूकम्प को नेपाल में इससे पहले 2015 में आए विनाशकारी भूकम्प के बाद सबसे घातक और खतरनाक माना जा रहा है। बता दें कि 25 अप्रैल 2015 को नेपाल में 7.8 तीव्रता का जबरदस्त भूकम्प आया था, जिसमें जानमाल की व्यापक हानि हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, इसमें करीब दस हजार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि दस लाख घरों को नुकसान पहुंचा और करीब अट्ठाईस लाख लोग विस्थापित हुए थे। नेपाल में पिछले तीन सालों में 5.5 तीव्रता वाले भूकम्प पांच बार आ चुके हैं। भारत के भी कई राज्यों में पिछले कुछ समय से जिस तरह कम या ज्यादा तीव्रता वाले भूकम्प के झटके लग रहे हैं, उसे एक तरह से बचाव के इंतजामों को लेकर सचेत रहने की चेतावनी माना जाना चाहिए। विडंबना यह है कि भूकम्प एक ऐसी आपदा है, जिसके आने के वक्त के बारे में कोई पक्की और तात्कालिक सूचना हासिल करने या अनुमान लगा पाने की कोई तकनीक अभी तक विकसित नहीं की जा सकी है। ज्यादा तीव्रता वाला भूकम्प आने के बाद जिस तरह से राहत कार्य चलाया जाता है, उस पर निर्भर करता है कि कितने लोगों की जान बचाई जा सकी। इससे पहले सिर्फ यही रास्ता बचता है कि इंसान अपनी रिहाइश के ऐसे तौर-तरीके और बचाव के इंतजाम विकसित करे, जिसमें बड़े भूकम्प में भी ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान बचाई जा सके। इसके लिए सबसे मुफीद यही होगा कि घर बनाते समय हल्के वजन के घर या भूकम्परोधी बुनियाद पर इमारत खडी की जाए ताकि अचानक आए भूकम्प की स्थिति में बचाव की गुंजाइश बनी रहे। इसके साथ जो इलाके भूकम्प के लिहाज से संवेदनशील माने जाते हैं, उसमें भूकम्प के समय घरों में फंसने पर बचाव के छोटे-छोटे इंतजामों को लेकर जागरूकता का प्रसार, खतरे की चेतावनी प्रणाली सहित राहत और बचाव इंतजामों के प्रति पूरी तरह चौकसी बरती जाए। इससे जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है। इसे स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं है कि प्राकृतिक आपदाओं को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता है, लेकिन उससे बचाव के हर संभव तरीके अपना कर जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

समय पर पता चलने पर संभव है कैंसर का निदान

योगेश कुमार गोयल

किसी भी व्यक्ति के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है। भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है। यह भी जान लें कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं।

टिकिटों से असंतोष आलाकमान के ख़िलाफ़ विद्रोह की शुरुआत है ?

श्रवण गर्ग

टिकिटों को लेकर कांग्रेस और भाजपा में बग़ावत की जो स्थिति बनी उसे या तो दोनों पार्टियों के लाकमानों ने गंभीरता से नहीं लिया या फिर जो भी तनाव क़ायम हुआ है उसे सार्वजनिक नहीं होने दिया गया। चुनाव नतीजों की दृष्टि से विद्रोह के हालात कई सीटों पर गंभीर स्थिति में पहुँच गए हैं। ऐसे ही चलता रहा तो इसका असर लोकसभा चुनावों पर भी पड़ने वाला है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस के मुक़ाबले भाजपा को ही ज़्यादा नुक़सान उसके बग़ावतियों से होने वाला है। नाम वापस लेने की आख़िरी तारीख़ तक बत्तीस सीटों (कुल230) को प्रभावित करने वाले भाजपा के 35 बाग़ी मैदान में थे। यह संख्या काफ़ी बड़ी है। बात 'संस्कारधानी' शहर जबलपुर से शुरू करते हैं। जबलपुर जेपी नड्डा का ससुराल भी है। भूपेन्द्र यादव केंद्रीय मंत्री होने के अलावा एक योग्य अधिवक्ता और विनम्र व्यक्ति भी हैं। मंदिर निर्माण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चले प्रकरण में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। पार्टी के मध्यप्रदेश के लिए चुनाव प्रभारी यादव इस आत्मविश्वास के साथ जबलपुर पहुँचे होंगे कि तैयारियों का जायज़ा लेने के साथ-साथ वे टिकिटों को लेकर उत्पन्न हुई नाराज़गी को भी शहर की प्रतिष्ठा और कार्यकर्ताओं की 'अनुशासनप्रियता' के आधार पर बातचीत से शांत कर लेंगे। वैसा नहीं हुआ। अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में यादव जैसे ही जबलपुर स्थित संभागीय कार्यालय पहुँचे नाराज़ कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया और धक्का-मुक्की भी की। एक सांसद के गनमेन के साथ हाथा-पाई हो गई। उसकी शिकायत पर बाद में चार लोगों को गिरफ़्तार कर लिया गया। प्रदेश अध्यक्ष, सांसद और वर्तमान में विधानसभा उम्मीदवार वीडी शर्मा के ख़िलाफ़ अपमानजनक टिप्पणियाँ और नारेबाज़ी की गईं। पार्टी ने जबलपुर में सांसद राकेश सिंह को भी विधानसभा का उम्मीदवार बनाया है। यहाँ के संसदीय क्षेत्र की आठ विधानसभा सीटों में चार अभी कांग्रेस के पास हैं। आगे क्या होगा तीन दिसंबर को नतीजों में पता चलेगा। कांग्रेस में तो हालात कपड़े फाड़ने तक पहुँच गए। टिकिट वितरण से नाराज़ कार्यकर्ताओं को कमलनाथ द्वारा दी गई सलाह कि कपड़े फाड़ना हो तो दिग्विजय सिंह और (उनके बेटे) जयवर्धन सिंह के फाड़ो का असर चुनावों के बाद भी ख़त्म नहीं होने वाला है। नामांकन दाखिल करने की आख़िरी तारीख़ तक कमलनाथ के बंगले के बाहर और दिग्विजय सिंह के आवास के भीतर तक कपड़े फाड़ने वालों की भीड़ के दर्शन किए जा सकते थे।

टिकिटों को लेकर दोनों ही दलों में जो कुछ चला और आगे चलकर जो तेज़ वाला है वह यह है कि अब 'विश्वसनीय' कार्यकर्ताओं ने भी अपने आलाकमानों को चुनौती देना प्रारंभ कर दिया है। पार्टी प्रत्याशियों की चौथी सूची जारी होने के पहले तक जो भावपूर्ण ड्रामा शिवराज सिंह के चुनाव क्षेत्र के मतदाताओं ने देखा वह प्रदेश की राजनीति और भाजपा के लिए नया अनुभव था। अपने टिकिट को लेकर पीएम से सवाल पूछने की हिम्मत दिखाने के बजाय मुख्यमंत्री ने जनता से पूछना शुरू कर दिया कि : 'मैं चुनाव लड़ूँ या नहीं ? मैं चला जाऊँगा तो बहुत याद आऊँगा।' निश्चित ही अपने टिकिट को लेकर शिवराज सिंह जनता के दबाव का इस्तेमाल करने लगे थे। कल्पना की जा सकती है कि मोदी अगर गुजरात की तर्ज़ पर शिवराज सिंह और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों के टिकिट काट देते तो किस तरह का विद्रोह मच सकता था ! भाजपा में ही एक तबके का सोच है कि एंटी-इंकम्बेंसी शिवराज सरकार के ख़िलाफ़ थी। उन्हें टिकिट नहीं दिया जाता तो भाजपा की भारी बहुमत से जीत सुनिश्चित थी। भाजपा आलाकमान द्वारा इतने सांसद-मंत्रियों को इसी इरादे से मैदान में उतारा भी गया था। कांग्रेस के बारे में यही चर्चा यही है कि टिकिट कमलनाथ की मर्ज़ी से बाटे गए। दिल्ली की नहीं चलने दी गई। दिग्विजय सिंह की इस स्क्रिप्ट पर कोई यक़ीन करने को तैयार नहीं है कि चार हज़ार आवेदकों में से केवल जीतने वाले नाम ही दिल्ली, प्रदेश और स्थानीय स्तर पर छानबीन के बाद अंतिम रूप से तय किए गए। अगर ऐसा हुआ है तो एमपी में कांग्रेस को डेढ़ सौ से ज़्यादा सीटें मिलनी चाहिए। ऐसा ही राजस्थान में भी हुआ। वहाँ भी अशोक गहलोत की ही चली। सचिन पायलट को लेकर चले घटनाक्रम के दौरान गहलोत ने पार्टी आलाकमान की हैसियत को ही मानने से इंकार कर दिया था। खरगे के पहले पार्टी का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की पेशकश को भी गहलोत ने मुख्यमंत्री का पद नहीं छोड़ने की शर्त से जोड़कर ठुकरा दिया था। खरगे और राहुल से पूछे बग़ैर ही दोनों नेताओं ने अपने आप को भावी मुख्यमंत्री भी घोषित कर रखा है। चर्चाओं में इस समय सवाल यह है कि भाजपा अगर चुनाव जीत जाती है तो वह शिवराज का क्या करेगी ? मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो शिवराज क्या करेंगे ? क्या वे लोकसभा लड़ने को तैयार हो जाएँगे ? पार्टी अगर हार गई तो क्या उन्हें डंप कर दिया जाएगा ? वसुंधरा राजे ने बेटे के पक्ष में राजनीति से रिटायरमेंट लेने का इरादा चाहे हवा में उछाल दिया हो, भाजपा अगर राजस्थान में जीत गई तो क्या वह किसी और को मुख्यमंत्री बना पाएगी? चार महीने बाद ही पार्टी को लोकसभा चुनाव भी लड़ना है। मध्यप्रदेश और राजस्थान में मोदी को लोकसभा की लड़ाई कांग्रेस से भी लड़ना पड़ेगी और अपनी ही पार्टी के विद्रोही नेताओं से भी। कांग्रेस आलाकमान (राहुल-खरगे) के लिए भी एमपी और राजस्थान चुनौती के तौर पर उभरने वाले हैं। 2018 में इन्हीं दो राज्यों में कमलनाथ और गहलोत के नेतृत्व में सरकारें बन जाने के बावजूद लोकसभा में पार्टी का सफ़ाया हो गया था। ये दोनों नेता ही इस बार भी कमान में हैं और विद्रोही तेवर अपनाए हुए हैं। उपसंहार यह कि प्रधानमंत्री और राहुल गांधी दोनों को उनकी ही पार्टियों के तपे-तपाए नेताओं ने लोकसभा चुनावों के पहले से तेवर दिखाना प्रारंभ कर दिया है। कांग्रेस के मामले में तो मध्यप्रदेश, राजस्थान के साथ कर्नाटक को भी जोड़ा जा सकता है। वहाँ का संकट अभी जारी है।

दोनों ही नेता जनता के बीच जितने ताकतवर नज़र आते हैं भीतर से उतने हैं नहीं ! इसी कारण दोनों के लिए विधानसभा चुनाव जीतना ज़रूरी हो गया है। हिमाचल और कर्नाटक के बाद इन प्रमुख हिन्दीभाषी राज्यों में भी भाजपा की हार केंद्रीय नेतृत्व के ख़िलाफ़ विद्रोह को और तेज कर देगी ! शिवराज और वसुंधरा दोनों ही अच्छे से समझते हैं कि उन्हें टिकिट किन परिस्थितियों में दिए गए हैं और उन्हें आगे क्या करना पड़ सकता है !

http://shravangarg1717.blogspot.com

असली-नकली मिठाई

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

कुछ लोग बड़े सीजनल होते हैं। उनका काम ही त्यौहारों में खुशियाँ ढूँढ़ने की बजाय चिंताएँ ढूँढ़ते रहते हैं। कभी पर्यावरण को लेकर तो कभी कुछ। दीपावली और उससे निकलने वाले ध्वनि-वायु प्रदूषण को लेकर चिंता करने वाले सो कॉल्ड दिखावटी चिंताकर्ताओं को ट्रोल करने वाले दृष्टिहीन केंचुओं की तरह लगने लगते हैं। ये केंचुएँ कीचड़ में अपने शरीर को कुछ इस तरह हिलाते हैं, जिससे सारा ध्यान उन्हीं पर आकर रुक जाए। ट्रोल करने वालों की फेहरिस्त बड़ी लंबी होती है। ऐसे ट्रोलकर्ता पटाखों पर प्रतिबंध का समर्थन क्या करते हैं बड़े पर्यावरणविद् सा प्रतीत होने लगते हैं। बदले में उन्हें उनके जैसे ही लोग समर्थन करने वाले मिल जाते हैं। खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलने लगता है। साल भर का ध्वनि और वायु प्रदूषण उन्हें दीपावली के दिन ही दिखाई देता है।

मेरी और भारत में पले-बढ़े लाखों अन्य बच्चों की तरह, ट्रोलकर्ताओं ने भी नए कपड़ों, मिठाइयों और सर्वोत्कृष्ट रॉकेट, अनार और फुलझड़ियों के साथ दिवाली मनाई होगी। लेकिन जब वह प्रदूषण के कारण पटाखों पर प्रतिबंध का समर्थन करते हैं, ठीक वैसा ही लगता है जैसे दूसरों को अंगुली दिखाना। इतना ही नहीं इस पर्व को मधुमेह का बहाना बताकर मिठाइयों को लेकर भी टीका-टिप्पणी करते हैं। पर्वों पर विशेषकर दीपावली पर हर कोई चाहता है कि थोड़ा-बहुत मीठा हो जाए। मिष्ठान्न के लिए इंसान अक्सर एकांत में मिठाइयों पर टूट पड़ता है। मिठाइयों में सोहन हलवा की हैसियत उस शरणार्थी की तरह होती है जिसे कोई स्थाई रूप से बसाना नहीं चाहता। सोहन हलवा का एक्सपायरी पीरियड थोड़ी देर भर का होता है। वरना वह लासालासा करने लगता है। हलवा पहले पहले ताजा और शाम होने-होने तक बासी होकर सूखे चमन की तरह अपनी निस्सहायता पर रोने लगते हैं। पिस्ता, बादाम, काजू, किशमिश, अखरोट अभी भी आम आदमी की जेब से अभी उतने ही किलोमीटर दूर है जितने किलोमीटर सरकारी वादों का लाभ। ऐसे में खोवा-खलाखन की मिठाइयां नेताओं के चुनावी वादों की तरह हर वर्ग को लुभाती है। ये मिठाइयां हर सीजन में बिना किसी चुनाव के नेता बहुमत चुन लिए जाते हैं। नेताओं के चुनावी वादों की तरह खोवा-खलाखन में भी आकर्षक बनावट के साथ भयंकर मिलावट होती है। चुनावी वादे हो या खोवा-खलाखन की मिठाई, सामान्य व्यक्ति दोनों ही चटखारे लेकर चटख जाता है और बाद में बिना किसी बीमा के देश और स्वयं के स्वास्थ्य का कीमा बनाता है। अब मिलावट तो हर जगह है। सच पूछें तो मिलावट को पंचतत्वों में मिलाकर उसे षष्ठतत्व बना देना चाहिए।

श्रम का कोई विकल्प नहीं

संजीव ठाकुर

मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है1 जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है1 बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं1 सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं1 मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए 1 यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है1 जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है1 यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है1 मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए1इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है।

और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है1 भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है1ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता।

उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

दिवाली तक हर दिन शुभ मुहूर्त

धनतेरस पर बनेंगे एक साथ 4 राजयोग, अगले 7 दिनों में 14 शुभ योग

धनतेरस पर चार राजयोग ये अबूझ मुहूर्त जैसा

खरीदारी समेत हर शुभ काम के लिए धनतेरस को अबूझ मुहूर्त की तरह ही माना जाता है। इस बार धनतेरस पर शुभकर्तरी, वरिष्ठ, सरल और सुमुख नाम के चार राजयोग बन रहे हैं। साथ ही अमृत नाम का शुभ योग भी रहेगा।

इस तरह कुल पांच शुभ योग बनने से ये दिन विशेष मुहूर्त बन गया है।

इस दिन भगवान धन्वंतरि के साथ धन के स्वामी कुबेर की पूजा भी की जाती है।

अगर आप पुष्य नक्षत्र में कोई खरीदारी करने से चूक गए हैं तो अगले सात दिन में 14 बड़े शुभ योग बन रहे हैं। इनमें आप कोई भी सामान खरीद सकते हैं। नया बिजनेस या दुकान जैसी चीजें शुरू करना चाहते हैं, तो वो भी कर सकते हैं। 6 से 12 नवंबर यानी दीपावली तक हर दिन कोई ना कोई शुभ योग रहेगा।

इन सबमें सबसे शुभ मुहूर्त दीपावली के दो दिन पहले धनतेरस पर रहेगा। इस दिन 4 राजयोग और एक 1 शुभ योग बन रहा है, इस तरह 5 योगों का महासंयोग 10 नवंबर को रहेगा। धनतेरस पर वैसे भी सोना-चांदी और बर्तन खरीदने की परंपरा रही है। इस बार इन 5 योगों के कारण ये और भी खास हो जाएगी।

अब जानिए, कौन से शुभ योग बन रहे हैं जो योग रहेंगे उनमें शुक्ल, ब्रह्म, इंद्र, स्थिर, प्रीति, आयुष्मान, सौभाग्य, दामिनी, उभयचरी, वरिष्ठ, सरल, शुभकर्तरी गजकेसरी और सर्वार्थसिद्धि योग शामिल हैं।

इन शुभ योग में की गई खरीदारी और शुरुआत लंबे वक्त तक फायदा देने वाली रहेगी। इन शुभ योग में किए कामों में सफलता की संभावना और बढ़ जाती है।

6 से 12 नवंबर तक किस दिन क्या खरीद सकते हैं...

6 नवंबर, सोमवारः शुक्ल और गजकेसरी योग
इस शुभ संयोग में मिठाइयां, मोती से बने ऑर्नामेंट, सुगंधित चीजें, एक्वेरियम या पानी से जुड़ी सजावटी चीजें और महिलाओं से जुड़े सामानों की खरीदारी की जा सकती है।

7 नवंबर, मंगलवारः ब्रह्म और शुभकर्तरी योग
इस दिन बन रहे शुभ योग में इलेक्ट्रॉनिक सामानों की खरीदारी करना शुभ रहेगा। प्रॉपर्टी में निवेश के लिए भी ये दिन खास रहेगा।

8 नवंबर, बुधवारः इंद्र, दामिनी और स्थिर योग

इस दिन बन रहे तीन शुभ योग में ज्वेलरी, कपड़े और स्टेशनरी खरीदना शुभ होगा। शेयर मार्केट में निवेश करने और बिजनेस बढ़ाने के लिए भी ये दिन खास रहेगा।

9 नवंबर, गुरुवारः शुभकर्तरी और उभयचरी योग

फर्नीचर, मशीनरी और व्हीकल खरीदारी के लिए ये दिन शुभ रहेगा, क्योंकि इस दिन दो राजयोग बन रहे हैं। इन शुभ योग के चलते नए कामों की शुरुआत के लिए भी दिन अच्छा रहेगा।

10 नवंबर, शुक्रवारः शुभकर्तरी, वरिष्ठ, सरल, सुमुख और अमृत योग

इस दिन धनतेरस होने से ज्वेलरी, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक आइटम और हर तरह की खरीदारी की जा सकेगी।

व्हीकल खरीदारी का विशेष मुहूर्त इस दिन बन रहा है। 5 शुभ योग बनने से नई शुरुआत के लिहाज से भी अहम दिन रहेगा।

11 नवंबर, शनिवारः प्रीति और सर्वार्थसिद्धि योग

इन शुभ योग में किया काम सफलता देने वाला माना गया है, इसलिए व्हीकल और मशीनरी खरीदारी या कारखाना शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। इस दिन हर तरह की खरीदारी की जा सकती है।

12 नवंबर, रविवारः आयुष्मान और सौभाग्य योग

लक्ष्मी पर्व होने से इस दिन हर तरह की नई शुरुआत, खरीदारी, निवेश और लेनदेन करना बेहद शुभ रहेगा। इस दिन बन रहे शुभ योग में खासतौर से सोना-चांदी, ज्वेलरी और बर्तनों की खरीदारी कर सकते हैं।

महिलाओं के पीरियड्स और ब्लड प्रेशर के लिए फायदेमंद है पैरों की बिछिया!

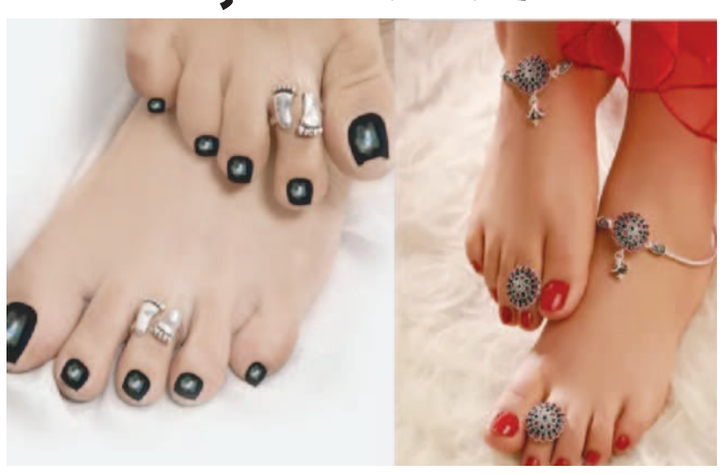

कई बार पौराणिक मान्यताओं को लोग एक प्रथा या प्राचीनतम फैशन के रुप में देखते हैं।आधुनिकता के इस दौर में हम अपने रीति रिवाजों और उनसे जुड़े तथ्यों को भूलते जा रहे हैं और इसे सिर्फ फैशन तक सीमित कर देते हैं। हिंदू धर्म में सोलह श्रृंगार की विशेष मान्यता है इस 16 श्रृंगार में माथे की बिंदिया से पैरों में पहने जानी वाली बिछिया तक शामिल है। खास बात यह है कि इन सभी 16 श्रृंगारो का अपना अलग -अलग महत्त्व है

भारतीय वैदिक संस्कृति अनुसार महिलाओं का सोलह श्रृंगार में से 15वा श्रृंगार चांदी की बिछिया मानी गई है, जो ना सिर्फ़ शारीरिक सौंदर्यता बढ़ाती है बल्की इसके कई ज्योतिष और वैज्ञानिक लाभ भी है।

बिछिया पहनने के वैज्ञानिक लाभ।

1.यूट्रेस रहता है हेल्दी।

वैज्ञानिक रिसर्च से पता चलता है कि पैरों में बिछिया पहनने से महिलाओं का यूट्रेस हेल्दी रहता है। महिलाएं पैर के अंगूठे की दूसरी उंगली पर बिछिया पहनती हैं इसी उंगली में एक विशेष नस होती है जो सीधे महिला के यूट्रस से जुड़ी होती है। जब अंगूठे के बगल वाली उंगली पर दवाब पड़ता है तो इससे यूट्रेस हेल्दी रहता है।

2.पीरियड्स को करती है रेगुलर।

इस नस का संबंध सीधे यूट्रेस से होता है ऐसे में ब्लड सरकुलेशन बेहतर होने की वजह से महिलाओं को पीरियड्स दौरान समस्या नहीं आती। यह पीरियड्स रेगुलर करने में मदद करता है

3.ब्लड प्रेशर को करता है कंट्रोल।

इस नस का सीधा संबंध गर्भाशय से होता है इस लिए जब पैरों के अंगूठे की तरफ दवाब पड़ता है तो ये ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करती है। ब्लड प्रेशर नियंत्रित होने से गर्भाशय तक खून सही तरीके से पहुंच पाता है।

बिछिया पहनने के ज्योतिष लाभ।

1.बिछिया सुहाग की निशानी के साथ ही शरीर में ऊर्जा उत्पन करती है क्यों की चांदी सुचालक धातु है जो पृथ्वी की ऊर्जा को शरीर तक पहुंचने का काम करती है।

2.चांदी चंद्र ग्रह के लिए पहनी जाती है जिससे चांदी की बनी बिछिया शारीरिक शीतलता एवम को मन की शांति और मन की चंचलता दूर करती है।

3.चंद्र की कृपा के लिए चांदी की बनी बिछिया पहनी जाती है , चंद्र जिससे महिलाओं के उदर रोग एवम रक्त संबंधित रोग भी दूर करने में सहायक है।

विछिया पहनने संबंधी नियम।

1.नई बिछिया रविवार को गाय के कच्चे दूध में धुल कर ही धारण करना चाहिए।

2. सुहागिन महिलाओं को कभी पैर की अंगुलिया खाली नही छोड़ना चाहिए अन्यथा पति के भाग्य में कमी आती है।

3. बिछिया जोड़े में पहने अर्थात एक पैर में दो अथवा पांच भी पहनी जा सकती।

सुखी और लंबी आयु के लिए वैदिक पद्धति अनुसार मनाएं जन्मदिन

वैदिक परम्परा के अनुसार जन्मदिन के शुभ अवसर पर दीप जलाने चाहिएं, ताकि आगे का जीवन मंगलमय रहे। जितने वर्ष की आयु पूर्ण हो चुकी हो, उतने ही दीपक भगवान के सामने जलाने चाहिएं, इससे वर्ष भर अनिष्टों से रक्षा होती है। जन्मदिन के दिन जितने वर्ष पूर्ण हो चुके हों, उतनी संख्या में छोटे दीए जलाएं और आने वाले वर्ष की मंगलकामना के लिए एक बड़ा दीपक जलाना चाहिए।

अगर किसी बच्चे का नौवां जन्मदिन है तो थोड़े-से चावल लेकर उन्हें हल्दी, कुमकुम आदि से रंगकर स्वास्तिक बना लें। उस स्वास्तिक पर नौ छोटे-छोटे दीए रख दें और दसवें वर्ष की शुरुआत के प्रतीक रूप एक बड़ा दीया जलाएं।

जन्मदिन पर वर्जित कार्य

जन्मदिन पर नाखून तथा बाल नहीं कटवाने चाहिएं। मांस-मदिरा, तामसिक वस्तुओं का सेवन भी न करें। कलह, हिंसा, लंबी यात्रा, क्रोध, व्यर्थ वार्तालाप, जुआ आदि नकारात्मक कृत्यों से परहेज करना चाहिए।

जन्मदिन पर अवश्य करें ये कार्य

अपने से बड़े-बुजुर्गों, माता-पिता, दादा-दादी का शुभाशीष ग्रहण करना सदैव कल्याणकारी होता है। जन्मोत्सव पर अधिक से अधिक लोगों का आशीर्वाद अवश्य लेना चाहिए।

जन्मदिन की प्रातःकाल उठकर हाथ-मुंह धोकर एवं नित्यकर्म से निवृत्त होकर सर्वप्रथम अपने इष्टदेव का ध्यान करके मन ही मन प्रणाम करें। नवीन वस्त्र धारण कर गणेश जी का स्मरण करें, जन्म नक्षत्र के अधिपति का पूजन कल्याणकारी रहता है।

युधिष्ठिर और वेद व्यास की कथा की सीख

दूसरों की जरूरतें पूरी करना ही दान है, इसलिए दान पूजा-पाठ और तप से भी श्रेष्ठ है

महाभारत का एक प्रसंग है। एक दिन युधिष्ठिर ने वेद व्यास से पूछा कि दान बड़ा है या पूजा-पाठ और तपस्या? व्यास जी ने युधिष्ठिर को अपनी बात समझाने के लिए एक कथा सुनानी शुरू की। व्यास जी ने कहा कि एक मुद्गल नाम के महर्षि थे, वे भिक्षा मांगकर जीवन चलाते थे। भिक्षा में उन्हें आटा, खाने-पीने की चीजें, हवन सामग्री मिल जाती थीं। दान में मिली चीजों से ही वे खाना बनाते और पूजा-पाठ करते थे। कभी-कभी ऐसे दिन भी आते थे, जब उन्हें भिक्षा नहीं मिल पाती थी। अधिकतर अमावस्या और पूर्णिमा पर ऐसा हुआ करता था। इन दोनों तिथियों पर ऋषि मुद्गल से मिलने दुर्वासा ऋषि आया करते थे। दुर्वासा मुनि को खाना खिलाने के बाद उनके लिए कुछ बचता नहीं था तो उन्हें भूखे रहना पड़ता था।

एक दिन फिर ऐसा ही हुआ तो दुर्वासा मुनि ने मुद्गल ऋषि से पूछा कि आप मुझे खाना देकर खुद भूखे रहते हैं, लेकिन मैंने कभी भी आपके चेहरे पर भूख के लक्षण नहीं देखे हैं, क्या आपको भूख नहीं लगती है? मुद्गलजी ने कहा कि मेरे लिए दान का महत्व सबसे ज्यादा है। अन्न दान तो सर्वश्रेष्ठ होता है, जब आपकी भूख शांति होती है, तब मैं भी तृप्त हो जाता हूं। मैं दान पुण्य कमाने के लिए नहीं करता हैं, मैं सिर्फ दूसरों की मदद करना चाहता हूं।

व्यास जी की सीख

व्यास जी ने युधिष्ठिर को आगे समझाया कि तपस्या स्वयं के लिए की जाती है, लेकिन दान हमेशा दूसरों की भलाई के लिए किया जाता है। इसलिए दूसरों की आवश्यकता की पूर्ति करना ही दान है। इसलिए दान तप से भी श्रेष्ठ है। जब हम दान करते हैं तो प्रकृति भी हमें इसका शुभ फल किसी न किसी रूप में जरूर लौटाती है।

दीपावली पर आर्थिक परेशानी का कारण बनती हैं ये गलतियां

दीपावली के दिन ब्रह्म मुहूर्त से घर में लक्ष्मी पूजन की तैयारीयां आरंभ हो जाती हैं, ताकि देवी लक्ष्मी के स्वागत में कोई कमी न रह जाए। शास्त्रों के अनुसार कुछ ऐसी गलतियां हैं, जो जाने-अनजाने हो जाती हैं। जिससे घर में अलक्ष्मी का प्रवेश हो जाता है। यहां तक की चोरी और आर्थिक परेशानी का सामना भी करना पड़ता है।

शास्त्रों में कहा गया है जिस घर में झाड़ू का अपमान होता है, उस घर में सदैव आर्थिक हानि होती रहती है। झाड़ू घर में लक्ष्मी जी का सूचक है क्योंकि यह दरिद्रता को घर से बाहर निकालता है। इससे घर में सुख-समृद्धि व धन-दौलत आती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार झाड़ू और लक्ष्मी का गहरा रिश्ता बताया गया है। सही प्रकार से झाड़ू लगाने से घर के कई वास्तु दोष दूर होते हैं। साथ ही, इनसे जुड़ी कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो महालक्ष्मी की कृपा भी प्राप्त की जा सकती है। दीप पर्व पर झाड़ू को घर की छत पर खुले में रखने से घर में चोरी का भय बना रहता है।

गाय या अन्य किसी भी जानवर को झाड़ू से मार कर घर से न भगाएं, इससे महालक्ष्मी आपके घर से रूष्ट होकर चली जाती हैं।

घर की गृहलक्ष्मी यानी पत्नी, बहू, बेटी और बहनों को दीपावली के दिन अपशब्द न कहें।

घर की महिलाओं को वस्त्र, गहने आदि उपहार में जरूर दें, इससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

लक्ष्मी पूजन से पूर्व और सूर्यास्त के वक्त बाहरी व्यक्ति को किसी भी तरह की भेंट न दें। ऐसा करने से धन की हानि होती है।

वैसे तो सूर्यास्त के बाद घर में कभी भी झाड़ू नहीं लगाना चाहिए लेकिन दीपावली पर तो सुबह घर की साफ-सफाई करने के बाद झाड़ू को ऐसे स्थान पर रख दें, जहां से किसी की सीधी दृष्टि उस पर न पड़े। दीपावली से अगले दिन ही उसे निकालें और घर साफ करें।

दीपावली पर जब भी घर से बाहर जाएं, वापसी पर कुछ लेकर लौटें (खाने-पीने का सामान या घर में उपयोग होने वाली कोई भी वस्तु)। खाली हाथ घर में प्रवेश न करें।

सूर्यास्त के बाद चौराहे, तुलसी, मंदिर और घर में जितने भी जलस्रोत हैं उनके पास दीपक जलाएं।

वैसे तो सारी रात जागरण कर श्री लक्ष्मीनारायण का ध्यान करना चाहिए, न कर सकें तो मध्यरात्रि से पूर्व न सोएं।

सारी रात घर के मुख्य द्वार और मंदिर में दीपक जलाएं।

दीपावली पर भूलकर भी इस दिशा में ना रखें दीपक वरना रूठ जाएंगी मां लक्ष्मी!

पौराणिक कथाओं के अनुसार, श्रीराम रावण का वध करने के पश्चात जब अयोध्या लौटे थे तो सभी ने खुशी में अपने अपने घर पर घी के दीये जलाए थे। इसीलिए दशहरा के 20 दिनों बाद दिवाली मनाई जाती है। दिवाली के अवसर पर मां लक्ष्मी एवं भगवान श्रीगणेश जी की पूजा की जाती है। इस दिन सभी दीपक जलाते हैं और घर को दीपकों से सजाते हैं।

दीपों के पर्व दिवाली पर दीया जलाना बेहद शुभ माना गया है। इस अवसर पर दीपक किस दिशा में और किस तरह जलाया जाता है इसका भी बेहद महत्व है। पंचांग के अनुसार हर वर्ष कार्तिक मास की अमावस्या पर दीवाली मनाई जाती है। दीपावली दीपों का त्योहार है एवं दीवाली के दिन सभी दीपक जलाते हैं। परंतु, दीया जलाने से जुड़े भी बहुत से नियम हैं जिनका ध्यान रखा जाता है। दीया जलाने की सही दिशा का भी ध्यान रखना जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर माता मां लक्ष्मी रूठ सकती हैं। जानिए दीया जलाने से जुड़ी बातें जिन्हें ध्यान में रखना जरूरी होता है।

दीपक जलाने का सही नियम

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि मान्यता है कि दिवाली पर दक्षिण दिशा में दीप जलाना शुभ नहीं माना गया है। इस दिशा को यमराज की दिशा मानते हैं एवं कहते हैं इस दिशा में दीप जलाना शुभ नहीं माना जाता है। दीपक जलाने की सबसे अच्छी दिशा उत्तर पूर्व दिशा या ईशान कोण मानी गई है। ईशान कोण की तरफ दीये का मुख करके रखा जा सकता है। दिवाली के दिन सबसे पहले घर के मंदिर में माता मां लक्ष्मी के समक्ष दीपक जलाना शुभ माना गया है। अगर हम ऐसा नहीं करते हैं तो माता मां लक्ष्मी रूठ सकती हैं।

यहां रखें दीपक

तुलसी के पौधे के पास दीया रखना शुभ होता है। ऐसा करने पर घर में सुख एवं खुशहाली आती है एवं माता मां लक्ष्मी की कृपा हमें मिलती है। इसके बाद रसोई के अंदर दीपक रखना चाहिए। ऐसा करने पर माता मां अन्नापूर्णा का आशीर्वाद हमें मिलता है। यहां दक्षिण-पूर्वी कोने पर भी दीपक रखा जा सकता है। दीवाली पर लोग मोमबत्ती एवं बिजली वाले दीये घर में लगा देते हैं। पर हमें दीये तेल वाले ही जलाने चाहिए। तेल या घी से जले दीये ही शुभ माने जाते हैं। दीपक की गोल बत्ती की जगह लंबी बत्ती लगाएं। इसे शुभ माना गया है। माँ महालक्ष्मी-कुबेर को प्रसन्न करने के लिए घर की तिजोरी या पैसे रखने की जगह पर दीपक जलाया जाता है। इससे घर में सुख-समृद्धि सदा बनी रहती है।

47 की उम्र में शादी करने वाले हैं रणदीप हुड्डा 10 साल छोटी गर्लफ्रेंड से करेंगे सीक्रेट मैरिज

इंडस्ट्री में चर्चा है कि बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा जल्द ही अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड लिन लैशराम से शादी करने वाले हैं। दोनों इस महीने के अंत तक एक इंटीमेट सेरेमनी में शादी के बंधन में बंध जाएंगे। रिपोर्ट्स की मानें तो इस शादी में सिर्फ दोनों के फैमिली मेंबर्स और फ्रेंड्स ही शामिल होंगे। यह शादी मुंबई में नहीं होगी। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि कपल के क्लोज मेंबर्स इस बारे में जानते हैं पर इस बारे में डिस्कस नहीं करना चाहते। दोनों प्राइवेट सेरेमनी में शादी करने के बाद इसे लेकर अनाउंसमेंट करेंगे। 47 साल के रणदीप बीते काफी वक्त से 37 साल की लिन को डेट कर रहे हैं। हालांकि दोनों ने अभी तक इस बारे में खुलकर बात नहीं की है पर 2021 में लिन के बर्थडे पर रणदीप ने इस बारे में हिंट दी थी। पिछले साल दोनों ने साथ में दिवाली भी सेलिब्रेट की थी। इसके बाद से दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर एक दूसरे के साथ तस्वीरें शेयर करते हैं। लिन, रणदीप की फैमिली ट्रिप और फैमिली फंक्शन में भी उनके साथ नजर आती हैं। तस्वीर पिछले साल दिवाली की है, जिसे लिन ने रणदीप की फैमिली के साथ ही सेलिब्रेट किया था। लिन, रणदीप की फैमिली ट्रिप और फैमिली फंक्शन में भी उनके साथ नजर आती हैं। तस्वीर पिछले साल दिवाली की है, जिसे लिन ने रणदीप की फैमिली के साथ ही सेलिब्रेट किया था।

वर्कफ्रंट पर रणदीप की अगली फिल्म 'वीर सावरकर' है, जिसमें वो लीड रोल में नजर आएंगे। इसके जरिए रणदीप बतौर डायरेक्टर भी डेब्यू करने वाले हैं। वहीं लिन अब तक ओम शांति ओम, मैरी कॉम और रंगून जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वे हाल ही में रिलीज हुई करीना कपूर की डिजिटल डेब्यू फिल्म 'जाने जां' में भी नजर आई थीं।

फ्लॉप बॉलीवुड करियर के बाद भी किंग की तरह लाइफ जीते हैं स्टाइल मूवी के हीरो साहिल खान

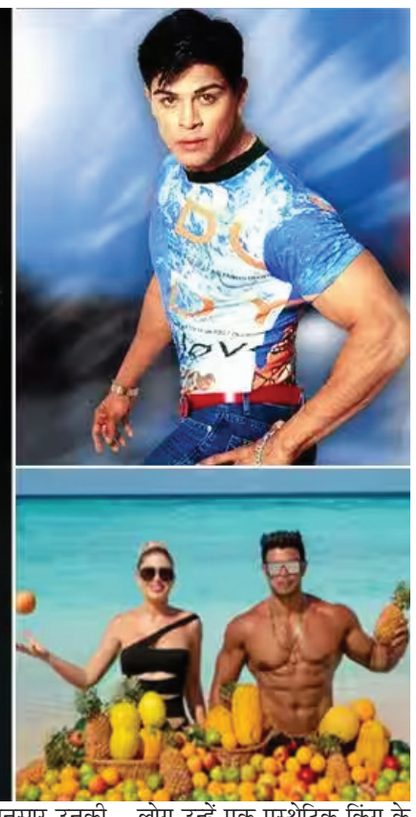

'दोस्तों 4 दिन की जिंदगी है, या आज आखिरी दिन है,' ये लाइन उन लोगों के बीच काफी पॉपुलर है, जो अपनी लाइफ को पूरी तरह से खुलकर जीना चाहते हैं. ऐसे लोग दुनिया के हर कोने में मिल जाएंगे और ऐसा ही कुछ सोचना है, बॉलीवुड एक्टर और बॉडीबिल्डर साहिल खान का. फिल्मी करियर फ्लॉप रहने के बावजूद साहिल आज एक किंग साइज लाइफ जी रहे हैं और अपना 48वां जन्मदिन मना रहे हैं. फिटनेस और बॉडीबिल्डिंग की दुनिया में राज करने वाले साहिल खान का स्टारडम किसी स्टार एक्टर से कम नहीं है. साहिल खान का जन्म 5 नवंबर 1976 को एक मुस्लिम परिवार में हुआ था, उनकी मां चीन की थीं और पिता एक पठान हैं और उनकी दो बहनें हैं.

फ्लॉप बॉलीवुड करियर

साहिल ने अब तक 7 फिल्मों में काम किया, फिर उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री छोड़ दी और बॉडीबिल्डिंग के अपने जुनून को आगे बढ़ाने का फैसला किया. उन्होंने बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन नाम से एक जिम खोला और अपनी सफलता के बाद, उन्होंने इसकी फ्रेंचाइजी खोली और आज साहिल बॉडीबिल्डिंग के युवा आइकन बन गए हैं. एक टाइम पर जिस कॉन्टेस्ट में वो सिर्फ हिस्सा लेना चाहते थे आज वो उसी मुंबई बॉडीबिल्डिंग एसोसिएशन के ब्रांड एंबेसडर बन गए. इसे ही हम किस्मत कहते हैं. 2016 में साहिल ने मसल एंड बीच जिम नाम से एक ओपन-एयर जिम खोला. जो गोवा के बागा बीच में स्थित है.

कितनी है साहिल खान की नेटवर्थ

उनके जिम में सीनियर नागरिक और दिव्यांग लोग फ्री में वर्कआउट कर सकते हैं. उनकी 'हंक वॉटर' नाम की मिनरल वाटर कंपनी है जो युवाओं के बीच काफी मशहूर है. 2017 में, उन्होंने दुनिया का पहला एंटी-डोपिंग सिक्स-पैक एनर्जी ड्रिंक लॉन्च किया. साहिल की नेट वर्थ की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उनकी कुल संपत्ति 5 मिलियन है, जो भारतीय रुपये में 36 करोड़ है. उनके पास मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू, फेरारी और कई अन्य शानदार कारों का कलेक्श है और हाल ही में उन्होंने गोवा में एक शानदार रिसॉर्ट खरीदा था.

पूर्व पत्नी ने लगाया गे होने का आरोप

बॉलीवुड में फ्लॉप करियर के बजाय वह आज भी सुपरस्टार्स की तरह ही अपनी जिंदगी जी रहे हैं. आज वह एक सफल फिटनेस ट्रेनर, बिजनेसमैन और उद्यमी हैं. लोग उन्हें एक एस्थेटिक किंग के रूप में जानते हैं और युवा उन्हें अपना आदर्श मानते हैं. साहिल खान 2001 में अपनी पहली फिल्म 'स्टाइल' से दर्शकों के बीच पॉपुलैरिटी हासिल की. पर्सनल लाइफ की बात करें तो 21 सितंबर 2003 को साहिल खान ने नेगर खान से शादी की. दुर्भाग्य से, यह शादी लंबे समय तक नहीं चल पाई और बाद में दोनों ने तलाक ले लिया और अलग हो गए. सूत्रों के मुताबिक, नेगर खान ने आरोप लगाया कि साहिल समलैंगिक (गे) हैं.

चलते हुए शॉट में झपकी ले लेते हैं पंकज त्रिपाठी बोले- रात में 1 बजे के बाद शूट नहीं करता

बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी बैक-टू-बैक शूटिंग में बिजी हैं। वो एक साथ कई फिल्मों और वेब सीरीज की शूटिंग कर रहे हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू में पंकज ने बताया कि उन्होंने सेट पर ही सोने का एक अनोखे तरीका निकाला है। पंकज ने कहा कि अगर शूट करते हुए सेट पर रात के 2 बज जाएं तो फिर वो सोने के बहाने ढूंढने लगते हैं। वो सेट पर शूटिंग करते हुए सो जाते हैं और ऐसे एक्टिंग करते हैं जैसे वो सबकी बात सुन रहे हैं। फिल्म कंपैनियन को दिए एक इंटरव्यू में पंकज ने कहा, 'मुझे 7 घंटे की नींद चाहिए होती है। मैं रात के 2 बजे के बाद शूट नहीं कर पाता। पिछले दो-तीन साल में मेरा आउट टाइम रात में 1 बजे है।

आप शाम के 5 बजे तक लाइटिंग कर लो। मैं 6 बजे काम शुरू करूंगा और 12 से 1 बजे तक शूट कर सकता हूं पर बस उसके बाद नहीं। फिर मैं सेट पर ही सोने के बहाने ढूंढने लगता हूं।' पंकज ने आगे कहा, 'मैं चलते शॉट में सो सकता हूं। अगर आपने मुझे शॉट में कोई लाइन नहीं दी तो मैं अपने को-एक्टर को देखते-देखते सो जाऊंगा। ऐसा मैंने किया भी चलते शॉट में..।'

आंखें बंद करके दूसरों की बातें सुनता हूं

उस इंसीडेंट का जिक्र करते हुए पंकज ने बताया, 'जब मैं नींद में होता हूं तो उसे अपने एक्टिंग का हिस्सा बना लेता हूं। तो मैं अपने को-एक्टर या डायरेक्टर की बातें सुनते हुए आंख बंद कर लेता हूं और एक्चुअली मैं नींद में जाने वाला होता हूं। मैं इसे ऐसे ट्रीट करता हूं कि बाकी सबको मेरा इन्वॉल्वमेंट नजर आता है पर ऐसा होता नहीं है।

किसी को लगा ही नहीं कि मैं सो चुका है

एक बार में सो गया था और अपनी क्यू भी भूल गया। जब कुछ देर तक मैंने अपनी लाइन्स नहीं बोलीं तो डायरेक्ट ने कट बोला और मुझे याद दिलाया कि मेरा डायलॉग था। मैं सो गया था.. क्यू भी मिला था पर किसी को लग नहीं रहा था कि यह आदमी सो रहा है।' इसी इंटरव्यू में पंकज ने यह भी बताया कि वो शूटिंग के दिनों में सिर्फ खिचड़ी ही खाते हैं। उन्होंने कहा, 'फिल्म 'मैं अटल हूं' की शूटिंग के दौरान पूरे 60 दिनों तक मैंने केवल वही खिचड़ी खाई जो मैंने खुद बनाई थी।

अपनी 156वीं फिल्म में ऐश्वर्या राय के साथ रोमांस करेंगे चिरंजीवी?

मेगास्टार चिरंजीवी कथित तौर पर अपनी 156वीं फिल्म में बी-टाउन क्वीन ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ रोमांस करने के लिए तैयार हैं, जो एक सामाजिक-फैंटसी फिल्म होगी। पूर्व मिस वर्ल्ड टॉलीवुड में आएंगी और इसे कास्टिंग तख्तापलट माना जा रहा है। एक सूत्र का कहना है, चिरंजीवी और ऐश्वर्या राय की जोड़ी एक सनसनीखेज संयोजन होगी, और फिल्म पूरे भारत में प्रचार और हंगामा मचाएगी। यह टॉलीवुड की एक और महान कृति होगी। एक सूत्र का कहना है, इस मूवी के लिए ऐश्वर्या राय के साथ बातचीत चल रही है। जल्द ही कोई डील हो सकती है. ऐश्वर्या ने हाल ही में ऐतिहासिक ड्रामा 'पोन्नियिन सेलवन' श्रृंखला में योजनाबद्ध रानी नंदिनी के रूप में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। ऐश्वर्या ने ग्रे शेड वाला किरदार निभाया और किरदार में जान डाल दी। उनका खूबसूरत लुक और प्रदर्शन फिल्म के मुख्य आकर्षणों में से एक था। उन्होंने विक्रम, कार्थी, तृषा और अन्य जैसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं की नाक के नीचे शो चुरा लिया। इसी तरह, तेलुगु निर्माता एक ऐसी कद-काठी वाली अभिनेत्री की तलाश में थे जो फिल्म में एक 'एंजेल' की भूमिका में फिट बैठ सके, जो दिव्य दुनिया से ताल्लुक रखती हो और एक इंसान से जुड़ती हो। फिल्म 200 करोड़ रुपये के साथ बनाई जा रही है, और चिरु-ऐश्वर्या की जोड़ी मेगा प्रशंसकों की संख्या को रोमांचित करेगी और सामान्य दर्शक भी," वह आगे कहते हैं। इससे पहले, चिरंजीवी ने ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जगदेका वीरुडु अथिलोका सुंदरी' में इसी तरह की भूमिका निभाई थी और उन्हें दिवंगत श्रीदेवी से प्यार हो गया था, जो फिल्म में भगवान इंद्र की बेटी के रूप में बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

उभरती सितारा जवान अभिनेत्री संजीता

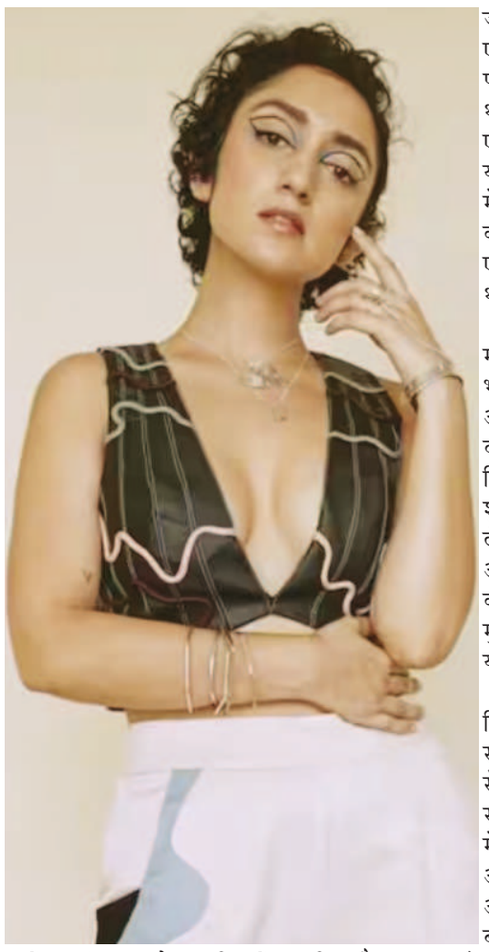

फिल्म 'जवान' में अपनी हालिया जीत और कला के विभिन्न माध्यमों में अपनी असाधारण प्रतिभा के लिए प्रसिद्ध हैं।अपनी सुरीली आवाज से मंत्रमुग्ध कर रही है। संजीता सिर्फ एक अभिनेता या संगीतकार से कहीं अधिक है; वह एक उभरता सितारा है जिसे गिना जाना चाहिए।

संगीत से अभिनय की ओर मेरा परिवर्तन अपरंपरागत था। 2020 में COVID महामारी के बीच, एक कास्टिंग डायरेक्टर के एक कॉल ने मुझे एक समर्पित संगीतकार और नर्तक के रूप में अपने जीवन से अभिनय के रोमांचक रास्ते पर ले आया। एक साल के भीतर, मैंने खुद को 'जवान' में कास्ट पाया। जब मैंने ऑडिशन दिया तो मुझे नहीं पता था कि यह शाहरुख खान के साथ एक प्रोजेक्ट है। एक सप्ताह बाद ही मुझे उसके बारे में पता चला। यह सचमुच जबरदस्त था। 'फील्स लाइक इश्क' मेरे लिए एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट था। यह अभिनय की दुनिया में मेरा पहला कदम था और एक योग्य एक्टरों के साथ मिलकर काम करने का अवसर था।

संगीत मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है। मंच पर प्रदर्शन करना और दर्शकों से जुड़ना किसी भी अन्य अनुभव से अलग है। हालाँकि मैं अभिनय और रचना करना पसंद करता हूँ, लेकिन मंच ही वह जगह है जहाँ मैं वास्तव में आगे बढ़ता हूँ। मिस चिकस' एक अद्भुत आश्चर्य था। इसकी शुरुआत 'जवान' की शूटिंग के पहले शेड्यूल के दौरान हुई। यह सहयोग मेरी संगीत पृष्ठभूमि से आया, और इसने एक अविश्वसनीय संगीत यात्रा की शुरुआत को चिह्नित किया। एटली सर ने मुझसे कहा, तुम्हारी आवाज़ में देवी का वास है, यह विनम्र था, और उनके शब्द मेरे साथ रहे।

हम पहले दिन से ही एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। विविध पृष्ठभूमियों से आए कलाकारों ने एक गहरा संबंध बनाया। हम एक-दूसरे को फिल्म के बाद से ही जानते हैं, लेकिन हमारी दोस्ती जीवन भर रहेगी। मेरी यात्रा संगीत से शुरू हुई और इसमें मेरे अपने गीत लिखना भी शामिल हो गया। अभिनय एक और खोज है और मैं हर पल का आनंद ले रहा हूं। मैं गायन और अभिनय के बीच संतुलित करने का इरादा रखती हूं, जैसा कि मैं वर्तमान में कर रही हूं। भारतीय सिनेमा, विशेषकर बॉलीवुड, दोनों प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। मेरे भविष्य में अभिनय के साथ-साथ फिल्मों में गाना भी शामिल है। मैंने विभिन्न मूवीस के लिए ऑडिशन दिया है। मैं ओटीटी के दूसरे सीज़न में 'द ब्रोकन न्यूज' को लेकर भी उत्साहित हूं, जहां मैं एक पत्रकार की भूमिका निभा रहा हूं। 2023 जीवन बदलने वाला, रोमांचक विकासों से भरा वर्ष रहा है और मुझे आशा है कि यह सकारात्मक रूप से जारी रहेगा।

'बीबी-17' से बाहर आते ही मनस्वी ममगई का फूटा गुस्सा : बोलीं, 'अनुराग बड़ा गद्दार, वो आस्तीन का संप निकला'

'बिग बॉस 17' से मनस्वी ममगई बेघर हो गई हैं। एक हफ्ते पहले ही मनस्वी ने शो में बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री की थी हालांकि ना तो वे घर में मौजूद कंटेस्टेंट को रास आईं और ना ही बाहर ऑडियंस को। हाल ही में मनस्वी ने इस शो में अपने सफर के बारे में खुलकर बातचीत की। मुझे लगता है कि इस हफ्ते एलिमिनेशन नहीं होना चाहिए था, या फिर अरुण (अरुण श्रीकांत) को जाना चाहिए था जो सोफे पर ही सोते हैं और वही खाना खाते हैं। उनकी फैन फॉलोइंग बने रहे, इसीलिए शो में रखा। मेरे लिए ये डिसीजन निराशाजनक था। मैं ये सोचकर रह गई थी कि देरी से एंट्री करना शायद फायदेमंद साबित होगा लेकिन ये तो नुकसानदायक हो गया।

मुझे खुद को प्रूफ करने का मौका ही नहीं मिला। मुझे मुद्दे उठाने का वक्त ही नहीं मिला, सलमान सर ने भी ये बात कहीं थ। उन्हें लगा कि मैं अच्छा खेल रही थी, स्ट्रांग प्लेयर थी लेकिन मेरी क्वालिटी फीकी पड़ गई। इंटरेस्टिंग था, मैं चाहती थी कि थोड़ा और इस शो का अनुभव लूं। शुरुआत के 3-4 दिन सेटल होने में, समझने में लगते हैं। लेकिन मौका ही नहीं मिला, यही हकीकत है।

अनुराग (डोभाल) बहुत ही बड़ा गद्दार है, वो आस्तीन का सांप है। घर का भेदी लंका ढाए - ये वाक्य उन पर पूरी तरह से जंचता है। शुरुआत में उन्होंने मुझे महसूस करवाया कि वो मेरे भाई हैं, मेरे समर्थक हैं, हमेशा मेरे लिए खड़े रहेंगे और सबसे पहले मुझे नॉमिनेट करने वाले भी वही थे। मुझे लगता हैं कि वे मुझे लेकर इनसिक्योर थे, उन्हें डर था कि कहीं वोट्स बंट ना जाए क्योंकि हम दोनों एक ही राज्य से आते हैं। मुझे लगता हैं कि उन्होंने बहुत ही गंदी हरकत की है। इस साल के वो सबसे बुरे कंटेस्टेंट होंगे।

विक्की जैन, मुनव्वर फारुकी और अभिषेक कुमार - ये तीनों जैसा भी खेल रहे हैं, कम से कम कुछ कर तो रहे हैं। मेरे हिसाब से ये तीनों ही अच्छा खेल रहे हैं। वही खानजादी और मन्नारा फेक कंटेस्टेंट हैं। ये दोनों काफी ड्रामा कर रही हैं।

अभिनय की दुनिया में टिके रहने के लिए मृणाल को ग्लैमर भूमिकाएँ चुननी चाहिए

खूबसूरत अभिनेत्री मृणाल ठाकुर इन दिनों उन्मुख भूमिकाओं से आकर्षित हो रही हैं। एक प्रेम कहानी 'सीता रामम' में एक प्रेमी लड़की की भूमिका निभाने के बाद, अभिनेत्री फिर से अपनी आगामी फिल्म 'हाय नन्ना' में भूमिका निभा रही है। एक कार्यक्रम में, मृणाल ने दावा किया कि उनकी भूमिका दर्शकों के दिलों को छू जाएगी। एक सूत्र का कहना है, शायद, एक और भूमिका जहां वह कुछ आंसू बहाएंगी और अपने नाटकीय कौशल का प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने आगे कहा, अगर वह ऐसी भूमिकाएं करती रहीं, तो टॉलीवुड में उनके लिए कठिन समय होगा। मृणाल ठाकुर ने बॉलीवुड में ग्लैम-केंद्रित भूमिकाओं में अपनी काबिलियत साबित की है और अगर आप उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड की गई तस्वीरों पर गौर करें तो वह हर तरह के अल्ट्रा-ग्लैम आउटफिट में आसानी से फिट हो सकती हैं। शीर्ष पर पहुंचने के लिए उन्हें टॉलीवुड में अधिक ग्लैमर-केंद्रित भूमिकाएं निभानी होंगी। अन्यथा, उन्हें सारगर्भित भूमिकाओं में धकेल दिया जाएगा और इससे उनकी पहुंच सीमित हो जाएगी। वह सामंथा, काजल, तमन्ना और श्रुति हासन जैसी अभिनेत्रियों की सफलता का भी हवाला देते हैं, जो ऑनस्क्रीन ग्लैम डीवाज़ की भूमिका निभाकर टॉलीवुड में बड़ी लीग में शामिल हुईं। एक अभिनेत्री को ग्लैमर और प्रदर्शन का अच्छा मिश्रण होना चाहिए और उसे ओम्फ फैक्टर को नहीं छोड़ना चाहिए। मृणाल को अपना ट्रैक बदलना चाहिए और ग्लैमर वाली भूमिकाएँ चुननी चाहिए। तेलुगु फिल्म निर्माता ऐसी भूमिकाओं को चित्रित करने में अच्छे हैं और उन्हें विस्तार देने के लिए स्क्रीन पर अच्छी तरह से चित्रित भी करते हैं। ग्लैम लड़कियों का करियर, अन्यथा यह नम हो जाएगा,

आईआईटी-बीएचयू के बीच दीवार का विरोध 5000 छात्रों का प्रदर्शन

मैसेज वायरल- पीड़ित का बयान बदलवा रही पुलिस; गन पॉइंट पर कपड़े उतरवाने वाले अरेस्ट नहीं

वाराणसी, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आईआईटी-बीएचयू में गन पॉइंट पर B-Tech सेकेंड ईयर की छात्रा के कपड़े उतारकर वीडियो बनाने वाले 100 घंटे बाद भी गिरफ्तार नहीं हो सके। लड़की से छेड़छाड़ के बाद IIT और बीएचय के बीच सिक्योरिटी को लेकर दीवार खड़ी करने का प्रस्ताव बना। इस कैंपस बंटवारे के विरोध में सोमवार दोपहर बीएचय में करीब 5000 छात्र प्रदर्शन पर उतर आए। हाथों में पोस्टर लिए छात्रों ने पीड़िता को न्याय दिलाने और आरोपियों को गिरफ्तार करने की आवाज बुलंद की।

बीएचयू स्थित विश्वनाथ मंदिर से सोमवार दोपहर करीब 500 छात्र नारेबाजी करते हुए निकले। धीरे-धीरे इनकी संख्या करीब 5000 हो गई। इसे छात्रों ने सद्भावना रैली नाम दिया है। छात्र मालवीय भवन पहुंचे। छात्रों का कहना है कि हम कैंपस के बंटवारे को बर्दाश्त नहीं करेंगे। ₹हम बीएचय के लोग₹ के बैनर तले हजारों छात्र मालवीय भवन पहुंचकर महामना मदन मोहन मालवीय को प्रतीकात्मक तौर पर ज्ञापन देंगे।

दीवार बनाने पर बैठक में नहीं बनी सहमति

आईआईटी-बीएचय में हुई छेड़खानी के बाद वाराणसी के कमिश्नर और संस्थान के डायरेक्टर ने छात्रों की 7 डिमांड को पूरा करने का वादा किया। जिसमें से एक था बीएचयू और IIT के बीच एक बाउंड्री वॉल देकर क्लोज कैंपस बनाने की। इसको लेकर बीएचयू कैंपस में गुस्सा भड़क उठा है।

रविवार को बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर जैन और आईआईटी-बीएचय के डायरेक्टर प्रो. प्रमोद कुमार जैन के बीच बातचीत 3 घंटे तक चली। मगर, इसमें दीवार पर सहमति नहीं बनी। बैठक के बाद कहा गया कि सुरक्षा और कैंपस में नए नियमों को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा।

स्कूली छात्राओं को फ्री सैनिटरी पैड बांटने की पॉलिसी तैयार

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा- लोगों की राय लेने के लिए चार हफ्ते चाहिए

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। स्कूली छात्राओं को मुफ्त सैनिटरी पैड बांटने की योजना को लेकर नेशनल पॉलिसी तैयार कर ली गई है। केंद्र सरकार ने इसकी जानकारी सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को दी। साथ ही आम लोगों की राय जानने के लिए कोर्ट से 4 हफ्ते का समय भी मांगा। CJI डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने केंद्र सरकार से कहा कि छात्राओं को सैनिटरी नैपकिन बांटे जाने की प्रक्रिया एक समान होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि देश के सभी सरकारी और रहवासी स्कूलों में लड़कियों की संख्या के अनुपात में टॉयलेट का निर्माण कराने के लिए नेशनल मॉडल बनाएं। इस मामले में 10 अप्रैल को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक समान पॉलिसी बनाकर पेश करने को कहा था। इसके लिए कोर्ट ने 4 हफ्ते का समय दिया था। हालांकि केंद्र यह पॉलिसी करीब 7 महीने बाद ड्राफ्ट कर पाया।

जनहित याचिका में लड़कियों को फ्री पैड देने की मांग की गई

सोशल वर्कर जया ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर करके लड़कियों की स्वास्थ्य सुरक्षा पर चिंता जताई थी। याचिका में बताया था कि पीरियड में होने वाली दिक्कतों के कारण कई लड़कियां स्कूल छोड़ देती हैं, क्योंकि उनके परिवार के पास पैड पर खर्च करने के लिए पैसे नहीं होते हैं और कपड़ा यूज करके उन दिनों में स्कूल जाना परेशानी का कारण बनता है।

स्कूलों में भी लड़कियों के लिए फ्री पैड की सुविधा नहीं है। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

इतना ही नहीं, स्कूलों में यूज्ड पैड को डिस्पोजल करने की सुविधा भी नहीं है, इस वजह से भी लड़कियां पीरियड्स में स्कूल नहीं जा पातीं।

सुप्रीम कोर्ट ने मांगा था सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन के खर्च का ब्योरा

10 अप्रैल की सुनवाई में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की बेंच ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से स्कूलों में लड़कियों के टॉयलेट की उपलब्धता और सैनिटरी पैड की सप्लाई को लेकर जानकारी भी मांगी थी।

साथ ही राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सैनिटरी पैड और सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन के लिए किए गए खर्च का ब्योरा देने को भी कहा था।

इसके बाद 24 जुलाई को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने उन राज्यों को चेतावनी दी, जिन्होंने तब तक फ्री सैनिटरी नैपकिन देने के लिए एक समान राष्ट्रीय नीति बनाने पर केंद्र को अपना जवाब नहीं सौंपा था। कोर्ट ने कहा कि अगर वे 31 अगस्त तक जवाब नहीं देते हैं सख्ती की जाएगी।

सत्येंद्र जैन को एससी से 24 नवंबर तक राहत मिली : मनी लॉन्ड्रिंग केस में 26 मई को 360 दिन बाद जेल से बाहर आए थे

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की रेगुलर जमानत पर सोमवार (6 नवंबर) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने जैन की अंतरिम राहत जारी रखते हुए मामले पर सुनवाई 24 नवंबर तक टाल दी है। मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में की सुनवाई जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने की।

26 मई को कोर्ट ने जैन को सशर्त छह हफ्ते की अंतरिम जमानत दी थी। कोर्ट ने कहा था कि सत्येंद्र मीडिया से बात नहीं करेंगे और बिना परमिशन दिल्ली नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद 9 अक्टूबर को हुई सुनवाई में कोर्ट ने अंतरिम जमानत 18 अक्टूबर तक बढ़ा दी थी।

जैन 31 मई 2022 से हिरासत में थे। 6 अप्रैल 2023 को दिल्ली हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद मई 2023 में उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जहां से उन्हें 360 दिन बाद 42 दिन की जमानत मिली थी।

ईडी का दावा- सत्येंद्र ट्रायल कोर्ट से अब तक 16 बार तारीख ले चुके

प्रवर्तन निदेशालय का दावा है कि आप नेता बार-बार ट्रायल कोर्ट में चल रही सुनवाई पर ये कहकर तारीख मांग कर रहे हैं कि उनकी जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग है। जांच एजेंसी ने ये भी दावा किया है जैन ट्रायल कोर्ट से अब तक 16 बार तारीख ले चुके हैं।

जुलाई में दिल्ली के अपोलो अस्पताल में रीढ़ की हड्डी की सर्जरी हुई

21 जुलाई को दिल्ली के अपोलो अस्पताल में जैन की रीढ़ की हड्डी की सर्जरी हुई थी। ये जानकारी अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर दी थी। उन्होंने जैन के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की थी।सर्जरी के चलते कोर्ट ने 24 जुलाई को हुई सुनवाई में उनकी अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ा दी थी और 12 सितंबर को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा था।

केदारनाथ में राहुल गांधी ने की सेवा:भक्तों को चाय पिलाई, मंदिर परिसर में बांटा प्रसाद

केदारनाथ, 6 नवंबर (एजेंसियां)। 3 दिन के उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केदारनाथ धाम में दर्शन किए। इस दौरान राहुल ने आरती में भी शिरकत की। कांग्रेस पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर यात्रा की वीडियो और तस्वीरें भी साझा की हैं। जिसमें वायनाड सांसद राहुल गांधी केदारनाथ मंदिर में भक्तों को चाय पिलाते और मंदिर परिसर में भक्तों को प्रसाद बांटते नजर आए।

पंजाब में आप विधायक गिरफ्तार : ईडी ने 40 करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड केस में पकड़ा

जालंधर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को पंजाब में आम आदमी पार्टी के विधायक प्रोफेसर जसवंत सिंह गज्जनमाजरा को गिरफ्तार कर लिया है। जिस समय ईडी ने उन्हें अरेस्ट किया, तब वे संगरूर में कार्यकार्ताओं के साथ बैठक कर रहे थे। वे संगरूर जिले की अमरगढ़ सीट से विधायक हैं। उनकी गिरफ्तारी 40 करोड़ रुपए के पुराने लेन-देन से जुड़े केस में हुई है। इसी मामले में ईडी ने पिछले साल उनके घर, ऑफिस और अन्य संपत्तियों की जांच की थी। गिरफ्तारी के बाद उन्हें भारी सुरक्षा के बीच ईडी के जालंधर ऑफिस लाया गया। यहीं पर ईडी के अधिकारी उनसे पूछताछ कर रहे हैं। उधर, विधायक की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही जालंधर में ईडी ऑफिस के बाहर आप कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई।

सितंबर में हुई माजरा के घर छापेमारी

विधायक जसवंत पर 40 करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड का आरोप है। एजेंसी पहले भी कई बार जांच कर चुकी है। इससे पहले ईडी ने सितंबर महीने में गज्जनमाजरा के घर छापा मारा था। उनके घर ईडी के अधिकारियों ने करीब 14 घंटे तक सर्च की थी। सूत्रों के अनुसार, माजरा को ईडी ने पहले सिर्फ पूछताछ के लिए ही बुलाया था। मगर सोमवार को एकदम से ईडी ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

1 रुपया वेतन लेने के बयान से चर्चा में आए थे

विधायक गज्जनमाजरा तब चर्चा में आए थे, जब उन्होंने घोषणा की थी कि वह सिर्फ एक रुपया वेतन लेंगे। गज्जनमाजरा ने कहा था कि पंजाब वित्तीय समस्याओं से जूझ रहा है। इसलिए मैं बतौर विधायक एक रुपया वेतन लूंगा। चुनाव में उन्होंने शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के सिमरनजीत सिंह मान को हराया था।

31 अक्टूबर को हुई थी आप विधायक कुलवंत सिंह के घर रेड

बता दें कि बीते 31 अक्टूबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मोहाली से आप विधायक कुलवंत सिंह के घर और दफ्तर पर रेड करने पहुंची थी। जहां उन्होंने सुबह से लेकर शाम तक दस्तावेज खंगाले। इस संबंध में पंजाब के कई शहरों में पहले भी छापेमारी हो चुकी थी। आप विधायक कुलवंत सिंह के रियल एस्टेट कंपनी को लेकर सवाल जवाब किए गए थे।

एल्विश पर एफआईआर: पहले एसओ को हटाया, अब केस ट्रांसफर : यूपी पुलिस का पूछताछ तक से इनकार, मेनका गांधी के दबाव में तो नहीं उलझी नोएडा पुलिस

नोएडा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के बदायूं में रहने वाले मनोज कुमार मिट्टी के बर्तन बनाते हैं। नवंबर, 2022 को उनके घर में चूहा निकला। उसे उन्होंने पकड़ा, पत्थर में बांधकर नाली में फेंक दिया। इस घटना का विकेंद्र नाम के पशु प्रेमी ने वीडियो बना लिया। विकेंद्र ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत एफ आई आर दर्ज कराई। पुलिस मनोज के घर पहुंची। पकड़कर थाने ले आई। मनोज को थाने से जमानत करानी पड़ी।

ठीक...एक साल बाद। यानी नवंबर, 2023। नोएडा में बीजेपी सांसद मेनका गांधी की संस्था पीपल फॉर एनिमल के गौरव गुप्ता ने सांप तस्करी और रेव पार्टी करवाने से जुड़ा स्टिंग किया। इसमें बिग बॉस-ओटीटी 2 के विनर एल्विश यादव का नाम आया।

शुक्रवार 3 नवंबर को एल्विश यादव के खिलाफ सांप तस्करी और रेव पार्टी करवाने के आरोप में नोएडा में एफ आई आर दर्ज कराई गई। 4 नवंबर को एल्विश को राजस्थान के कोटा में पकड़ा गया। लेकिन, छोड़ दिया गया। वजह थी कि नोएडा पुलिस ने पूछताछ करने तक से इंकार कर दिया। यही नहीं, नोएडा के जिस सेक्टर-49 में एल्विश के खिलाफ एफ आई आर हुई, वहां के थाना प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया। वहीं जांच भी दूसरे थाने को ट्रांसफर कर दी गई है।

मनोज और एल्विश केस में फर्क हो सकता है। लेकिन एफ आई आर दर्ज होते ही एक्शन के लिए चर्चित यूपी पुलिस आखिर एल्विश से पूछताछ से क्यों कतरा रही है? एल्विश के खिलाफ क्या दबाव या जल्दबाजी में एफ आई आर हुई? या यूथ में उसकी फैन फॉलोइंग और मंत्री-नेताओं के कनेक्शन के चलते एल्विश पर हाथ डालने से डर रही है।

गुजराती ठग वाले बयान पर तेजस्वी को राहत : एससी ने अहमदाबाद कोर्ट की सुनवाई पर लगाई रोक

पटना, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सारे गुजराती ठग वाले बयान पर तेजस्वी यादव को सुप्रीम कोर्ट से थोड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने डिप्टी सीएम की याचिका पर सुनवाई करते हुए मामले की अहमदाबाद कोर्ट में सुनवाई पर रोक लगा दी है। तेजस्वी को निचली अदालत में पेशी से छूट मिल गई है। 4 नवंबर को अहमदाबाद के कोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई थी। जहां तेजस्वी के वकील ने बताया कि उन्होंने अपने खिलाफ आपराधिक मानहानि केस को ट्रांसफर करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

राजद नेता ने अपने वकील के जरिए अतिरिक्त मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट डीजे परमार की अदालत में उपस्थिति से छूट मांगी। कोर्ट ने आपराधिक मानहानि मामले में डिप्टी सीएम को 22 सितंबर को तलब किया था।

केस ट्रांसफर की मांग

डिप्टी सीएम ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 406 के तहत एक याचिका दायर की है। जिसमें तेजस्वी यादव ने कहा कि वह एक कानून का पालन करने वाले नागरिक और बिहार के उपमुख्यमंत्री हैं और आमतौर पर पटना में अपने आधिकारिक पते पर रहते हैं। इसलिए, वे अपनी जिम्मेदारियों के कारण इस अदालत के समक्ष आगे की कार्यवाही में शामिल नहीं हो सके हैं। जिसमें आम जनता के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण परियोजनाओं की देखरेख शामिल है। जो आगामी धार्मिक उत्सवों के मद्देनजर आवश्यक है।

मेहुल चौकसी की बात रखते हुए दिया था बयान

तेजस्वी यादव ने बजट सत्र के दौरान नीरव मोदी को लेकर आई एक खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए गुजरातियों पर ही विवादित टिप्पणी कर दी थी। उन्होंने कहा था- 'आज देश के हालात में सिर्फ गुजराती ठग हो सकते हैं। उनके ठग को माफ भी कर दिया जाएगा। एलआईएसी, बैंक का पैसा दे दो फिर वह भाग जाएगा तो कौन जिम्मेदार होगा।

दोस्त, यार जो भ्रष्टाचार कर रहे हैं, लेकिन इनका तोता पिंजरे से नहीं निकलता है। उनके इसी बयान के बाद कारोबारी हरेश मेहता ने बीते 21 मार्च को तेजस्वी यादव के खिलाफ IPC की धारा-499 और 500 (आपराधिक मानहानि) के तहत मामला दर्ज करवाया था।

गुजरात के व्यापारी हरेश मेहता ने दर्ज करवाया है मामला

डिप्टी सीएम ने गुजरातियों को ठग कहा था। इसके बाद गुजरात के व्यापारी हरेश मेहता ने बयान पर आपत्ति जताते हुए केस दर्ज कराया था। कारोबारी हरेश मेहता ने अपनी याचिका में कहा है कि मीडिया को दिए बयान में तेजस्वी यादव ने पूरे गुजराती समुदाय को 'ठग' कहा है। यह गुजरातियों की सार्वजनिक रूप से मानहानि है और उन्हें अपमानित करता है। इसलिए इस मामले में उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

पहली बार अमरनाथ गुफा तक पहुंचा गाड़ियों का काफिला: बीआरओ ने ट्रैक को चौड़ा किया इससे यात्रा में लगने वाला समय कम होगा

श्रीनगर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना के बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन ने सोमवार (6 नवंबर) को अमरनाथ गुफा तक गाड़ियों का काफिला पहुंचा दिया। यह पहला मौका है जब अमरनाथ गुफा तक गाड़ियां पहुंच सकी हैं। लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पवित्र अमरनाथ गुफा तक सड़क को चौड़ा करने का काम पूरा कर लिया गया है।

सड़क चौड़ी होने से यात्रा का समय कम होगा

सीमावर्ती इलाकों की तरह अमरनाथ यात्रा ट्रैक की बहाली और सुधार की जिम्मेदारी भी बीआरओ के पास है। संगठन ने अमरनाथ की सड़क को संगम बेस कैंप से गुफा तक और बालटाल के माध्यम से संगम टॉप तक सड़क को चौड़ा कर दिया गया है, जिससे पैदल जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा का समय कम हो जाएगा।

इस साल साढ़े 4 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए

दक्षिण कश्मीर में श्री अमरनाथ गुफा समुद्र तल से लगभग 3 हजार 888 मीटर की ऊंचाई पर बनी है। यह हिंदुओं के पवित्र तीर्थस्थलों में से एक है। हर साल हजारों श्रद्धालु आषाढ़ से सावन माह तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा में शामिल होते हैं। इस साल यानी 2023 में लगभग 4.5 लाख से तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में पूजा-अर्चना की।

प्रियंका बोलीं- वोट का इस्तेमाल अर्जुन के तीर जैसे करें: चुनाव को देख शिवराज ने पैर धोए

धार, 6 नवंबर (एजेंसियां)। धार जिले के कुक्षी के डही में प्रियंका गांधी ने कहा, 'अर्जुन अपनी नजर और ध्यान को केंद्रित कर तीर चलाते थे, इसी तरह अपने वोट को चलाओ। तीर सही लगने से आपका भविष्य मजबूत बन सकता है।'

उन्होंने सीधी पेशाबकांड पर सीएम शिवराज को घेरते हुए कहा, 'चुनाव का समय है तो मुख्यमंत्री ने उस लड़के के पैर धोए, जिसके साथ गंदी हरकत की गई थी।' केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र तोमर के वायरल वीडियो का मुद्दा उठाते हुए बोलीं, 'केंद्र के कृषि मंत्री के बेटे का एक वीडियो सामने आया। इसमें हजारों - करोड़ की बातें हो रही हैं।'

प्रियंका के भाषण की 9 बड़ी बातें...

प्याज की सेंचुरी पर मोदी का मुंह बंद: पहले टमाटर का दाम बढ़ा, अब प्याज का बढ़ गया। कांग्रेस सरकार थी, तब मोदी कहते थे 'देखेंगे सचिन सेंचुरी मारेगा या प्याज।' अब मैं उनसे पूछती हूं कि विराट की सेंचुरी हो गई, प्याज की भी हो गई, सरकार आपकी है, आप क्या बोलते हो? अब मुंह बंद हो गया।'

नोटबंदी-जीएसटी से छोटे दुकानदार खत्म हुए: पीएम मोदी लाखों के सूट पहनते हैं। 8-8 हजार करोड़ के 2 हवाई जहाजों में घूमते हैं। 20 हजार करोड़ संसद को नया बनाने में खर्च कर दिए। किसानों को देने के लिए इनके पास पैसे नहीं हैं। सरकार ने नोटबंदी और जीएसटी से छोटे दुकानदारों को खत्म कर दिया।

चुनाव आए तो सिलेंडर के दाम घटा दिए: जो गैस सिलेंडर पहले 400 रुपए में मिलता था, उसे 1200 रु. का कर दिया। अब जब चुनाव आए तो दो महीने पहले

400 रुपए का कर दिया। दो महीने पहले कर सकते थे तो इतने सालों से क्यों नहीं किया। मध्यप्रदेश सरकार ने 22 हजार घोषणाएं की हैं। 22 भी पूरी नहीं कीं।

देश में इतनी बेरोजगारी 45 साल में नहीं रही: आज सिर्फ मध्यप्रदेश में नहीं, देश में इतनी बेरोजगारी है कि 45 साल से इतनी बेरोजगारी पूरे देश में नहीं रही। मध्यप्रदेश में 90% से ज्यादा सरकारी पद खाली हैं, 18 साल से भाजपा की सरकार है, फिर ये पद भरे क्यों नहीं गए?'

सरकार की मदद से अडाणी करोड़ों कमा रहे: अडाणी क्या बनाते हैं? बेवकूफ बनाते हैं। देश की संपत्तियां कौड़ियों के दाम पर इन्हें दी गई। ये कुछ बनाते नहीं हैं, जो आपने बनाया (बंदरगाह, एयरपोर्ट) उन्हें सौंपी जा रही है। सरकार की मदद से अडाणी एक दिन में 1600 करोड़ रुपए कमा रहे और देश का किसान 27 रुपए कमा रहा है।

मेरे पास 'मामा' के घोटालों की पूरी लिस्ट: आपकी चुनी हुई सरकार को रिश्वत देकर गिरा दिया गया। मामा (शिवराज) ने कितने घोटाले किए हैं, मेरे पास पूरी लिस्ट है। पटवारी, भर्ती इम्तिहान, व्यापमं, पौधरोपण... घोटाले ही घोटाले ही हैं। ये सरकार कमीशनखोरी पर चलती है। इनकी घोषणाएं खोखली हैं। अब भाजपा जा रही है, कांग्रेस आ रही है। एमपी में महिलाएं सुरक्षित नहीं: उज्जैन में एक बच्ची के साथ दुष्कर्म होता है। आपके प्रदेश (मध्य प्रदेश) में हर रोज 17 महिलाओं के साथ दुष्कर्म होता है। महिलाओं को सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। अब आपके सामने चुनाव है, आप चुनिए कि क्या आपको फिर से इन्हें 5 साल देना है, जिससे आप पर भ्रष्टाचार, अत्याचार, अपराध बढ़े?

छत्तीसगढ़ सरकार पर मुझे गर्व: जहां-जहां भाजपा की सरकारें हैं, उन प्रदेशों में देश-प्रदेश की संपत्ति यानी आपका पैसा आपसे छीनकर बड़े उद्योगपतियों को दिया गया। छत्तीसगढ़ सरकार पर मुझे गर्व है। छत्तीसगढ़ में आपकी संपत्ति, वापस आपकी जेब में डाली गई है। मेरी दादी का आपसे भावनाओं का रिश्ता था: मैं इंदिरा जी की पोती हूं। उन्हें गुजरे हुए 30 साल से ज्यादा गुजर गए। फिर भी आप उन्हें याद करते हैं। क्योंकि, वे आपकी संस्कृति को समझती थीं। आपसे उनका रिश्ता राजनीति का नहीं, भावनाओं का था। पं. जवाहरलाल नेहरू, राजीव गांधी ने भी आपकी आदिवासी संस्कृति और परंपरा का आदर किया।

मोगा में भीषण हादसे में 5 की मौत:धान से भरे ट्रक ने कार को मारी टक्कर; 1 की हालत गंभीर

मोगा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के मोगा में बड़ा हादसा हुआ है। गांव कडाहे वाला के पास कार और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में कार में सवार 5 व्यक्तियों की मौत हो गई है। एक अन्य को गंभीर हालत में इलाज के लिए मोगा अस्पताल में दाखिल कराया गया है। लाशों को मोगा के सिविल अस्पताल भेजा गया। पुलिस हादसे की जांच कर रही है और मृतकों की पहचान के प्रयास कर रही है। दुर्घटनाग्रस्त कार दिल्ली नंबर की है।

प्रारंभिक जानकारी अनुसार मोगा के गांव कडाहे वाला के पास सोमवार सुबह एक कार मोगा की ओर से अमृतसर की ओर जा रही थी। रास्ते में दूसरी साइड से धान से भरे ट्रक के साथ कार की टक्कर हो गई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। इसमें सवार लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। पांच व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य को राहगीरों ने जख्मी हालत में अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार से सभी शवों को निकाल कर मोगा अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया।

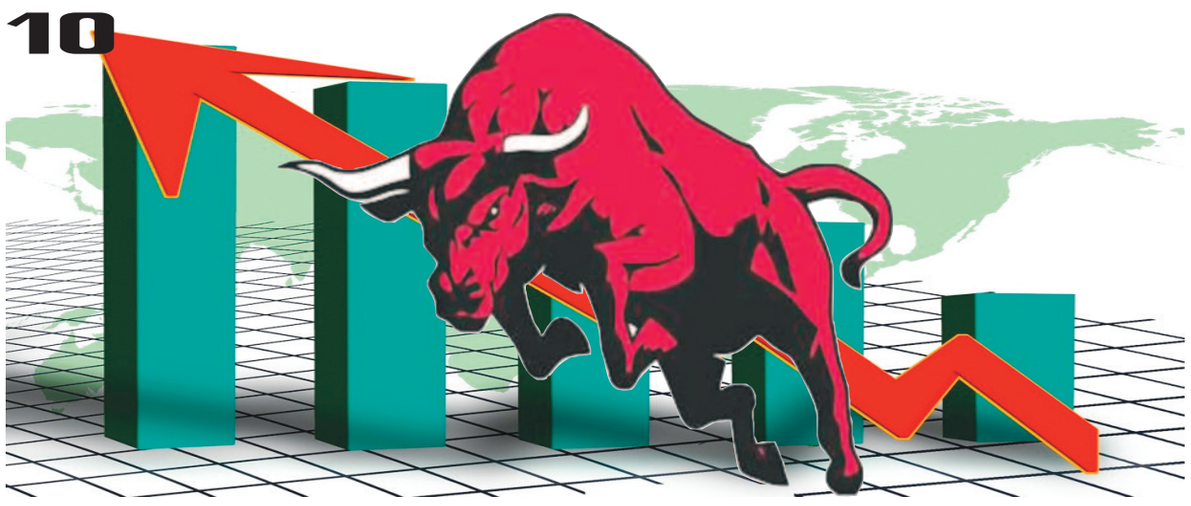

सरकार ने लॉन्च किया भारत आटा, 27.50 किलो बिकेगा

मोबाइल वैन में 10 और 30 केजी पैक में मिलेगा, चना दाल 60 केजी मिलेगी

नई दिल्ली , 6 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार देशभर में 27.50 प्रति किलो की कीमत पर 'भारत आटा' उपलब्ध कराएगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार, 6 नवंबर को दिल्ली में आटे के वितरण वाहनों (मोबाइल वैन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसे 10 किलोग्राम और 30 किलोग्राम के पैक में उपलब्ध कराया जाएगा। देशभर में 2 हजार आउटलेट पर ये आटा मिलेगा। इसे नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड , नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया , सफल, मदर डेयरी, और अन्य सहकारी संस्थानों के जरिए बेचा जाएगा।

ढाई लाख मीट्रिक टन गेहूं का एलॉकेशन

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इस दौरान बताया कि इसके लिए ढ़ाई लाख मीट्रिक टन गेहूं का एलॉकेशन विभिन्न सरकारी एजेंसियों को किया गया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के अनुसार, अभी देश में आटे की औसतन कीमत 35 रुपए किलो है।

गेहूं की बढ़ती कीमत की वजह से लिया फैसला

बाजार में नॉन-ब्रांडेड आटे की खुदरा कीमत 30-40 रुपए किलो है तो ब्रांडेड आटा 40-50 रुपए प्रति किलोग्राम पर बिक रहा है। गेहूं की लगातार बढ़ती कीमत की वजह से त्योहारी सीजन में आटे की कीमत में तेजी को देखते हुए सरकार ने सस्ते दाम पर आटा बेचने का फैसला किया है।

सस्ते में प्याज और दाल बेच रही सरकार

प्याज की बढ़ी कीमतों से कंज्यूमर्स को राहत देने के लिए सरकार 25 किलो की रेट से प्याज बेच रही है। नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया यानी एनसीसीएफ और नेफेड 25 किलो की रेट से बफर प्याज पहले से ही बेच रही हैं। एनसीसीएफ 20 राज्यों के 54 शहरों में 457 रिटेल स्टोर्स पर सब्सिडाइज्ड रेट पर प्याज बेच रही है। जबकि नेफेड 21 राज्यों के 55 शहरों में 329 रिटेल स्टोर्स पर डिस्काउंटेड रेट पर प्याज बेच रही है। वहीं केंद्रीय भंडार ने भी बीते शुक्रवार से दिल्ली-एनसीआर में प्याज की रिटेल सेल अपनी आउटलेट्स से शुरू कर दिया है। इसके अलावा सरकार 60 रुपए प्रति किलो के भाव पर भारत दाल (चने की दाल) उपलब्ध करा रही है।

अश्नीर ग्रोवर ने शार्क टैंक में 12 जज होने पर कसा तंज, बता डाला इसे जजों का ही ऑडिशन

नई दिल्ली , 6 नवंबर (एजेंसियां)। शार्क टैंक इंडिया का सीजन 3 जल्द ही दर्शकों के सामने आने वाला है। जनवरी 2023 से इस शो के ऑन एयर होने की बात कही जा रही है और इसमें हाल ही में नए जज की एंट्री की खबर सामने आई है। शार्क टैंक इंडिया ने इंस्टाग्राम और एक्स पोस्ट के जरिए एडेलवाइज म्यूचुअल फंड की एमडी और सीईओ राधिका गुप्ता के शो में बतौर जज आने की जानकारी दी। खास बात ये है कि इन्हें मिलाकर शार्क टैंक इंडिया में कुल 12 जज हो चुके हैं। इसी बात को लेकर शो के पूर्व जज और भारतपे के पूर्व को-फाउंडर अश्नीर ग्रोवर ने तंज कसा है।

अश्नीर ग्रोवर ने किया एक्स पर पोस्ट-कसा तंज

एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अश्नीर ग्रोवर ने लिखा है कि शार्क टैंक 3 दरअसल शार्क टैंक 4 के लिए शार्क्स का ऑडिशन लग रहा है! लाइफ में एक सबक है। जो बात पहले ही हल हो चुकी है उसे नहीं बदलना चाहिए और न ही उसे अनावश्यक समस्या बनाएं। इच्छा है कि मात्रा क्वालिटी का समाधान कर दे!दरअसल अश्नीर ग्रोवर एक साल पहले ही शार्क टैंक इंडिया शो को छोड़ चुके हैं लेकिन अभी भी गाहे-बगाहे इस बिजनेस रियलटी शो को अपना निशाना बनाए रखते हैं। सोनी लिव पर शार्क टैंक इंडिया के सीजन-3 की स्ट्रीमिंग होगी।

इस सीजन में शामिल होने वाले नए जज के नाम जानें

शार्क टैंक इंडिया के इस सीजन में राधिका गुप्ता के अलावा भी कई और नए जज आए हैं। इसमें ओयो रूम्स के फाउंडर और सीईओ रितेश अग्रवाल, जोमैटो के को-फाउंडर और सीईओ दीपिंदर गोयल, इनशॉर्ट्स के को-फाउंडर और सीईओ अजहर इकबाल के साथ साथ फिल्ममेकर रोनी स्क्रूवाला और एको जनरल इंश्योरेंस के सीईओ वरुण दुआ भी इस साल शार्क टैंक इंडिया के पैनल में नए जज के तौर पर शामिल हो रहे हैं।

धनतेरस है करीब और सोना हुआ सस्ता

वेडिंग सीजन के लिए भी शॉपिंग का मौका

नई दिल्ली , 6 नवंबर (एजेंसियां)। देश में दिवाली का पांच दिनों तक चलने वाला त्योहार 10 नवंबर 2023 यानी इसी शुक्रवार से शुरू होने वाला है। 10 नवंबर के दिन धनतेरस का त्योहार है। धनतेरस के दिन सोने-चांदी की खरीदारी की बेहद मान्यता है। धनतेरस से ठीक पहले आज वायदा बाजार और रिटेल सर्राफा बाजार में सोना और चांदी दोनों कीमती मेटल्स सस्ती हुई हैं। सोने के दाम में गिरावट से आने वाले त्योहारों और शादी के सीजन के लिए आपको सस्ता सोना खरीदने का मौका मिल रहा है।

वायदा बाजार में कितने घटे हैं दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर सोने के दाम में 200 रुपये से ज्यादा की गिरावट आई है और एमसीएक्स पर सोना 242 रुपये सस्ता हुआ है। सोने के रेट 60778 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं। सोने के ये दाम इसके दिसंबर वायदा के लिए हैं।

चांदी का क्या है भाव

चमकीली मेटल चांदी के लिए भी रुख सुस्त है और एमसीएक्स पर सिल्वर 98 रुपये सस्ती होकर 72154 रुपये प्रति किलो के रेट पर आ गई है। ये दाम दिसंबर वायदा के लिए हैं।

रिटेल बाजार में भी सोना सस्ता

रिटेल बाजार में भी सोना आज सस्ता हुआ है और यहां के बाजारों में सोना 120-170 रुपये प्रति 10 ग्राम तक कम रेट पर मिल रहे हैं।

देश के चार प्रमुख मेट्रो शहरों में सोने के रेट

दिल्लीः सोना बिना बदलाव के 61790 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। मुंबईः सोना 170 रुपये सस्ता होकर 61470 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। कोलकाताः सोना 170 रुपये सस्ता होकर 61470 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। चेन्नईः सोना 170 रुपये सस्ता होकर 62180 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है।

देश के बाकी बड़े शहरों में भी गोल्ड रेट हुए कम

अहमदाबादः सोना 170 रुपये सस्ता होकर 61520 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। बेंग्लुरूः सोना 150 रुपये सस्ता होकर 61470 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। चंडीगढ़ः सोना बिना बदलाव के 61790 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। हैदराबादः सोना 170 रुपये सस्ता होकर 61470 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है।

दिवाली से पहले मिली गुड न्यूज

फिच ने बढ़ा दिया भारत की ग्रोथ रेट का अनुमान

नई दिल्ली , 6 नवंबर (एजेंसियां)। अर्थव्यवस्था के मामले में दिवाली के त्योहार से चंद दिनों पहले एक अच्छी खबर आई है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को बढ़ा दिया है। एजेंसी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। एजेंसी का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था मध्यम अवधि में 6.2 फीसदी की दर से वृद्धि कर सकती है।

एक झटके में इतना बढ़ा अनुमान

रेटिंग एजेंसी फिच ने इससे पहले के अनुमान में कहा था कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर 5.5 फीसदी रह सकती है। अब एजेंसी ने अपने अनुमान को बढ़ाकर 6.2 फीसदी कर दिया है। इसका मतलब हुआ कि एजेंसी ने ग्रोथ रेट के अनुमान में एक झटके में 70 बेसिस पॉइंट यानी 0.70 फीसदी की बड़ी बढ़ोतरी की है। एजेंसी ने यह अनुमान ऐसे समय बढ़ाया है, जब चंद दिनों बाद देश में दिवाली का त्योहार मनने वाला है। इस बार दिवाली 12 नवंबर रविवार को है।

सबसे बेहतर भारत की संभावनाएं

फिच ने भारत के ग्रोथ रेट के अनुमान को बढ़ाते हुए ये भी कहा कि आने वाले समय में भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं सबसे बेहतर हैं। बकौल रेटिंग एजेंसी, आने वाले दिनों में टॉप-10 उभरती अर्थव्यवस्थाओं में भारत की आर्थिक वृद्धि दर सबसे ज्यादा रहने वाली है। एजेंसी ने ग्रोथ रेट के अनुमान में बढ़ोतरी का कारण रोजगार के मामले में स्थिति में सुधार को बताया है।

भारत के पक्ष में ये बातें

फिच की मानें तो हालिया महीनों में भारत में रोजगार दर में सुधार हुआ है। वर्किंग एज पॉपुलेशन के फोरकास्ट में भी सुधार आया है। फिच के अनुसार, भारत की श्रम उत्पादकता का अनुमान भी अन्य देशों की तुलना में बेहतर है। हालांकि पार्टिसिपेशन रेट में निगेटिव ग्रोथ की आशंका है। इसके चलते लेबर सप्लाई की ग्रोथ रेट में 2019 की तुलना में कमी आ सकती है।

ऐसा है बाकी देशों का हाल

फिच ने भारत के अलावा कुछ अन्य देशों के लिए भी ग्रोथ रेट के अनुमान में सुधार किया है। उन देशों में ब्राजील, मैक्सिको, इंडोनेशिया, पोलैंड और तुर्की शामिल हैं। दूसरी ओर चीन और रूस जैसी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के लिए फिच ने ग्रोथ रेट के अनुमान को कम किया है। चीन के लिए ग्रोथ रेट के अनुमान को 5.3 फीसदी से घटाकर 4.6 फीसदी कर दिया गया है, जबकि रूस के लिए अनुमान को 1.6 फीसदी से घटाकर 0.8 फीसदी कर दिया गया है।

दिवाली से पहले शेयर मार्केट में धूम, 600 अंकों के उछाल के साथ सेंसेक्स बंद

मिड कैप - स्मॉल कैप स्टॉक्स में जोरदार तेजी

नई दिल्ली , 6 नवंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आने वाले समय में आनंद महिंद्रा सहित कुछ कंपनियों के स्टॉक्स में बंपर उछाल देखने को मिल सकता है। इन कंपनियों को विदेश से बड़ा ऑर्डर मिला है। इसका असर इन कंपनियों के स्टॉक्स पर पड़ सकता है। दरअसल यूरोपीय कंपनी एयरबस मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने जा रही है। इसके लिए कंपनी ने एयरोस्पेस कंपोनेंट मैन्युफैक्चिरिंग के लिए लोकल सप्लायर्स के साथ एक अनुबंधन साइन किया है। भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए एयरबस ने यह कदम उठाना है। एयरबस ने कमर्शियल विमानों के कंपोनेंट्स की मैन्युफैक्चिरिंग के लिए कई भारत बेस्ड सप्लायर्स के साथ अनुबंध किया है। एयरबस ने एयरफ्रेम और विंग पार्ट्स की आपूर्ति के लिए एकस, डायनेमैटिक, गार्डनर और महिंद्रा एयरोस्पेस के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एयरब ने ए320एनईओ, ए330एनईओ, और ए350 के लिए यह अनुबंध साइन किया है। हाल ही में किया गया यह अनुबंध ग्लोबल लेवल पर एयरबस के वाणिज्यिक विमान कार्यक्रमों के रैंप-अप का समर्थन करेंगे। शीट मेटल, मशीनिंग और एक्सट्रूजन प्रोफाइल सहित कई टेक्नोलॉजीज में भारत के एविएशन इकोसिस्टम में और क्षमता को मजबूत करेंगे।एयरबस के मुताबिक, उसे एकस, डायनेमैटिक, गार्डनर और महिंद्रा एयरोस्पेस के साथ अपनी साझेदारी का विस्तार करने पर गर्व है। यह भारत में सभी विश्वसनीय एयरबस भागीदार हैं जो अच्छी टेक्नीकल एक्सपर्टीज और ऑपरेशनल एक्सीलेंस के साथ सर्विस प्रोवाइड कराते हैं। यह नवीनतम अनुबंध इस साल की शुरुआत में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स को ए320एनईओ, फैमिली कार्गो और बल्क कार्गो डोर मैन्युफैक्चरिंग के अलॉटमेंट के बाद हुए हैं।

सेलो वर्ल्ड की बाजार में धमाकेदार एंट्री

28 फीसदी प्रीमियम के साथ दिया शानदार लिस्टिंग गेन

नई दिल्ली , 6 नवंबर (एजेंसियां)। सेलो वर्ल्ड के आईपीओ की शेयर मार्केट में जबरदस्त एंट्री हुई है। इसके शेयर की सोमवार को बीएसई पर 831 रुपये के रेट पर एंट्री हुई। कंपनी ने आईपीओ के तहत 648 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। इसके साथ ही आईपीओ के निवेशकों को 28 फीसदी का लिस्टिंग गेन मिला और हर एक शेयर पर निवेशकों को 203 रुपये की कमाई मिली है। वहीं एनएसई पर सेलो वर्ल्ड के शेयर 827 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए हैं।

कैसा था आईपीओ को रिस्पॉन्स

सेलो वर्ल्ड के आईपीओ को निवेशकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला था और यह आईपीओ 41 गुना ओवर सब्सक्राइब हुआ था। क्यूआईबी का हिस्सा 122.20 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का हिस्सा 25.65 गुना, रिटेल निवेशकों का हिस्सा 3.21 गुना और इंप्लॉयीज का हिस्सा 2.74 गुना भरा था।

कंपनी के कर्मचारियों को और ज्यादा फायदा

सेलो वर्ल्ड के कर्मचारियों को इस आईपीओ से और ज्यादा लाभ हुआ है। उन्हें प्रत्येक शेयर 61 रुपये के डिस्काउंट पर मिला था जिसके चलते उनका लिस्टिंग गेन और ज्यादा बढ़ गया है।

1900 करोड़ रुपये का था आईपीओ

कंपनी का 1900 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 20 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच खुला था।

आईपीओ के जरिए 5 रुपये की फेस वैल्यू वाले 2 करोड़ 93 लाख 20 हजार 987 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए जारी हुए हैं।

किसने कितने शेयर बेचे

इस आईपीओ के जरिये प्रमोटर प्रदीप घिसुलाल राठौड़ ने 300 करोड़, पंकज घिसुलाल राठौड़ ने 736 करोड़, गौरव प्रदीप राठौड़ ने 464 करोड़ संगीता प्रदीप राठौड़ ने 200 करोड़ और बबीता पंकज राठौड़ और रुचि गौरव राठौड़ ने 100 करोड़ रुपये के शेयर ऑफलोड किये हैं।

बेहतर हुई कंपनी की वित्तीय सेहत

कंपनी की वित्तीय सेहत बेहतर हो रही है। इसे फाइनेंशियल ईयर 2021 में 165 करोड़ 55 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। जो वित्त वर्ष 2022 में बढ़कर 219 करोड़ 52 लाख रुपये हो गया।

क्या करती है कंपनी

कंपनी पढ़ने-लिखने से जुड़ी चीजें, लंच बॉक्स, थर्मस, रसोई से जुड़े बर्तन और सफाई से जुड़ी चीजें बनाती है।

इसके देश के 5 अलग-अलग स्थानों पर 13 प्लांट हैं। अब कंपनी राजस्थान में ग्लास बनाने का एक प्लांट लगाने जा रही है।

विल्मर की अपनी पूरी 43.97% हिस्सेदारी बेच सकता है अडाणी-ग्रुप

करीब 24 हजार करोड़ में डील फाइनल होने की उम्मीद, शेयर में 1.86% की गिरावट रही

नई दिल्ली , 6 नवंबर (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप अपनी एफएमसीजी कंपनी 'अडाणी विल्मर लिमिटेड' की 43.97% की पूरी हिस्सेदारी नई दिल्ली , 6 नवंबर (एजेंसियां)। बेचना चाहती है। इसके लिए ग्रुप कई मल्टीनेशनल कंज्यूमर गुड्स वाली कंपनियों से बात कर रहा है। इकोनॉमिक्स टाइम ने अपनी रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी बेचने की डील एक महीने अंदर पूरी हो सकती है। ग्रुप हिस्सेदारी बेचने पर 2.5-3 बिलियन डॉलर (करीब 24 हजार करोड़) मिलने की उम्मीद कर रहा है। हालांकि, अडाणी ग्रुप ने अभी तक इसके बारे में किसी भी प्रकार की ऑफिशियल जानकारी नहीं दी है।

कंपनी के शेयर में 0.16% की गिरावट

कंपनी बेचने की खबर आने के बाद सुबह से अडाणी विल्मर के शेयर में गिरावट देखने को मिली। दिनभर कारोबार करने के बाद कंपनी का शेयर 1.86% की गिरावट के साथ 311.50 रुपए पर बंद हुआ।

तीन महीने पहले ग्रुप ने खारिज की थी इस तरह की खबर

तीन महीने पहले ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज पिछले कुछ महीनों से 'अडाणी विल्मर' की हिस्सेदारी बेचने की संभावना तलाश कर रही है। ग्रुप इससे मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल अपने कोर बिजनेस में फोकस करने के लिए करेगा। हालांकि, अदाणी विल्मर ने इसे अफवाह बताते हुए कोई भी कमेंट करने से इनकार कर दिया था। कंपनी ने कहा कि हम एसईबीआई के नियमों का पालन करते हुए डिस्क्लोजर करते रहे हैं और करते रहेंगे।

अडाणी विल्मर की वर्तमान मार्केट वैल्यू 41.16 हजार करोड़

अडाणी विल्मर लिमिटेड गौतम अडाणी की अडाणी एंटरप्राइजेज और सिंगापुर की विल्मर इंटरनेशनल लिमिटेड का जॉइंट वेंचर है, जिसकी वर्तमान में मार्केट वैल्यू करीब 41.16 हजार करोड़ है।अडाणी विल्मर ने 1 नवंबर को वित्त वर्ष 2023-24 के दूसरे क्वार्टर यानी (क्यू2एफवाई24) के रिजल्ट जारी किए थे। कंपनी ने बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में 131 करोड़ का लॉस हुआ है। पिछले वित्त वर्ष के इसी अवधि के दौरान कंपनी ने 48.76 करोड़ का मुनाफा कमाया था। वहीं इस फाइनेंशियल ईयर के पहले क्वार्टर में कंपनी को 78.9 करोड़ का नुकसान हुआ था।क्यू 2 एफवाई24 में कंपनी का रेवेन्यू 13% गिरकर 12,267 करोड़ रहा। क्यू 2 एफवाई23 में यह 14,150 करोड़ था। ऑपरेशन की बात करें तो जुलाई सितंबर क्वार्टर में कंपनी का ईबीआईटीडीए 43% की गिरावट के बाद 144 करोड़ रहा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	तुला...	04-54 बजे
चंद्र-	सिंह में	वृश्चिक.	07-04 बजे
मंगल	तुला में	धनु.....	09-17 बजे
बुध-	वृश्चिक में	मकर..	11-24 बजे
गुरु-	मेष में	कुंभ...	13-14 बजे
शुक्र-	कन्या में	मीन --	14-52 बजे
शनि-	कुंभ में	मेष--	16-28 बजे
राहु-	मेष में	वृष--	18-13 बजे
केतु-	तुला में	मिथुन..	20-13 बजे
		कर्क...	22-26 बजे
		सिंह...	00-38 बजे
		कन्या..	02-45 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय. - 06-20 सूर्य अस्त - 17-38
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी - 08 -23- दिनरात तक
मास - कार्तिक कृष्ण पक्ष , मंगलवार 07 November
नक्षत्र - मघा - 16- 23- तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - ब्रह्म - 15 - 19 - तक उपरान्त ऐन्द्र
करण- वणिज - 19 -08 - तक उप- विष्टि
विशेष:- भद्रा काल रात-19-10 से
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 14:50 से 16:16 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:20 - 07:43 अशुभ	काल.	17:38 - 19:16 अशुभ
उत्पात	07:43 - 09:09 अशुभ	लाभ	19:16 - 20:51 शुभ
चंचल	09:09 - 10:34 शुभ	उत्पात	20:51 - 22:25 अशुभ
लाभ	10:34 - 11:59 शुभ	शुभ	22:25 - 23:59 शुभ
अमृत	11:59 - 13:25 शुभ	अमृत	23:59 - 01:35 शुभ
काल.	13:25 - 14:50 अशुभ	चंचल	01:35 - 03:09 शुभ
शुभ.	14:50 - 16:16 शुभ	रोग	03:09 - 04:44 अशुभ
रोग	16:16 - 17:38 अशुभ	काल	04:44 - 06:20 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आप अपने कैरियर की शुरुआत में हैं, इसलिए आपको सीढ़ी पर अगला कदम रखने और पीछे चले गए पथ को देखने की जरूरत है। इन स्थानों में की गई कोई गलती का भुगतान आपको बाद में करना पड़ सकता है । खुद के लिए कुछ प्रस्ताव बनाने के लिए समय निकालें । आपको विरासत में मिला धन का कुछ हिस्सा या पैसा प्राप्त हो सकता है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

दिन की शुरुआत में ही अपने सभी कार्य खत्म करने की कोशिश करे ! आपको दिन के उत्तरार्द्ध में काम करने का मौका नहीं मिलेगा । किसी भी क्रय या विक्रय में सावधानी बरते अन्यथा आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है । आपको अपनी इच्छा शक्ति पर एक मजबूत नियंत्रण करना होगा , ताकि आप अपने खर्च को संतुलित कर पाए ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

रोजगार और आय के नए अवसर आज आपको मिल सकते है । आपको आगे बढ़ने के काफी अवसर मिलेंगे जिसको लेकर आप समझ नहीं पाएंगे की कौन सा विकल्प आपके लिए अच्छा है , जिसे लेकर आप आगे बढ़ सकते है । आज परिवार और कार्य क्षेत्र में संतुलन बिठाना मुश्किल हो सकता है और आप अपने कार्य क्षेत्र को परिवार की तुलना में ज्यादा महत्व देंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है परन्तु आपको अपने निवेश को लेकर सतर्क रहना होगा । आज के दिन अगर आप वाहन , दवाई या सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग में निवेश करेंगे तो वो काफी फायदेमंद साबित होगा । ये बहुत जरुरी है की आप अपने निवेश को दोबारा परखे और जहा जरुरी हो उसमे बदलाव लाये जिससे की आप का नाम हो।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप कुछ दिनों से निर्णय नहीं ले पा रहे थे जिसका असर आपके व्यवहार में भी झलक रहा था पर ये समय ये सब बाते छोड़ कर कुछ कर दिखाने का समय है और साथ ही साथ अपने इस व्यवहार को बदलने का भी । आप बिना भयभीत हुए निर्णय ले जो की आपके भविष्य के लिए अछा साबित हो । आप किसी अच्छे जानकर से भी अपने पैसे और अपने पेशे से संबंधित सुझाव ले सकते है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आप अपने सबसे अच्छे आलोचक हैं । अपनी स्थिति का विश्लेषण और उसके अनुसार कार्य करे । आज आपको समय के अनुसार चलने के लिए अपने आप को प्रेरित करने की आवश्यकता है । ध्यान केंद्रित करे जिससे की आप नीचे की और न जाये । समय के साथ आपको बड़ी जिम्मेदारियों के साथ सौंपा जा सकता है। तब तक निरंतरता रखे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आपको अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित कार्य में अपने मित्रो और सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है । आप उनको अपना आभार देना न भूले और बदले में आप भी समय पड़ने पर उनकी सहायता करे । धन एवं नकदी प्रवाह में सुधार आयेगा । इस दिन आपको अपने अनावश्यक खर्चो पर भी लगाम लगानी होगी क्योंकि आप अछा कमाएंगे पर साथ साथ आपके खर्चे घटाने आपके लिए मुश्किल होंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था , उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा । अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

बदलाव आपके कैरियर में संकेत दे रहे है, लेकिन ये परिवर्तन आपको आनंद देगा । आपको नयी नौकरी की पेशकश मिल सकती है , या एक नए विभाग में आपको स्थानांतरित किया जा सकता है । पदोन्नति का भी संकेत मिल रहा है । आप अपनी नई जिम्मेदारियों से प्यार करेंगे और अपने आप को साबित करने के लिए उत्साह से भर जाएंगे । आप अपनी कार्य क्षमताओं से हर किसी को प्रभावित करेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आप जो भी कार्य करेंगे , सफलता आपके कदम चूमेगी । अगर आप एक प्रतियोगी परीक्षा में बैठे थे तो आज आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज का दिन पदोन्नति या अधिक जिम्मेदारी लेने के बारे में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विमर्श आरंभ करने के लिए उपयुक्त है। आपको इस बहुत ही अनुकूल दिन का लाभ लेने के लिए अपने सभी प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

हालाँकि आप अपने कार्य क्षेत्र से संतुष्ट है और आगे की तरफ जा रहे है लेकिन ये समय अपना हुनर , रचनात्मकता एवं प्रतिबद्धता को दिखाने का है और हो सकता है की आपको अपनी परिवार की प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ना पड़े लेकिन ये आपके करियर को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है । अगर आप इस काम को सही ढंग से कर पायेंगे।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

हालाँकि , आप ईमानदार और मेहनती हैं पर आज सफलता आपकी पहुंच से दूर रह सकती है । कुछ मामूली गलतियाँ आपको परेशान कर सकती है । आप अपने कार्यस्थल पर किसी भी विवाद से बचे । आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि, ये दिन अपने दोस्तों के साथ आराम करने के लिए काफी ठीक रहेगा । इसके लिए यदि संभव हो , तो आप एक दिन का अवकाश भी ले सकते हैं।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

राजस्थान में अब तक का सबसे जटिल चुनाव

कोई तर्क-गणना या भविष्यवाणी करना आसान नहीं होगा

जयपुर, 6 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। राजस्थान के चुनावी रण की तस्वीर साफ हो गई है। सूचियों को देखें तो एक बात सामने आती है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों के पास अब समान अवसर हैं। मैदान की स्थिति एक जैसी है। दोनों के सामने बागियों का संकट है। मिलते-जुलते झगड़े हैं। घिसे-पिटे फॉर्मूले से बनते-बिगड़ते हार-जीत के निष्कर्ष हैं। लेकिन चुनाव इस बार वैसा नहीं है, जैसा हर बार होता है। यह राजस्थान का अब तक का सबसे जटिल चुनाव होगा, जिसमें नेताओं के सारे के सारे तर्क, उनकी गणना, भावना या कल्पना, कुछ काम नहीं करेगी। दोनों दलों के टिकटों को देखकर एक कहावत याद आती है। 'थोथा चना, बाजै घणा।' कैंडिडेट के चयन में जैसे दावे किए गए थे, इसके उलट ज्यादा कुछ नया देखने को नहीं मिला है। मैदान में अब ज्यादातर पुराने चेहरे ही बचे हैं। दुविधा, विवाद और विलाप की राजनीतिः दोनों दलों की सूचियों में राज्य के खेत-खलिहानों, चौपालों और पनघटों से जो खबरें आ रही हैं, वे चौंकाने वाली हैं। राजनीतिक दलों और दिग्गजों के तयशुदा आकलन को खारिज करने वाली हैं। इस बार मतदाता साइलेंट है। वहीं, दोनों ही दलों में दुविधा, विवाद और विलाप की राजनीति हो रही है।

दोनों पार्टी ने जातिगत रणनीति बदली-

भाजपा : बीजेपी कोर वोट बैंक वाली जातियों के परसेप्शन से बाहर निकल रही है। जिन जातियों को कांग्रेस का परंपरागत वोट बैंक माना जाता है, उनके टिकटों की संख्या में इजाफा किया है। भाजपा ने इस बार 33 जाट उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं। जबकि परंपरागत वोट बैंक माने जाने वाले राजपूत समुदाय से 25, ब्राह्मण समुदाय से 20 और वैश्य समुदाय से 11 टिकट दिए हैं।

तीन चुनावों को देखें तो भाजपा में इस बार हर बार से कम टिकट राजपूतों को दिए हैं। ब्राह्मणों के औसत टिकट की संख्या 20 के आस-पास है। माली समाज के टिकट पिछली बार की तुलना में आधे कर दिए गए हैं। इस बार एक भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारा है।

कांग्रेस : कांग्रेस में परंपरागत वोट बैंक मानी जाने वाली बड़ी जातियों के टिकट बरकरार हैं। कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 36 जाट उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि पिछली बार 31 थे। एसटी के टिकट में बढ़ोतरी है। पिछली बार 29 टिकट थे, इस बार 33 कर दिए गए हैं। एससी के टिकट बरकरार हैं। वैश्य समुदाय के टिकट इस बार कम दिए हैं। पिछली बार 13टिकट दिए गए थे, इस बार सिर्फ 11 दिए गए हैं। इसी तरह ब्राह्मणों के टिकट में 5 की कमी की गई है। भाजपा और कांग्रेस ने पूरी तरह से परंपरागत तरीके से ही टिकट बांटे हैं। भाजपा ने पहली सूची में चौंकाने की कोशिश की थी, लेकिन बाद में ऐसा कुछ नहीं हुआ। कुछ छोटे-मोटे प्रयोगों को छोड़ दिया जाए तो नया जैसा कुछ नहीं है।

राजस्थान में टिकट वितरण के बाद दोनों ही पार्टियों में बागियों से लड़ना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। टिकट नहीं मिलने से जगह-जगह पर विरोध का माहौल है। पार्टी के लोग विरोध में खड़े हैं। आमतौर पर ऐसा कांग्रेस में ज्यादा होता है, लेकिन इस बार भाजपा में ये स्थितियां ज्यादा हैं।

दोनों दलों में हाईकमान का कितना प्रभाव नजर आया?

दोनों में औसत देखने को मिला है। दोनों दलों ने राज्यों के नेताओं को साधने का प्रयास किया है। कांग्रेस आलाकमान ने महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ का टिकट काटकर मैसेज देने की कोशिश की। उधर, भाजपा ने वसुंधरा की कोर टीम में शामिल युनूस खान और अशोक परनामी के टिकट काटकर मैसेज दिया है।

दोनों दलों की ज्यादा चुनौती क्या है?

दोनों दलों के सामने बागियों की सबसे बड़ी चुनौती है। छोटे दल चिंता का कारण हैं। आरएलपी ने दोनों दलों के बागियों को टिकट देकर कई अवसर खड़े कर दिए हैं। रविवार रात आई कांग्रेस की सूची में शेखावाटी के दिग्गज नेता परसराम मोरदिया और उनके बेटे का टिकट काट दिया गया। इस पर आरएलपी ने उनके बेटे महेश पर दांव खेल दिया। भाजपा में टिकट नहीं मिलने पर चौहटन से पूर्व विधायक तरुण राय कागा और शिव से पूर्व विधायक जालमसिंह रावलोत ने आरएलपी का दामन थामन लिया। इसके तुरंत बाद उन्हें टिकट दे दिया गया है। ऐसी कई सीटें हैं, जहां पर दोनों पार्टियों के लिए खतरा है।

दोनों दलों ने क्या नए प्रयोग किए?

परिवारवाद से बचने के लिए नया तरीका निकाल लिया। इसमें

अगर मौजूदा विधायक का टिकट काटना हो तो उनके परिजनों को टिकट दिया गया है। जैसे- देवीसिंह भाटी की पुत्रवधू को टिकट दिया गया था। इसके बाद टिकट बदल कर पोते को दे दिया गया। कांग्रेस ने नागौर में अकेले मिर्धा परिवार को ही तीन टिकट दे दिए। इधर, भाजपा ने भी मिर्धा पर ही भरोसा जताया है। बड़े सियासी घरानों को पार्टियों ने इग्नोर नहीं किया है।

जो जितना खोदेगा, उतना पाएगा, अब नजर मैनिफेस्टो पर

इस बार का चुनाव पिछले तीन दशक से अलग नजर आ रहा है। सरकार के विरोध में जनता मुखर नहीं है, जितनी 2018 के चुनाव में थी। नारे भी ऐसे गढ़े जाते थे कि साफ पता चल जाता था कि एंटी इनकम्बेंसी किस हद तक है, लेकिन इस बार शहरों में तो चुनावी माहौल ही नहीं बन पाया है। कांग्रेस पर बेरोजगारों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरने, पेपर लीक, महिलाओं से जुड़े क्राइम को लेकर आरोप लग रहे हैं। किरोड़ी लाल मीणा भी संगठन से अलग अपनी ओर से ही आंदोलन, प्रदर्शन और शिकायतों में बिजी रहे। अब स्थिति ऐसी लग रही है कि जो पार्टी मतदान से पहले जनता के बीच जितनी अपनी पकड़ बनाएगी और अपने एजेंडे से प्रभावित करेगी, उतना ही अधिक फायदे में रहेगी।

कांग्रेस-भाजपा और चले 3-3 फैक्टर

प्रत्याशी चयन में दोनों पार्टियों में 3-3 फैक्टर का बोलबाला रहा। कांग्रेस में गहलोत, पायलट व आलाकमान और भाजपा में संघ, सर्वे और राजे। कांग्रेस ने अपनी सूचियों में कुछेक नाम छोड़ कर गहलोत-पायलट दोनों के समर्थकों को पर्याप्त जगह देने के प्रयास किए। कैबिनेट मंत्री महेश जोशी को टिकट देने, गठबंधन आदि कुछ मामलों में आलाकमान ने अपना दखल रखा, लेकिन वह भी बहुत अधिक नहीं। इधर, भाजपा में संघ की चली। लगभग सभी सीटों पर संघ की सहमति के बाद टिकट सूची में नाम जोड़े गए।

सूचियों में दिखी उल्टी चालें

कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टियों के सूची जारी करने के पैटर्न को देखें तो रणनीति अलग-अलग रही। कांग्रेस विरोध से डरते हुए पहली से तीसरी सूची तक अपने बड़े चेहरों को जगह देने में रही। इसके बाद चाल थोड़ी बदली, लेकिन फिर भी 50-60 प्रतिशत तक विधायकों के टिकट काटने के अपने दावे के अनुसार कोई बड़ा उलटफेर नहीं कर पाई।

वहीं, भाजपा ने पहली दो सूचियों में कमजोर सीटों पर फोकस किया। जहां पार्टी 3-4 बार से लगातार हार रही थी, उन सीटों को शुरुआती सूचियों में जगह दी। अजीब तो यह भी रहा कि दर्जनभर से अधिक सीटों पर उम्मीदवार खड़े करने से पहले सामने वाले की सूची जारी करने का इंतजार किया। ऐसा करने में दोनों ही पार्टियां एक दूसरे के कम्पटीशन में दिखाई दीं।

न प्रयोग, न रिवाज बदला

चयन से पहले बड़े-बड़े दावे करने वाली दोनों ही पार्टियां हालात की मारी नजर आईं और पुराने चेहरों को ही आजमाते हुए अधिक दिखाई दीं। 7 सांसदों को उतार कर भाजपा ने पहली सूची से जरूर चौंकाया, लेकिन इसके बाद सभी सूचियों में कोई खास चौंकाने वाला फैक्टर नजर नहीं आया। दोनों ही पार्टियों ने बड़े चेहरों के सामने कोई बड़ा चेहरा नहीं उतारा।

पति-पत्नी और परिवारवाद

कांग्रेस और भाजपा एक-दूसरे पर वंशवाद या परिवारवाद को लेकर जमकर हमला बोलते हैं, लेकिन टिकट वितरण से साफ है कि दोनों ही पार्टियों में परिवारवाद की जड़ें गहरी हैं। कांग्रेस ने नोखा से रामेश्वर डूडी के कोमा में जाने पर उनकी पत्नी सुशीला डूडी को, लाडपुरा सीट से गुलनाज गुड्डू का टिकट काटकर उनके पति नईमुद्दीन गुड्डू को मौका दिया। रामगढ़ सीट से मौजूदा विधायक सफिया खान का टिकट काटकर उनके पति जुबेर खान को मैदान में उतारा है।वहीं सहाड़ा से विधायक गायत्री त्रिवेदी का टिकट काटकर उनकी जगह उनके देवर राजेंद्र त्रिवेदी को उम्मीदवार बनाया गया।

भाजपा ने पूर्व उप राष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत के दामाद नरपत सिंह राजवी का विद्याधर नगर से टिकट काटकर चित्तौड़गढ़ से मौका दिया। नदबई से पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह के बेटे को टिकट मिला है। रामगढ़ से ज्ञानदेव आहूजा के भतीजे जय को टिकट दिया गया है। कोलायत से पहले देवीसिंह भाटी की पुत्रवधू को दावेदार बनाया गया, इसके बाद उनका नाम काटकर पोते को उम्मीदवार बनाया है।

ध्रुवीकरण और योजनाएं

भाजपा ने मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर संत-महंत-आचार्यों को टिकट देकर हिंदू वोट बैंक के ध्रुवीकरण की कोशिश की है। पोकरण से कांग्रेस ने कैबिनेट मंत्री सालेह मोहम्मद को उतारा तो भाजपा ने महंत प्रताप पुरी को मौका दिया। इस सीट पर पिछली बार हुए चुनाव को हिंदू-मुस्लिम समीकरणों पर तोला जा रहा था। हवामहल सीट से बालमुकुंद आचार्य को मौका दिया। कांग्रेस अपनी योजनाओं को भुनाने के प्रयास वाली रणनीति पर चल रही है। प्रत्याशियों के चयन में भाजपा और कांग्रेस ने अनुशासन को भी अहमियत दी है। हालांकि कुछेक जगह कॉम्प्रोमाइज भी किया गया है। कुल मिलाकर आलाकमान ने अपनी ताकत दिखाई है और संदेश देने का प्रयास किया कि भविष्य में नेता अनुशासन नहीं तोड़ें। भाजपा ने वरिष्ठ नेता कैलाश मेघवाल हों या सूर्यकांता व्यास, दोनों को मैदान से बाहर कर दिया है। इधर, कांग्रेस ने महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ के मामले में सख्ती दिखाई।

गठबंधन पर समझौता

राजस्थान में आरएलपी के साथ गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ने वाली भाजपा ने विधानसभा चुनाव में किसी के साथ गठबंधन नहीं किया। इधर, कांग्रेस ने भी पिछली बार की तरह केवल एक सीट के लिए एक ही पार्टी आरएलडी से गठबंधन किया।

इस बार की सूचियों को देखें तो कई मायनों में अलग है। पहली बार दोनों दल चुनाव जीतने के लिए अंतिम समय तक प्रत्याशियों के चयन में उलझे रहे। ऐसा पहली बार हुआ कि ऐन वक्त तक कई नेताओं को पार्टी में शामिल करके उन्हें टिकट दिए गए हैं। हर चुनावों में ऐसा होता है, लेकिन इस बार तो ये एक लंबी सूची है। दलबदलुओं को 'चट जॉइनिंग पट टिकट' : आधा दर्जन से अधिक नेताओं ने तो सेम डे ही टिकट पा लिए। गिर्राज सिंह मलिंगा, सुभाष मील, उदयलाल डांगी, दर्शन सिंह गुर्जर जैसे नाम भाजपा में शामिल होकर हाथों हाथ टिकट लेने में सफल हुए। वहीं, कांग्रेस में भी कुछ घंटों में ही टिकट लेने वालों में बसपा में रहे इमरान खान, सोनाराम चौधरी, प्रशांत सिंह परमार जैसे नाम शामिल हैं।

जेपी नड्डा बोले- जहां कांग्रेस वहां भ्रष्टाचार

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जशपुर में कहा-भूपेश बघेल की सरकार में सिर्फ भ्रष्टाचार-लूट की गारंटी

जशपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जशपुर में बोले जहां कांग्रेस वहां घोटाले होंगे। पनडुब्बी घोटाला, हेलीकॉप्टर घोटाला , कोयला घोटाला, कॉमन वेल्थ का घोटाला, मनरेगा में भी घोटाला कांग्रेस के समय में हुआ था। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार में सिर्फ भ्रष्टाचार और लूट की गारंटी है।

नड्डा आगे बोले भूपेश सरकार ने 2 हजार करोड़ का शराब घोटाला, पांच हजार करोड़ का चावल घोटाला किया, 540 करोड़ का कोयला घोटाला, 13 सौ करोड़ का गौठान घोटाला किया गया, आज इनके अफसर जेल में बंद है।

जेपी नड्डा के भाषण की प्रमुख बातें

केंद्र के गरीब कल्याण अन्न योजना की राशन को सीएम भूपेश रोक रहे हैं। देशभर में उज्ज्वला योजना में 9 करोड़ 60 लाख सिलेंडर दिया गया। छत्तीसगढ़ में 35 लाख लोगों को सिलेंडर दिया गया। आयुष्मान भारत योजना के तहत सभी लोगों का सालाना पांच लाख का कवर दे रही है। भाजपा की सरकार आती है तो ये राशि 10 लाख करेंगे।

18 लाख मकान बनाएंगे, केंद्र ने आवास योजना का राशि भेजा था लेकिन भूपेश बघेल ने 12 लाख मकान नहीं बनाए।

सभी महिलाओं को 12 हजार रुपए हर महीने दिया जाएगा। तेंदूपत्ता पर साढ़े हजार बोनस देंगे। तेंदूपत्ता बीनने वालों को चरण पादुका दिए जाएंगे। भूमिहीन किसानों को सालाना 10 हजार दिए जाएंगे। बीपीएल के नीचे आने वाली लड़कियों को डेढ़ लाख का आश्वसान राशि दिए जाएंगे।

केंद्र की ओर से जशपुर को पिछले साल विकास कार्यों के लिए 236 करोड़ दिए गए। भाजपा का मतलब विश्वास, भरोसा।

इन्होंने महादेव को भी नहीं छोड़ा। सत्ता में आने के लिए सट्टा में 508 करोड़ का घोटाला कर दिया। असीम दास ईडी में कहता हैं ये पैसा दुबई से लेकर भूपेश बघेल को देने आया था छत्तीसगढ़ के चुनाव के लिए।

बिजल का बिल माफ करेंगे लेकिन नहीं मिला, नौजवानों को बेरोजगारों का भत्ता देने की बात कही थी लेकिन इसका भुगतान नहीं किया गया। चार गैस का सिलेंडर भी नहीं मिला। महिलाओं को पांच सौ रुपए प्रतिमाह देने की बात कही थी लेकिन आज तक नहीं मिला। कांग्रेस सरकार झूठ और लूट की सरकार।

मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। भारत पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, आने वाले समय में हम तीसरे स्थान पर आ जाएंगे।

मोदी कार्यकाल में आदिवासियों का बजट दोगुना किया गया। अनुसूचित जाति का ट्रायबल कंपोनेंट तीन गुना बढ़ाया गया। एकलव्य स्कूल का बजट ढाई गुणा बढ़ाया। आदिवासी बच्चों की स्कॉलरशिप ढाई गुना बढ़ाई गई।

जशपुर की सभा के बाद नड्डा देर शाम बिलासपुर जिले के सभी विधानसभा पदधिकारियों, चुनाव संचालन समिति के सदस्यों और चुनाव संचालकों की बैठक लेंगे। यह पहली बार होगा जब आचार संहिता लगने के बाद कोई राष्ट्रीय स्तर के बड़े नेता चुनावी चर्चा करेंगे।

डिप्टी सीएम सिंहदेव पर 1 करोड़ 15 लाख का कर्ज

पहले चरण की 20 सीटों में भाजपा-कांग्रेस के 13 उम्मीदवार, जो 8वीं-12वीं तक पढ़े

रायपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव 1 करोड़ के कर्ज में डूबे हैं। ऐसा हम नहीं, वे खुद कह रहे हैं। अंबिकापुर में विधानसभा चुनाव के लिए उन्होंने जो हलफनामा दाखिल किया है, उसमें उन्होंने इसका जिक्र किया है। इतना ही नहीं, उनकी संपत्ति 2018 के मुकाबले कम हो गई है।

2018 में टीएस सिंहदेव ने जो दस्तावेज जमा किए थे, उसके मुताबिक तब 500 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति थी, जबकि तब कर्ज था, 62 लाख का।

2023 में उनकी संपत्ति 436.71 करोड़ रुपये घोषित की है। वहीं चल संपत्ति 10 करोड़ 99 लाख रुपये की है। इनमें उन्हें विरासत में मिले जेवरात, बंदूक एवं अन्य सामान हैं। जेवरात में हीरा भी शामिल है।

पहले चरण की जिन 20 सीटों में चुनाव होने हैं, उनमें भाजपा और कांग्रेस के 13 प्रत्याशी ऐसे हैं, जिन्होंने 12 वीं या उससे कम पढ़ाई की है। चुनाव में नामांकन दाखिल करने वाले नेताओं के बारे

ये जानकारी उनके ही द्वारा निर्वाचन में दिए गए डॉक्यूमेंट से सामने आई है। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पहले चरण की 20 सीटों पर मंगलवार 7 नवंबर को वोटिंग होगी। इन सीटों को कब्जे में लेने के लिए प्रत्याशियों और राजनैतिक पार्टियों ने अपनी बिसात बिछाना शुरू कर दी है। पहले चरण की 20 सीटों पर नामांकन और नाम वापसी की प्रक्रिया होने के बाद 30 प्रत्याशियों ने चुनावी मैदान से दूरी बना ली है। इसके बाद अब 223 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। विधानसभा चुनाव में उतरे प्रत्याशियों ने आय का स्रोत खेती बाड़ी, कारोबार, पेट्रोल पंप को बताया है। 2023 के विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा संपत्ति घोषित आप पार्टी से कवर्धा के प्रत्याशी खड़गराज सिंह ने की है। आप प्रत्याशी ने संपत्ति के मामले में छत्तीसगढ़ के वर्तमान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को भी पछाड़ दिया है। आप प्रत्याशी खड़गराज सिंह की 40 करोड़ रुपए से ज्यादा संपत्ति होने का शपथ पत्र दिया है।

वहीं 2013 में डॉ. रमन सिंह की संपत्ति 5 करोड़ 61 लाख थी। 2023 में डॉ. रमन सिंह की संपत्ति 15 करोड़ से ज्यादा पहुंच गई है। 2013 में कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव पर 10 लाख का कर्ज था। 2023 में उनके ऊपर 1 करोड़ से ज्यादा का कर्ज है।

विधानसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे दो प्रत्याशी ऐसे भी है, जिन्होंने शून्य संपत्ति की घोषणा की है। कांकेर निर्वाचन क्षेत्र से आजाद जनता पार्टी की पार्वती टेटा और मोहला मानपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जोगी पार्टी के नागेश पुरम के पास संपत्ति नहीं है।

देवेंद्र बोले-मेरे निजी जीवन की हत्या कर रहे भाजपाई

एमएमएस कांड पर फफक कर रो पड़े कांग्रेस एमएलए, कहा- मानसिक पीड़ा से गुजर रहा परिवार

दुर्ग, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भिलाई से कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को लेकर वायरल हो रहा एमएमएस का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मुद्दे पर सफाई देने के दौरान देवेंद्र फफक-फफक कर रोने लग गए। उन्होंने कहा कि राजनीति के लिए भाजपा के लोग उनके राजनीतिक नहीं बल्कि निजी जीवन की हत्या करने पर तुले हुए हैं। मैं और मेरा परिवार मानसिक वेदना से गुजर रहा है। देवेंद्र ने इस मामले को लेकर रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। जिसमें उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर रहे हैं। अगर भाजपा नेता चुनाव जीतना चाहते हैं तो वो आएं चुनावी मैदान

में और सीधे-सीधे उनसे चुनाव लड़ें। लेकिन ये झूठे लोग हैं और शहर में झूठ फैलाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। देवेंद्र यादव ने कहा कि चुनावी समय में भाजपा के नेता अब तक उन पर कई तरह के आरोप लगा रहे थे, लेकिन अब वो गंदगी फैलाने में जुटे हैं। उनकी ओर से एक फर्जी अश्लील वीडियो बनाकर जारी किया जा रहा है। ये सिर्फ उन्हें बदनाम करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि इसकी सूचना उन्हें 4 महीने पहले ही मिली थी। तभी उन्होंने इस मामले की शिकायत पुलिस से की थी। पुलिस ने मामले की फॉरेंसिक जांच भी कराई। पुलिस ने जांच में पाया कि सबसे पहले ये वीडियो हैदराबाद से जारी हुआ था। इसके बाद से वो नम्बर लगातार बंद आ रहा है, जिसके जरिए वीडियो वायरल हुआ।

देवेंद्र यादव ने कहा कि भिलाई में कुछ भाजपा नेता उस फर्जी वीडियो को वायरल कर उन्हें बदनाम कर रहे हैं। जो वीडियो जारी किया जा रहा है उसमें दिख रहा व्यक्ति उनकी शक्ल से मिलता-जुलता है।

ईडी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को लिखा पत्र

रांची, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अवैध खनन और जमीन घोटाला मामले में रांची के होटवार जेल में बंद प्रेम प्रकाश और उसके सहयोगी अमित अग्रवाल को झारखंड से बाहर शिफ्ट करने की तैयारी चल रही है। ईडी ने इनकी संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय को इन्हें दूसरे जेल में शिफ्ट करने के लिए लिखा है। वहीं जेल में छापेमारी के दौरान मिले साक्ष्य को अब जांच एजेंसी पीएमएलए कोर्ट में पेश करेगी। ताकि इस साक्ष्यों के आधार पर इन दोनों को राज्य से बाहर भेजा जा सके।

कोर्ट की अनुमति मिलते ही इन्हें दूसरे राज्य की जेल में भेज दिया जाएगा। दरअसल ईडी ने शुक्रवार को होटवार जेल पर छापेमारी की थी। इस दौरान पता चला कि प्रेम प्रकाश जेल से ही सिंडिकेट चला रहा है।

वह विभिन्न घोटाले के आरोपियों के साथ मिलकर ईडी अफसरों को नुकसान पहुंचाने की तैयारी में है। इसके लिए वे लोग नक्सलियों की मदद भी ले रहे थे। महिलाओं का भी सहयोग लिया जा रहा था। यही नहीं, वे लोग जेल में बंद विभिन्न घोटालों के गवाहों को भी तोड़ने की कोशिश कर रहा था।

उधर, छापेमारी के बाद जेल प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। जेल परिसर के आसपास आने-जाने वालों से पूछताछ की जा रही है। वहीं जेल में बंद कैदियों से मिलने आने वाले परिजनों से भी सख्ती से पूछताछ की जा रही है।

इधर, भाजपा की मांग : ईडी अफसरों के खिलाफ षड्यंत्र की सीबीआई जांच हो । प्रदेश भाजपा ने ईडी अफसरों के खिलाफ षड्यंत्र की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि जेल में बंद कई आरोपियों के तार सत्ता के शीर्ष तक जुड़े हुए हैं। वे अधिकारियों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों और गैंगस्टरों का सहयोग ले रहे हैं।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने भरी सभा में अपने मंत्रियों की लगा दी क्लास

कहा- पिछले चार वर्षों से कहां थे स्वास्थ्य मंत्री

रांची, 6 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में कांग्रेस कोटे के मंत्रियों के खिलाफ आम कार्यकर्ताओं का आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। कुछ मंत्रियों ने इसे पाटने की कोशिश भी की है, लेकिन बाकी कार्यकर्ताओं की बातों को उतना महत्व नहीं दिया जा रहा है।

यही कारण है कि संगठन और सरकार के बीच दूरियां बढ़ रही हैं। रविवार को जिला अध्यक्षों और विधानसभा प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक में यही देखने को मिला। भरी सभा में पलामू जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने मंत्रियों की क्लास लगाते हुए कहा कि पिछले चार वर्षों में स्वास्थ्य मंत्री कभी भी पलामू नहीं पहुंचे हैं। उनके लिए तो पूरा झारखंड एक समान होना चाहिए। पाठक का समर्थन तमाम दूसरे जिलाध्यक्षों ने भी किया। इस दौरान मौजूद मंत्री आलमगीर आलम व अन्य सीनियर नेता सभा में मूकदर्शक बने रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने हालांकि

इन नेताओं को शांत किया।

रविवार को विधानसभा सभागार में संगठन सशक्तीकरण अभियान के तहत पंचायत एवं बूथ स्तर तक संगठन की पूर्णता की प्रगति रिपोर्ट जमा करने के लिए जिला अध्यक्षों और विधानसभा क्षेत्र के प्रभारियों को कहा गया था।

सभी जिला अध्यक्ष एवं विधानसभा प्रभारी ने अपने प्रभार के विधानसभा क्षेत्र से संबंधित प्रखंडों, मंडल पंचायत एवं बूथ स्तर तक संगठन निर्माण की रिपोर्ट पेश की। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर ने कहा कि लगातार प्रयासों के बावजूद कुछ जगह अभी भी कमेटी का निर्माण कार्य बाकी है।

लोकसभा चुनाव नजदीक है अतः इसे शीघ्र पूरा कर लें। उन्होंने कहा की पार्टी में अनुशासनहीनता कतई बर्दाश्त नहीं कि जाएगी, आवश्यकता पड़ने पर प्रभारी महोदय के निर्देश प्राप्त कर सभी जिला में भी अनुशासन कमेटी का गठन किया जाएगा।

हमारी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के मान सम्मान में कभी कमी नहीं होगी, इसका सदैव ख्याल रखा जाएगा।

20 लाख का कारोबार प्रभावित

रांची, 6 नवंबर (एजेंसियां)। किशोरगंज चौक पर हुई मारपीट मामले में दोनों पक्ष की ओर से दिए गए आवेदन के आधार पर कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके बाद मारपीट करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया। दोनों पक्ष की ओर से एक-दूसरे पर मारपीट, धमकी देते हुए गाली-गलौज और पैसा चोरी करने का आरोप लगाया गया है।

भारत ने निभाया पड़ोसी धर्म तो गदगद हुआ नेपाल

राजदूत ने दिल खोलकर की मोदी सरकार की तारीफ

काठमांडू, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने भूकंप प्रभावित नेपाल को रविवार को दवाएं तथा अन्य राहत सामग्री भेजी। पश्चिमी नेपाल में शुक्रवार को भीषण भूकंप आया था, जिसमें 157 से अधिक लोगों की मौत हुई और 160 से अधिक लोग घायल हो गए। भारत ने भारतीय वायुसेना के सैन्य परिवहन विमान से ये राहत सामग्री नेपाल भेजी है। राहत सामग्री की खेप नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाली अधिकारियों को सौंपी। भारत की इस सहायता की नेपाल ने जमकर तारीफ की है। नेपाली राजदूत ने भारत के इस मदद की जमकर तारीफ की है।

जयशंकर ने पड़ोसी पहले की नीति का किया जिक्र

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, "नेपाल के भूकंप प्रभावित इलाकों के लिए आपात राहत सहयोग मुहैया करा रहे हैं। पहले कदम उठाने वाले देश के तौर पर भारत दवाएं और राहत सामग्री भेज रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'पड़ोसी पहले' नीति पर काम कर रहे हैं।"

नेपाली राजदूत ने की तारीफ

इसके जवाब में भारत में नेपाली राजदूत डॉ शंकर शर्मा ने लिखा कि भारत ने फर्स्ट रिस्पॉन्डर के तौर पर पश्चिमी नेपाल में भूकंप से प्रभावित लोगों के लिए 160 मिलियन नेपाली रुपये की एक आपातकालीन सहायता पैकेज भेजा, जिसमें चिकित्सा उपकरण, राहत सामग्री और बहुत कुछ शामिल था। हम वास्तव में जरूरत के समय भारत के समर्थन की सराहना करते हैं।

भूकंप के बाद जिंदगी पटरी पर लाने की चुनौती

नेपाल में शुक्रवार को आए भूकंप से सबसे अधिक प्रभावित जाजरकोट जिले के निवासियों को अपने घरों के पुनर्निर्माण और जिंदगी को पटरी पर लाने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है नेपाल में शुक्रवार आधी रात से ठीक पहले 6.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें 157 लोगों की मौत हो गई और 250 से अधिक अन्य घायल हो गए। उत्तर-पश्चिमी नेपाल में हजारों ग्रामीणों ने शनिवार की रात कड़ाके की ठंड में घरों के बाहर बिताई। स्थानीय लोगों ने रात भर खुद को गर्म रखने के लिए अस्थायी आश्रय बनाने के वास्ते प्लास्टिक की चादर और पुराने कपड़ों सहित जो भी सामग्री मिली, उसका उपयोग किया।

भूकंप को सोचकर ही घबरा रहे लोग

राउत गांव के निवासी रोमित केसी ने कहा कि घर की हालत बहुत खराब है। दरारें आ गई हैं। हर कोई अपने घरों के बाहर बैठा है। यहां एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। दूसरे गांव में एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। लोगों ने भूकंप की रात की भयावहता को याद किया। गांव के एक अन्य निवासी ने कहा कि जो घर पुराने थे और पारंपरिक शैली में मिट्टी से बने थे, वे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जबकि जो घर आरसीसी से बने थे, वे बिलकुल भी क्षतिग्रस्त नहीं हुए हैं। जैसे-जैसे राहत और बचाव कार्य आगे बढ़ रहा है, अब ध्यान उन लोगों के पुनर्वास पर केंद्रित हो गया है जिनके घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

नाइजीरिया ने भारत को दिया झटका

पाकिस्तान के दोस्त तुर्की से मिलाया हाथ, खरीदा अटैक हेलीकॉप्टर

अबूजा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत संग दोस्ती बढ़ाने का वादा करने वाले अफ्रीकी देश नाइजीरिया ने बड़ा झटका दिया है। नाइजीरिया की सेना ने बोको हरम उग्रवादियों से निपटने के लिए पाकिस्तान के दोस्त तुर्की से हाथ मिलाया है। नाइजीरिया की सेना ने तुर्की से अटैक हेलीकॉप्टर टीएआई टी-129 एटीएके खरीदा है। नाइजीरिया को दो अटैक हेलीकॉप्टर मिल भी गए हैं। इससे पहले नाइजीरिया ने भारत के प्रचंड और ध्रुव हेलीकॉप्टरों में रुचि दिखाई थी लेकिन उसने अब तुर्की से हेलीकॉप्टर खरीद लिया है। घातक ड्रोन के बाद तुर्की हेलीकॉप्टरों के मामले में पावर हाउस बनने की ताक में है।

खबरों के मुताबिक नाइजीरिया की वायुसेना आधुनिकीकरण के लिए लंबे समय से प्रयास कर रही है। उसकी कोशिश है कि अफ्रीका में नाइजीरिया की सेना का प्रभुत्व बरकरार रहे। इसी वजह से उसने तुर्की के घातक हेलीकॉप्टर पर अपना दांव लगाया है। तुर्की और नाइजीरिया के बीच बातचीत दो साल से चल रही थी। मिलिट्री अफ्रीका की रिपोर्ट के मुताबिक नाइजीरिया तुर्की से 6 टीएआई टी-129 अटक हेलीकॉप्टर खरीद रहा है। इसके लिए वह तुर्की को साढ़े 4 करोड़ डॉलर का भुगतान करेगा।

पाकिस्तान को नहीं दे पाया था तुर्की

नाइजीरिया ने बोको हरम से निपटने के लिए चीन से विंग लूंग 2 ड्रोन वमिान खरीदा है लेकिन आने वाले दिनों में खतरा और बढ़ने जा रहा है और इसी से निपटने के लिए नाइजीरिया ने अटैक हेलीकॉप्टर खरीदा है। नाइजीरिया के साथ यह हेलीकॉप्टर सौदा तुर्की के लिए एक बड़ी जीत की तरह से है। तुर्की के घातक ड्रोन बायरकतार और अकिंसी ने यूक्रेन से लेकर आर्मीनिया तक में तबाही मचा रखी है। दुनिया के कई देशों ने तुर्की को इस ड्रोन विमान का ऑर्डर दिया है। दो इंजन वाले इस टी129 हेलीकॉप्टर को तुर्की की कंपनी टीएआई और इटली की कंपनी अगस्तावेस्टलैंड ने मिलकर बनाया है।

फिलीपीन्स ने भी इस अटैक हेलीकॉप्टर को खरीदा है। उसे 4 मिल भी गए हैं। बताया जा रहा है कि वह और हेलीकॉप्टर खरीद सकता है।

पाकिस्तान भी तुर्की से इस हेलीकॉप्टर को चाहता था लेकिन अमेरिका की आपत्ति के बाद उसके अरमानों पर पानी फिर गया। दरअसल, इस हेलीकॉप्टर का इंजन तुर्की ने अमेरिका की तकनीक के आधार पर बनाया है और इसके लिए लाइसेंस की जरूरत होती है। इराक ने ऐलान किया है कि वह इस हेलीकॉप्टर को खरीदने जा रहा है। तुर्की अब इसे सऊदी अरब, कतर और ब्राजील की सेना को बेचना चाहता है।

क्या टूट गई है नाइजीरिया से भारत की बातचीत?

नाइजीरिया ने भारत के प्रचंड और एलसीएच तथा ध्रुव हेलीकॉप्टरों को खरीदने में रुचि दिखाई थी लेकिन उसने तुर्की से हेलीकॉप्टर खरीद लिया है। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन ने इस डील को कराने के लिए नाइजीरिया का दौरा तक कर डाला था। नाइजीरिया के रूसी मूल के एमआई 35 हेलीकॉप्टर भी हैं। हालांकि बताया जा रहा है कि नाइजीरिया अभी भी भारत के साथ तेजस जेट समेत हेलीकॉप्टर के लिए बातचीत जारी रखे हुए है। तुर्की का यह हेलीकॉप्टर जासूसी और निगरानी करने की क्षमता से लैस है।

पाकिस्तान ने साढ़े छह हजार अफगानी वापस भेजे

अब तक कुल आंकड़ा 1,70,000 के पार

इस्लामाबाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने रविवार को साढ़े छह हजार से ज्यादा अवैध अफगानियों को निर्वासित किया। ये अफगानी नागरिक तोरखाम बॉर्डर से अफगानिस्तान पहुंचे। पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया कि अब तक कुल 1,70,000 अफगानी नागरिक, जो अवैध रूप से पाकिस्तान में रह रहे थे, उन्हें वापस अफगानिस्तान भेजा जा चुका है। बता दें कि पाकिस्तान में लाखों की संख्या में अवैध अफगानी रह रहे हैं, जिन्हें पाकिस्तानी सरकार ने बीते दिनों वापस अफगानिस्तान जाने का अल्टीमेटम दे दिया है।

कैदियों को किया जा रहा निर्वासित

पाकिस्तानी अधिकारियों के अनुसार, 17 सितंबर से अब तक कुल 1,74,358 अफगानी नागरिकों को वापस भेजा जा चुका है। स्वेच्छा से जाने वाले अफगानियों के लिए एक नवंबर तक की समय सीमा तय की गई थी लेकिन अभी भी लोगों को स्वेच्छा से वापस जाने की छूट है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को ही 6584 अफगानी नागरिक पाकिस्तान छोड़कर चले गए, जिनमें बच्चे, महिलाएं भी शामिल हैं। इससे पहले शनिवार को पाकिस्तानी पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा की जेलों से 209 कैदियों को निर्वासित किया गया। अब तक पाकिस्तान छोड़कर गए अफगानियों में 46,936 पुरुष, 35,507 महिलाएं और 85,331 बच्चे शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने की आलोचना

जो अफगानी पाकिस्तान में रह रहे हैं और अपराधिक घटनाओं में शामिल हैं, उन्हें भी अफगानिस्तान निर्वासित किया जा रहा है। 1 नवंबर को 500 कैदियों को निर्वासित किया गया। शनिवार को 700 अफगानी चमन बॉर्डर से अफगानिस्तान लौट गए। वहीं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने अफगानियों को निर्वासित करने के लिए पाकिस्तान सरकार की आलोचना कर रही हैं। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि अफगानिस्तान लौटे लोग खुले में सोने के लिए मजबूर हैं और उनके पानी और भोजन की भी समुचित व्यवस्था नहीं है।

देश के एक और दुश्मन की मौत

जम्मू में आर्मी कैंप पर हमले के मास्टरमाइंड की मिली सिर कटी लाश

मुजफ्फराबाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। हाल के समय में भारत के कई दुश्मनों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी है। अब खबर आयी है कि साल 2018 में जम्मू में आर्मी कैंप पर हमले का मास्टरमाइंड पीओके में उसके घर में मृत पाया गया है। मृतक की पहचान ख्वाजा शाहिद के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ख्वाजा शाहिद की सिर कटी लाश मिली है। कुछ दिन पहले ख्वाजा शाहिद को अगवा किया गया था। मृत पाया गया आतंकी लश्कर ए तैयबा का कमांडर था और साल 2018 में जम्मू के सुंजवान स्थित सेना के कैंप पर हमले के मास्टरमाइंड में से एक था। इस हमले में आतंकियों ने एके-47 राइफल्स, ग्रेनेड के साथ आर्मी कैंप पर हमला किया था, जिसमें सेना के छह जवान शहीद हो गए थे। ख्वाजा शाहिद उर्फ मियां मुजाहिद पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नीलम घाटी का निवासी था। पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई ख्वाजा शाहिद का पता लगाने की कोशिशों में जुटीं थी कि अब उसकी लाश मिली है। बता दें कि देश के दुश्मनों को विदेशों में चुन-चुनकर मारा जा रहा है। हाल के समय में कई आतंकियों को अज्ञात लोगों ने विदेशी जमीन पर निशाना बनाया है। इनमें भारत में मोस्ट वांटेड शाहिद लतीफ, कैसर फारूख, जैश ए मोहम्मद आतंकी जहूर इब्राहिम उर्फ जाहिद अखुंद समेत कनाडा में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर और पाकिस्तान में खालिस्तानी आतंकी हरविंदर सिंह संधू की हत्याएं हुई हैं। सभी मामलों में हमलावरों का पता नहीं चल सका है।

इजराइल पर ईरान-हिज्बुल्ला के हमले का खतरा

अमेरिका ने पश्चिम एशिया में भेजी परमाणु पनडुब्बी

यरुशलम, 6 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच संघर्ष को अब एक महीने पूरे होने वाले हैं। हालांकि, इस बीच दोनों तरफ से हमले जारी हैं। जहां इजराइल में हमास के हमले में अब तक 1400 से ज्यादा की मौत हुई है, वहीं गाजा पट्टी में इजराइली सेना के पलटवार में करीब 10 हजार की जान जा चुकी है। इस बीच इजराइल पर लेबनान के ईरान समर्थित संगठन- हिजबुल्ला की तरफ से हमले का खतरा बढ़ता जा रहा है। खुद ईरान भी कई मौकों पर इजराइल को अंजाम भुगतने की चेतावनी दे चुका है। इन हालात के मद्देनजर अमेरिका ने एलान किया है कि उसने अपनी एक परमाणु पनडुब्बी पश्चिमी एशिया में उतार दी है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उसकी एक ओहायो क्लास सबमरीन पांच नवंबर को ही कमान के जिम्मेदारी वाले इलाके में उतर चुकी है। सेंट्रल कमांड ने इस पोस्ट में एक तस्वीर भी साझा की है, जिसमें सबमरीन को मिस्र के काहिरा में स्थित अल-सलाम ब्रिज के नीचे से गुजरते देखा जा सकता है।

सीएनएन के मुताबिक, पश्चिमी एशिया में गाइडेड मिसाइल सबमरीन भेजी गई है। माना जा रहा है कि अमेरिका अपने इस कदम के जरिए ईरान और उसके समर्थित संगठनों को इजराइल-हमास संघर्ष में न कूदने की सीधी चेतावनी दे रहा है। गौरतलब है कि अमेरिक ने पहले ही कुछ युद्धपोतों को पश्चिमी एशिया भेजा है। इनमें दो कैरियर स्ट्राइक और एक समुद्री समूह शामिल है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मार्च 2011 के बाद यह पहली बार है जब किसी गाइडेड मिसाइल सबमरीन को संघर्ष की स्थिति में उतारा गया हो। 2011 में गाइडेड मिसाइल सबमरीन यूएसएस फ्लोरिडा ने लीबिया में ऑपरेशन ओडीसी डॉन के दौरान लीबिया में कई टारगेट पर 100 से ज्यादा टॉमहॉक मिसाइलें दागी थीं।

ताइवान पर चीन के हमले का खतरा

ऐक्शन में अमेरिका

वॉशिंगटन, 6 नवंबर (एजेंसियां)। इजरायल-हमास, रूस और यूक्रेन जंग के बीच ताइवान पर चीन के हमले का खतरा बढ़ता जा रहा है। चीन की सेना लगातार ताइवान को चारों ही ओर से घेरकर सैन्य अभ्यास कर रही है। इस बीच अमेरिका को भी यह अहसास हो गया है कि चीन के हमले का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने ताइवान के लिए 8 करोड़ डॉलर की आर्थिक सहायता जारी की है ताकि वह अमेरिकी सैन्य हथियारों को खरीद सके।

पिछले 40 सालों में ऐसा पहली बार है जब अमेरिका ने ताइवान को अमेरिकी हथियार खरीदने के लिए अपना पैसा दिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने ताइवान को यह 8 करोड़ डॉलर ग्रांट दिया है न कि लोन।

जिस एयरबेस पर अमेरिकी सैनिकों का ठिकाना

वहां फिलीस्तीन समर्थकों ने बोला धावा, पुलिस से भिड़े उपद्रवी

अदाना, 6 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार एक-दूसरे पर रॉकेट दागे जा रहे हैं। इजराइली सेना ने हमास के एक एक आतंकी को खत्म करने का संकल्प लिया। वहीं, अमेरिका इजराइल के साथ डटकर खड़ा है। इसकी वजह से उसके विरोध में जमकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच, गाजा पर वार्ता के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के अंकारा पहुंचने से कुछ घंटे पहले, रविवार को फलस्तीन समर्थक लोगों ने अमेरिकी एयरबेस पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि, तुर्किए पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए आंसू गैस और पानी की बौछार का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया।

हमास-इजराइल युद्ध में करीब 11 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। गाजा में मरने वालों का आंकड़ा बहुत ज्यादा है। ऐसे में, यहां मानवीय संकट बढ़ता जा रहा है। गाजा में मानवीय संकट बदतर होने के कारण तुर्किए लगातार इजराइल की तीखी आलोचना कर रहा है और दूसरी तरफ वह हमास के सदस्यों की मेजबानी करते हुए टू-स्टेट सॉल्यूशन का समर्थन कर रहा है। गौरतलब है, इजराइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से तुर्किए में बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

इस सप्ताह की शुरुआत में, आईएचएच ह्यूमैनिटेरियन रिलीफ फाउंडेशन ने अमेरिका द्वारा इजराइल का समर्थन करने का विरोध जताने के लिए दक्षिणी तुर्किए के अदाना प्रांत में इंसर्लिक एयरबेस पर भीड़ को जमा किया। दरअसल, इंसर्लिक एयरबेस का इस्तेमाल सीरिया और इराक में इस्लामिक स्टेट से लड़ने वाले अंतरराष्ट्रीय गठबंधन को मदद देने के लिए किया जाता है। इसमें अमेरिकी सैनिक भी शामिल हैं।

पुलिस को बनाया निशाना

एयरबेस के बाहर जुटी भीड़ फलस्तीनी झंडे लहराती और नारे लगाती दिखी। इतना ही नहीं, उपद्रवियों ने पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को गिरा दिए और उनसे भिड़ गई। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर प्लास्टिक की कुर्सियां, पत्थर और अन्य सामान भी फेंका।

हमास को बैन नहीं करेगा भारत

अरब देशों से रिश्ते बिगड़ने का डर अमेरिका-जर्मनी के लिए यह आतंकी संगठन

यरुशलम, 6 नवंबर (एजेंसियां)। 7 अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमले के बाद यह बात भारत में इजराइली राजदूत नाओर गिलोन ने कही थी। इसके बाद से दुनियाभर में हमास के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठ रही है। अमेरिका और जर्मनी हमास को आतंकी संगठन मानते हैं और दोनों देशों ने इस पर बैन लगा दिया है।

भारत में भी हमास को आतंकी संगठन घोषित करने और इसे प्रतिबंधित करने की मांग उठ रही है। इस पर भारत का कहना है कि वह अभी हमास को बैन नहीं करेगा। गृह मंत्रालय के सूत्रों ने भारत के इस कदम की वजह बताई। सूत्रों का कहना है कि फिलहाल भारत में हमास सक्रिय नहीं है, इसलिए उसे बैन करने का सवाल ही नहीं उठता। अगर सरकार ऐसा करेगी तो इससे अरब देशों के साथ भारत के रिश्ते बिगड़ सकते हैं। किसी भी संगठन को बैन करने का फैसला गृह मंत्रालय यूएपीए कानून के तहत लेता है। फरवरी 2023 तक यूएपीए की सूची में 44 संगठन शामिल थे, जिन्हें भारत आतंकी संगठन मानता है। भारत ने आखिरी बार 2015 में आईएसआईएस को आतंकी संगठन घोषित किया था। किसी संगठन को इस सूची में डालना एक लंबी प्रोसेस होती है। हो सकता है कि भारत भविष्य में हमास को लेकर कोई फैसला ले, पर अभी ऐसा कुछ नहीं हो रहा है।

पहला बयान- 7 अक्टूबर के दिन जब इजराइल पर हमास का हमला हुआ तो उसकी आलोचना करने वाले नेताओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल थे। उन्होंने लिखा था- भारत हर तरह के आतंक की कड़ी निंदा करता है। मुसीबत की घड़ी में भारत इजराइल के साथ खड़ा है। इस पूरे बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने कहीं भी हमास का जिक्र नहीं किया। दूसरा बयान- 14 अक्टूबर को विदेश मंत्रालय ने हमास के हमले को आतंकी हमला बताया।

अमेरिका के साथ दुश्मनी चीन को पड़ी भारी

पहली बार एफडीआई में रेकॉर्ड गिरावट, ताइवान पर कैसे जीतेगा ड्रैगन?

बीजिंग, 6 नवंबर (एजेंसियां)। चीन की अर्थव्यवस्था के लिए एक और बुरी खबर आ रही है। चीन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में पहली बार गिरावट दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी के मुद्दे पर अमेरिका के साथ तनाव और जासूसी विरोधी गतिविधियों में इजाफे पर चिंताओं को लेकर जोखिम बढ़ता जा रहा है। जुलाई से सितंबर तिमाही के दौरान यह आंकड़े सामने आए हैं। जानकारों की मानें तो चीन की अर्थव्यवस्था के लिए यह साल बेहद बुरा साबित होने वाला है। नई रिपोर्ट में इसी बात की पुष्टि होती है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिमी सरकारों की तरफ से 'रिस्क कम करने' के कदमों के तहत चीन को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट की मानें तो विदेशी कंपनियों को लुभाने में चीन असफल साबित हो रहा है और इन कंपनियों को आकर्षित करना उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। पिछले दिनों आई रिपोर्ट के मुताबिक एफडीआई में जुलाई-सितंबर के दौरान 11.8 अरब डॉलर का घाटा रिकॉर्ड हुआ है। एफडीआई की यह स्थिति सन् 1998 के बाद पहली बार हुई है। वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक इस साल के पहले नौ महीनों में 8.4 फीसदी की गिरावट देखी गई। यह जानकारी ऐसे समय में आई है जब चीन और ताइवान के बीच भी तनाव जारी है। ताइवान ने पिछले दिनों कहा है कि चीन ने उसकी सीमा के नजदीक 43 फाइटर जेट्स और सात वॉरशिप्स भेजी थीं। इस घटना के बाद माना गया था कि चीन, ताइवान पर दबाव बनाने की अपनी रणनीति को लेकर नरम नहीं हुआ है।

जवाब में ताइवान ने अपने लड़ाकू विमान और नौसैनिक पोत भेजे तथा मिसाइल प्रणाली को सक्रिय कर दिया है।

मिस्र में मिला 2500 साल पुराना मकबरा

काहिरा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। पुरातत्वविदों ने हाल ही में मिस्र में एक शाही मुंशी की भव्य रूप से सजी हुई प्राचीन कब्र का पता लगाया है। यह बेहद दिलचस्प है। यह खोज सिर्फ दफन स्थल के बारे में ही नहीं बताता, बल्कि उस समय का ज्ञान भी देता है, जब जहरीले सांपों का खतरा रोजमर्रा की जिंदगी पर मंडराता था। माना जाता है कि कब्र लगभग 500 ईसा पूर्व की है। मिस्र के अबुसिर पुरातात्विक स्थल पर अप्रैल और मई में खुदाई के दौरान इसका पता चला था। गीजा और सक्कारा के ऐतिहासिक स्थलों के बीच अबुसिर एक प्राचीन पिरामिड परिसर है।

अबुसिर लंबे समय से पुरातत्वविदों को अपनी ओर आकर्षित करता रहा है। यह विशेष कब्र अबुसिर के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है, जो कभी प्राचीन मिस्र के 26वें और 27वें राजवंशों के उच्च अधिकारियों और सैन्य कमांडरों का कब्रिस्तान हुआ करता था। यह मकबरा सजाया गया है, जो किसी अज्ञात गणमान व्यक्ति का है। यह मकबरा उस समय का है जब फासरी सेनाओं के आक्रमण का क्षेत्र ने सामना किया था। हालांकि चित्रलिपि से इस शख्स की पहचान जेहुत्येमहट के रूप में हुई है, जो एक शाही लेखक की उपाधि धारण करता था। यह मकबरा मध्य आकार का है जो शिलालेखों, कलाकृतियों और ग्रंथों की एक श्रृंखला से सुसज्जित है। विशेष रूप से इसकी उत्तरी दीवार पर सांप के काटने से जुड़े बचाव वाले मंत्रों की सीरीज डिजाइन की गई है। इस युग के दौरान जहरीले सांपों का लगातार खतरा बना रहता था। सुरक्षा के लिए ही यह मंत्र महत्वपूर्ण थे। दिलचस्प बात है मंत्रों में सांपों को मृतक और उनकी ममी के संरक्षक के रूप में बताया गया है।

मकबरे का चेंबर जमीन से लगभग 50 फीट नीचे है, जो इतिहास के किसी खजाने से कम नहीं। दक्षिणी और पश्चिमी दीवारों को धार्मिक अनुष्ठानों से सजाया गया है। छत पर सूर्य की यात्रा का एक जटिल चित्रण किया गया है।

आखिरी सूची में तीन नाम, भाजपा विरोधी रहे मलिंगा को भी टिकट, सभी 200 सीटों पर प्रत्याशी तय

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने देर रात राजस्थान में तीन सीटों पर प्रत्याशियों के नामों का एलान कर दिया। इसी के साथ प्रदेश की सभी 200 सीटों पर उम्मीदवार तय हो गए हैं। देखिए, किसे कहां से टिकट दिया गया है?

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने आखिरी सूची जारी कर दी है। इसमें बाकी बचीं तीन सीटों पर उम्मीदारों के नामों का एलान किया गया है। भाजपा ने बाड़ी से गिर्राज सिंह मलिंगा, बाड़मेर से दीपक कड़वासरा और पचपदरा से अरुण अमराराम चौधरी को टिकट दिया गया है। मलिंगा दोपहर को ही भाजपा में शामिल हुए थे। देर रात उन्हें टिकट दे दिया गया। हालांकि, दिन में ही उनकी टिकट पर फैसला हो गया था।

भाजपा पर गंभीर आरोप लगा चुके हैं मलिंगा

मलिंगा पर एक दलित अफसर को पीटने को लेकर केस दर्ज हुआ था। सियासी बाड़ाबंदी में मलिंगा ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि भाजपा विधायकों को फोन कर 10 करोड़ रुपए के ऑफर दे रही है। मलिंगा ने ये भी कहा था कि पायलट ने भाजपा में आने के लिए 35 करोड़ रुपए का ऑफर दिया है।

भाजपा में शामिल होने के बाद ये बोले थे मलिंगा

भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद मलिंगा ने कहा कि उन्हें कांग्रेस पार्टी में बहुत ज्यादा परेशान किया गया। कांग्रेस ने उनके खिलाफ एक अभियंता के साथ मारपीट करने का केस दर्ज कराया। मैंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कई बार कहा कि मामले की जांच नए सिरे से कराई जाए, लेकिन उन्होंने मेरी नहीं सुनी। कांग्रेस से परेशान होकर अब मैं भाजपा में शामिल हुआ हूं।

आखिरी सूची में कांग्रेस ने 13 प्रत्याशी बदले

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस अंतिम सातवीं सूची जारी कर दी। इसमें पार्टी ने बाकी बचीं 21 सीटों पर प्रत्याशियों का एलान किया है। इस सूची में 13 प्रत्याशियों को बदला गया है, जिनमें 2 मंत्री भी शामिल हैं। हालांकि, शांति धारीवाल को कोटा उत्तर से टिकट मिल गया है। कौन आलाकमान वाले बयान को लेकर धारीवाल के टिकट पर संकट के बादल मंडरा रहे थे।

इससे पहले शनिवार को पीएचईडी मंत्री महेश जोशी का टिकट पार्टी आलाकमान ने काट दिया था। झोटवाड़ा से कृषि मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक लालचंद कटारिया की जगह अभिषेक चौधरी को टिकट दिया गया है। लालचंद कटारिया ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया ।।

इसके साथ ही राजस्थान विधानसभा चुनावों को लेकर बसपा भी एक्टिव मोड में आ गई है। पार्टी ने सोमवार तड़के राजस्थान में अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की है, जिसमें 26 लोगों के नाम है।

वसुंधरा के गढ़ हाड़ौती में शांति धारीवाल के भरोसे कांग्रेस, होगी कांटे की टक्कर

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। हाड़ौती क्षेत्र भैरोसिंह के समय से भाजपा का गढ़ रहा है। यहां की झालरापाटन सीट से पूर्व सीएम वसुंधरा राजे उम्मीदवारी पेश करती आई है। ऐसे में इस बार देखना होगा कि सत्ता विरोधी लहर के बीच कांग्रेस कितनी सीटें जीत पाती है।

राजस्थान विधानसभ चुनाव 2023 के लिए भाजपा-कांग्रेस सभी सीटों के लिए प्रत्याशियों का ऐलान कर चुकी है। इसके साथ ही हाड़ौती सभी 17 सीटों पर भी उम्मीदवार तय हो गए हैं। इस क्षेत्र की सबसे हॉट सीट झालारापाटन हैं। यहां से प्रदेश की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के सामने कांग्रेस ने रामलाल चौहान को मैदान में उतारा है। इससे पहले 2018 में पार्टी ने भाजपा छोड़ कर कांग्रेस में गए जसवंत सिंह जसोल की बेटे मानवेंद्र सिंह को उम्मीदवार बनाया था।

शांति धारीवाल ने ली राहत की सांस

उधर कांग्रेस की अंतिम सूची में सीएम गहलोत के खास सिपहसालार शांति धारीवाल को टिकट मिल गया है। शांति धारीवाल पहली लिस्ट से अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। सूत्रों की मानें तो गहलोत ने अपने खासम खास को टिकट दिलाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया था। इस सीट से भाजपा ने प्रहलाद गुंजल को उम्मीदवार बनाया है। गुंजल पूर्व सीएम वसुंधरा के करीबी माने जाते हैं। वहीं कोटा दक्षिण विधानसभा से कांग्रेस ने राखी गौतम को उम्मीदवार बनाया है। इस सीट से भाजपा से संदीप शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। पिछले चुनाव में उन्होंने यहां से जीत दर्ज की थी। बता दें कि कोटा-बूंदी लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला का संसदीय क्षेत्र है।

अशोक चांदना के सामने प्रभुलाल सैनी

कोटा की पीपल्दा सीट से कांग्रेस ने चेतन पटेल को नया प्रत्याशी बनाया है। उनके सामने भाजपा के प्रेमचंद गोचर चुनौती पेश करेंगे। वहीं रामगंज मंडी से भाजपा ने दिग्गज मदन दिलावर को प्रत्याशी बनाया है वहीं इस सीट पर भी पार्टी ने महेंद्र रजुरिया को उम्मीदवार बनाया है। वहीं बारां की किशनगंज से कांग्रेस ने निर्मला सहरिया को उम्मीदवार बनाया है। इनके सामने भाजपा के ललित सहरिया चुनौती पेश करेंगे। बूंदी की हिंडोली सीट से भाजपा के प्रभुलाल सैनी के सामने कांग्रेस ने युवा चेहरे और मंत्री अशोक चांदना को उतारा है। चांदना पिछले चुनाव में इसी सीट से जीते थे।

हाड़ौती में भाजपा भारी

बता दें कि हाड़ौती हमेशा से भाजपा का गढ़ रहा है। यहां विधानसभा की कुल 17 सीटें हैं। पार्टी ने 2018 में 10 सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि 7 सीटों पर कांग्रेस विजयी हुई थी। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस विकास कार्यों के दम पर सत्ता में वापसी की दावेदारी कर रही है।

हॉट सीट तारानगर में खड़ा सिक्का मुकाबला

एक मौजूदा विधायक तो सामने वो जो कभी हारा नहीं

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनावों में इस बार सबसे भीषण मुकाबला चूरू जिले की तारानगर सीट पर देखने को मिलेगा। एक मौजूदा विधायक और सामने वो जो कभी हारा नहीं। राजस्थान में विधानसभा चुनावों का रण तैयार हो चुका है। भाजपा ने अपने रणनीतिकार राजेंद्र राठौड़ को इस बार चूरू की जगह तारानगर सीट से प्रत्याशी बनाया है। यहां उनका मुकाबला कांग्रेस के दिग्गज नेता नरेंद्र बुढ़ानियां से है। क्षेत्र के लोगों से बात करें तो ये मुकाबला खड़ा सिक्का है। यानी मुकाबला किसी भी तरफ मुड़ सकता है। शायद इस बार के चुनावों में राजस्थान का सबसे भीषण सियासी रण इसी सीट पर देखने को मिलेगा। बुढ़ानियां यहां से मौजूदा विधायक हैं। हालांकि राठौड़ इस सीट पर दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं। वे 2008 में भी यहां से विधायक रह चुके हैं।

बुढ़ानियां से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे चंदनमल बैद ने यहां से लगातार चुनाव लड़े। वे राजस्थान की राजनीति में हमेशा अग्रणीय ही नहीं बल्कि कांग्रेस के मुख्य रणनीतिकार रहे। इनके अलावा पूर्व मंत्री जयनारायण पूनियां ने भी यही से चुनाव लड़ा है। वहीं, भाजपा के राजेन्द्र राठौड़ यहां से दूसरी बार चुनावी मैदान में हैं। पिछला चुनाव उन्होंने यहा 2008 में लड़ा था। इस मुकाबले में उन्होंने कांग्रेस के चंद्रशेखबर बैद को हाराया था, लेकिन इसके बाद राठौड़ ने अगले चुनाव में अपनी सीट बदलकर चूरू कर ली थी। अब 15 साल बाद राठौड़ एक बार फिर से तारानगर की जमीन पर खुद को आजमाने के लिए आए हैं।

बीजेपी- राजेंद्र राठौड़: 6 बार के विधायक, भाजपा के टिकट पर कभी चुनाव नहीं हारे। 2008 में तारानगर सीट से विधायक भी रहे।
कांग्रेस- नरेंद्र बुढ़ानियां-सीट से मौजूदा विधायक, तीन बार लोकसभा सांसद, एक बार राज्यसभा सांसद रह चुके हैं।

कांग्रेस के बागी नेता ने किया निर्दलीय नामांकन

कहा- पार्टी ने भावनाओं का ख्याल नहीं रखा

दौसा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बागी कांग्रेस नेता रामनिवास गोयल ने कहा कि सर्वसमाज का आशीर्वाद और अपार समर्थन मिल रहा है। उनके तथा कार्यकर्ताओं की दम पर हम महवा से जीतकर राजस्थान की विधानसभा में पहुंचेंगे।

राजस्थान के दौसा जिले की महवा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के बागी नेता रामनिवास गोयल ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर महुवा उपखंड कार्यालय पहुंचकर कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया। गोयल मंडावर से पूर्व सरपंच रह चुके हैं। नामांकन पत्र भरने के बाद गोयल ने कहा कि वह पिछले 45 साल से कांग्रेस के कार्यकर्ता रहे हैं। लेकिन पार्टी ने उनकी भावनाओं का ख्याल न रखते हुए एक गैर कांग्रेसी को यहां से विधानसभा का टिकट दे दिया है। इसी का परिणाम है कि आज मैंने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल कर दिया।

मंडावर कस्बे और महुआ शहर में जगह-जगह रामनिवास गोयल का माला और साफा पहनाकर स्वागत कर किया गया। वहीं, जगह-जगह जेसीबी के द्वारा पुष्पवर्षा की गई। गोयल सुबह करीब साढ़े नौ बजे मंडावर के गांधी चौक से हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं के काफिले के साथ रवाना हुए।

इस मौके पर मुख्य बाजार, पुराने बस स्टेंड, बस स्टेंड, भुड़ामोड़, सारावली मोड़, जटवाड़ा मोड़, उकरुंद, पिलवा मोड़, रसीदपुर चौराहा सहित महवा शहर में जगह-जगह आमजन और व्यापारी वर्ग ने उत्साह से रामनिवास गोयल का स्वागत किया। वहीं, महवा और मंडावर में 51 किलो की माला से स्वागत किया गया।

महवा शहर में लोगों के जन समूह के चलते करीब दो घंटे तक मुख्य बाजार में जाम लगा रहा। इस अवसर पर पूर्व सरपंच गोयल ने कहा कि सर्वसमाज का आशीर्वाद और अपार समर्थन मिल रहा है। उनके तथा कार्यकर्ताओं की दम पर हम महवा से जीतकर राजस्थान की विधानसभा में पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि महवा में विकास के नए आयाम पैदा किए जाएंगे और लोगों के बीच आपसी भाईचारा व प्यार प्रेम कायम करने का कार्य करेंगे। इससे पूर्व गोयल ने मंडावर के गांधी चौक पर स्थित गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्प वर्षा की।

इस मौके पर मानसिंह सरपंच ओंड, सहीराम डीलर, केशव फौजी, रामरूप सरपंच ढंड, मुकुट कैप्टन नाहिडा, सुरेश फौजी, भवानी पावटा, रामहरी कैप्टन, रामकिशोर सैनी तालचीडी, बजरंग संगठन अध्यक्ष भाग्यसिंह, पप्पू, जगदीश खावदा, भाग्यसिंह सरपंच नाहड़ा, रोशन हवलदार, सैनी समाज अध्यक्ष प्रदीप सैनी, भीमसिंह बना, अजय शर्मा, नवीन तिवाड़ी, यादराम सैनी, प्रभु मीना, इंद्राज मीना, पूर्व सरपंच कुसुमलता सहित सैकड़ों जनप्रतिनिधि और हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गुरुद्वारों को नासूर बताने वाले भाजपा नेता दायमा पार्टी से निकाले गए

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा की चुनावी सभा में गुरुद्वारों को नासूर बताने वाले भाजपा नेता संदीप दायमा को पार्टी ने निष्कासित कर दिया है। राजस्थान भाजपा के प्रदेश प्रेस सचिव हरदेव सिंह उभा ने दायमा पर कार्रवाई कर पत्र जारी किया, जिसमें उन्हें निष्कासित करने की जानकारी दी गई।

दरअसल, अलवर की एक चुनावी सभा में भाजपा नेता संदीप दायमा भाषण दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने गुरुद्वारों को नासूर कह दिया। दायमा के इस बयान को लेकर सिख समाज के लोगों ने विरोध जताया। पंजाब भाजपा के नेता भी दायमा के बयान के विरोध में उतर आए और पार्टी आलाकमान से कार्रवाई की मांग की थी। इसके अलावा चंडीगढ़ के पुलिस स्टेशन सेक्टर 39 में दायमा के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। मामले को लेकर भाजपा नेताओं ने कहा कि सिख समाज के साथ भाजपा हमेशा खड़ी रही है और हमेशा खड़ी रहेगी।

भाजपा नेता दायमा के बयान पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक के सचिव गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने भी आपत्ति जताई थी। बयान के खिलाफ उन्होंने सनातन धर्म के लिए सिखों की कुर्बानियों तक को याद करवा दिया था। अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने भी दायमा के बयान का विरोध जताया था।

बढ़ते विरोध को देखते हुए दायमा ने अपने बयान को लेकर माफी भी मांगी थी। माफीनामे के तौर पर उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा था- मुझे नहीं पता कि मेरे मुंह से गुरुद्वारों के प्रति ये शब्द कैसे निकल गए थे। मैं मस्जिद-मदरसों की बात कर रहा था। सिख समाज के लोगों ने सनातन धर्म के लिए कुर्बानियां दी, उनके बारे में मैं ऐसा सोच भी नहीं सकता। अपनी इस गलती के लिए माफी मांगता हूं। इसके बाद दामया ने गुरुद्वारे जाकर भी माफी मांगी थी। हालांकि, विरोध शांत नहीं होने पर पार्टी ने उनके खिलाफ एक्शन लिया है।

क्या है मामला?

बीते बुधवार को अलवर की तिजारा विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी बाबा बालकनाथ की नामांकन सभा थी। इसमें उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा के कई नेता शामिल हुए थे। इस दौरान भाजपा नेता संदीप दायमा ने भाषण देते हुए कहा- 'जिस तरह तिजारा में गुरुद्वारे बनाकर छोड़ दिए, ये आगे चलकर नासूर बन जाएंगे। हमारा फर्ज है कि इसे जड़ से उखाड़ कर फेंक दें।'

भीषण सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत

29 घायल, आरओबी की दीवार तोड़कर रेलवे ट्रैक पर गिरी बस

दौसा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। दौसा सदर थाना अधिकारी गौरव प्रधान ने बताया कि हरिद्वार से उदयपुर की ओर जा रही बस आरओबी की दीवार तोड़ते हुए रेलवे ट्रैक के नीचे कूद गई। इस वजह से चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 29 घायलों में से सात गंभीर घायलों को जयपुर रेफर किया गया है।

राजस्थान के दौसा में भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, 29 लोग घायल हुए हैं। यह हादसा नेशनल हाईवे 21 आगरा-जयपुर पर हुआ। दरअसल, दौसा में जयपुर रोड बाईपास पर ROB को तोड़ते हुए बस रेलवे ट्रैक पर जा गिरी थी। बताया जा रहा है कि बस हरिद्वार से उदयपुर जा रही थी।

बस में मौजूद घायलों की मानें तो महुआ के आसपास जैसे ही श्री कृष्णा टूर एंड ट्रैवल्स की बस पहुंची। उस समय ड्राइवर गाड़ी को बड़ी लापरवाही से चला रहा था। इस बात को लेकर सवारियों ने भी उसे कई बार टोका भी, लेकिन ड्राइवर ने उनकी एक बात भी नहीं और असावधानी से गाड़ी चलाता रहा। उसकी वजह से यह हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक, बस जैसे ही दौसा कलेक्ट्रेट चौराहे के नजदीक रेलवे ओवर ब्रिज के पास पहुंची। चालक ने बस को रेलवे और ब्रिज के किनारे स्थित दीवार पर चढ़ा दिया, जिसके कारण बस नीचे जा कूदी और पलट गई।

दौसा सदर थाना अधिकारी गौरव प्रधान ने बताया कि हरिद्वार से उदयपुर की ओर जा रही बस आरओबी की दीवार तोड़ते हुए रेलवे ट्रैक के नीचे कूद गई। इस वजह से चार लोगों की मौके पर मौत हो गई। 22 घायलों को दौसा के रामकरण जोशी अस्पताल में भर्ती कराया है। जबकि सात गंभीर घायलों को जयपुर रेफर किया गया है।

उधर, दुर्घटना के बारे में जानकारी देते हुए एडिशनल एसपी बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि यह हादसा रात के लगभग 2:15 बजे के आसपास हुआ। जब बस दौसा बाईपास से निकल रही थी। हादसा किस कारण हुआ, इस बात का अभी तक पता नहीं लगा है कि गाड़ी चालक शराब के नशे में था या नींद लगने से यह हादसा हुआ।

जब्ती कार्रवाई में 500 करोड़ का आंकड़ा पार

निर्वाचन विभाग के निर्देश पर एजेंसियां सतर्क

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के 23 जिलों में अलग-अलग एजेंसियों की ओर से अब तक 10 करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती की गई है। जयपुर 83 करोड़ 34 लाख रुपये की जब्ती के साथ प्रदेश में सबसे आगे है।

राजस्थान विधानसभा आम चुनाव 2023 के मद्देनजर निर्वाचन विभाग के निर्देश पर प्रदेश में विभिन्न एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा नौ अक्टूबर को आदर्श आचार संहिता लागू होने से अब तक पांच सौ करोड़ रुपये मूल्य की अवैध नकदी और अवैध सामग्री जब्त की गई है। प्रदेश में गत विधानसभा आम चुनाव में पूरी आचार संहिता के दौरान की गई जब्ती के मुकाबले अब तक 702% की बढ़ोतरी हो चुकी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के 23 जिलों में अलग-अलग एजेंसियों की ओर से अब तक 10 करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती की गई है। जयपुर 83 करोड़ 34 लाख रुपये की जब्ती के साथ प्रदेश में सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर 30.52 करोड़ की जब्ती के साथ अलवर है। जोधपुर 20.96 करोड़ के साथ तीसरे, उदयपुर 20.38 करोड़ के साथ चौथे, नागौर 19 करोड़ 88 लाख रुपये के साथ पांचवें, बीकानेर 19.34 करोड़ के साथ छठवें, बूंदी 18.41 करोड़ के साथ सातवें, चित्तौड़गढ़ 17.84 करोड़ के साथ आठवें, श्रीगंगानगर 17.79 करोड़ के साथ नौवें और भीलवाड़ा 17.07 करोड़ के साथ 10वें स्थान पर है।

शादी के 5 महीने बाद ही दुल्हन ने दिखाया 'रूप'

ससुराल में मचा दी लूट, फिर दूल्हे को दिए करंट के झटके

पाली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पाली से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पाली में एक दूल्हे ने दलाल से पैसे वापस मांगे तो उसे बदमाशों ने करंट के झटके दिए।

राजस्थान के पाली से एक और लुटेरी दुल्हन से जुड़ा मामला सामने आया है। यहां शादी के बाद एक दुल्हन रात में फरार हो गई। इसके बाद जब दूल्हे ने पैसे वापस मांगे तो, उसने बदमाशों से पिटवा दिया। इतना ही नहीं उसे करंट के झटके भी दिये। फिलहाल दूल्हे का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पपाराम कुमावत की शादी जून 2023 में दलाल के जरिए हुई थी। शादी के बदले पपाराम ने 5 लाख रुपये दिये। शादी के कुछ समय बाद ही पीहर जाने की बात कहकर दुल्हन घर से चली गई लेकिन वापस नहीं लौटी। इसके बाद दूल्हे ने दलाल को कहा तो उसने कहा कि वह आ जाएगी। लेकिन कुछ दिन इंतजार करने के बाद जब वह नहीं लौटी तो दूल्हे ने पैसे लौटाने के लिए कहा।

बदमाशों ने की दूल्हे की पिटाई

इसके बाद दलाल ने रात को दूल्हे के खेत में बने घर पर आधा दर्जन बदमाश भेजें। खेत में पहुंचे बदमाशों ने दूल्हे की जमकर पिटाई की। इस दौरान पास से ही गुजर रही बिजली की लाइन से पपाराम को करंट के झटके भी दिए। इसके बाद जब परिजन पहुंचे पीड़ित दूल्हे को हॉस्पिटल पहुंचाया। बता दें कि राजस्थान में पहले भी इस प्रकार के मामले सामने आ चुके हैं। प्रदेश में कई ऐसे गिरोह एक्टिव हैं जो शादी के नाम ठगी करते हैं। इनका शिकार अक्सर वे लोग होते हैं जो किन्हीं कारणों से शादी नहीं कर पाते हैं या उनकी शादी लेट होती है।

ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद का दशहरा-दिवाली-छठ मिलन समारोह संपन्न

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद के तत्वावधान में जगतगिर गुट्टा स्थित परशुराम मंदिर परिसर में समाज के दशहरा-दिवाली-छठ मिलन का आयोजन संपन्न हुआ। समाज के महासचिव सुनील सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति देते हुए बताया कि इस समारोह का आयोजन प्रति वर्षानुसार आगामी दिवाली एवं छठ पर्व तथा गत दशहरा त्योहार के उपलक्ष्य में किया गया, जिसमें शहरद्वय के ब्रह्मर्षि एवं उनके परिवारों ने हर्ष उल्लास के साथ भारी संख्या में भाग लिया।

समाज के अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्रा, समस्त पदाधिकारी गण एवं समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव समारोह का उद्घाटन किया। उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राय एवं महिला अध्यक्ष श्रीमती उषा शर्मा ने सबका स्वागत किया। प्रियंका सिंह के नेतृत्व में अनन्या, आरती, हर्षी और राजनंदिनी ने सुंदर रंगोली बनाया और महिलाओं ने दीपों से समस्त मंदिर परिषर को सजाया। महिला सदस्यों ने सुरीले स्वर में छठ के गीत, भजन, एवं लोकगीत गाये।

अवसर पर इन त्योहारों से संबंधित कई मनोरंजक खेल और कार्यक्रम रखे गये। जिसमें सभी सदस्यों ने पूर्ण उत्साह के साथ भाग लिया। अनीता राय, डॉ अमृता एवं श्वेता राय के नेतृत्व में त्योहारों से संबंधित रोचक क्विज के साथ कई प्रकार की प्रतियोगिता एवं खेलों का आयोजन किया गया। बच्चों के लिए त्योहारों पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता करवाई गई जिसकी देख रेख अर्पणा और नीरू ने किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता अपनम मिश्रा, ओम जी, साक्षी, परिणीता, राहुल, निधि आदि रहे जिन्हें विभिन्न पुरस्कारों से नवाज़ा गया। समारोह में दांडिया नृत्य का आयोजन भी किया गया जिसपर सभी सदस्यों ने जमकर गर्वा किया।

वर्तमान अध्यक्ष के साथ पूर्व अध्यक्ष गोविंद राय, सुजीत ठाकुर ने भी अपनी पत्नियाँ क्रमशः डॉ आशा मिश्रा, श्रीमती सुधा राय एवं माधुरी ठाकुर के साथ डांडिया किया। श्रीमती ऋतु बाला और उमेश सिंह को बेस्ट डांडिया जोड़ी का पुरस्कार मिला तथा राजू राय एवं ममता राय को समाज में पधारे नई जोड़ी के रूप में पुरस्कृत किया गया। दिवाली के अवसर को देखते हुए बच्चों में फुलझड़ी, अनार और चक्र बाँटे गये। फुलझड़ी की जगमग और दीया की रोशनी से समस्त परिशर खिल उठा और सभी ने खूब आनंद लिया। अध्यक्ष ने समाज की महिला शाखा को उनके द्वारा मंदिर को बर्तन भेंट करने हेतु विशेष धन्यवाद दिया। श्रीमती सुधा राय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। आयोजन से संबंधित आमंत्रण के कार्य से लेकर अन्य सभी कार्यों में उपर्युक्त सदस्यों के अतिरिक्त कॉरोस्पोंडेंट रंजीत शुक्ला, गोविंद राय, सुजीत ठाकुर, कार्यकारिणी सदस्य प्रगति सिंह, स्वप्निल राय, अमरीश सिंह, गीतू शर्मा, रागिनी सिन्हा, अनुराग शर्मा पिंकी राय, श्रीषा कुमारी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रदूषण संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए अधिकारियों से मिले पर्यावरण कार्यकर्ता

हनमकोंडा, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। ट्राइसिटी में पर्यावरण और प्रदूषण के गंभीर मुद्दों को संबोधित करने के उद्देश्य से, यूनाइटेड फोरम फॉर एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन (यूएफईपी), जो कि पूर्ववर्ती वारंगल के ग्रीन एनजीओ से बना एक संघ है, ने सोमवार को यहां प्रमुख सरकारी अधिकारियों से मुलाकात की। यूएफईपी की तदर्थ समिति के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर सिकता पटनायक, पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा और स्थानीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। यूएफईपी सदस्यों ने क्षेत्र को प्रभावित करने वाली विभिन्न पर्यावरणीय चुनौतियों को कम करने के लिए तत्काल कार्रवाई का आह्वान करते हुए एक ज्ञापन प्रस्तुत किया। उठाई गई प्रमुख चिंताओं में डीजे ध्वनि और लाउडस्पीकरों के कारण होने वाला उच्च ध्वनि प्रदूषण, प्रचार से अत्यधिक शोर, साथ ही कचरा जलाने और अपशिष्ट जल रिसाव से उत्पन्न धुआं प्रदूषण शामिल है

एनआईआईएमएच द्वारा जागरूकता व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। 8वें आयुर्वेद दिवस के अंतर्गत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज, हैदराबाद (एनआईआईएमएच) द्वारा सीएसआईआर-एनजीआरआई, हब्सीगुड़ा में जागरूकता व्याख्यान, औषधीय पौधा रोपण औषधीय पौधों का वितरण, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली औषधियों का वितरण, ब्रोशर वितरण आदि का आयोजन किया गया।

मुख्य विषय 'एक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद' था। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह एन.जी.आर.आई उद्यान में औषधीय पौधों के रोपण के साथ डॉ. जी.पी प्रसाद सहायक निदेशक प्रभारी एन.आई.आई.एम.एच, डॉ. प्रकाश कुमार, निदेशक सी.एस.आई.आर-एन.जी.आर.आई, डॉ. ई.वी.एस.एस.के बाबू मुख्य वैज्ञानिक सी.एस.आई.आर-एनजीआरआई, डॉ. श्रीदेवी वी अनुसंधान अधिकारी आयुर्वेद, डॉ. क्रिस एंटनी अनुसंधान अधिकारी आयुर्वेद, सतीश कुमार प्रशासनिक अधिकारी सी.एस.आई.आर-एन.जी.आर.आई और श्रीनिवास राव एल.आई.ए एन.आई.आई.एम.एच द्वारा की गई।

इसके बाद सभा कक्ष में व्याख्यान सत्र हुआ। सी.एस.आई.आर-एन.जी.आर.आई के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. ई.वी.एस.एस.के बाबू ने स्वागत भाषण दिया, जिसके बाद सी.एस.आई.आर-एन.जी.आर.आई के निदेशक डॉ. प्रकाश कुमार ने उद्घाटन भाषण दिया। डॉ. जी.पी. प्रसाद ने बीमारी की रोकथाम और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए 'आयुर्वेद में प्रयुक्त रसायनों' पर एक वैज्ञानिक भाषण दी। इसके बाद एक प्रश्न-उत्तर सत्र हुआ जहां एन.जी.आर.आई के कर्मचारियों ने आयुर्वेदिक दवाओं के बारे में अपने संदेह दूर किए। एन.जी.आर.आई की स्टाफ श्रीमती रुक्मिणी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

भावसार विजन इंडिया का वार्षिक अमृत उत्सव 6 जनवरी से, हुई बैठक

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। भावसार विजन इंडिया का वार्षिक अमृत उत्सव शनिवार 6 एवं आगामी रविवार 7 जनवरी 2024 को मुनुरु कापू संगम, काचीगुडा में आयोजित होने जा रहा है।

इस अवसर पर साधारण सभा का आयोजन भावसार भवन, काचीगुडा में भावसार विजन इण्डिया हैदराबाद-सिकन्दराबाद द्वारा रखा गया। इस अवसर पर उपस्थित सम्माननीय अतिथि के रुप में सर्वप्रथम गजेन्द्रनाथ मालोदे (कान्फ्रेन्स चेयरमैन), विनोद फुटाणे (कान्फ्रेन्स मंत्री), बाबूराव गडाले (कान्फ्रेन्स कोषाध्यक्ष), प्रभाकर भरडे (राष्ट्रीय अध्यक्ष), सचिन साकरे (राष्ट्रीय मंत्री), प्रशान्त नीमकर (बीवीआई, गर्वनर) मनीष सुत्रावे (बीवीआई एनईसी सदस्य), श्रीमती परिणीता सुत्रावे (बीवीआई, हैदराबाद अध्यक्षा), शशिकान्त पिसे (बीवीआई, सिकन्दराबाद अध्यक्ष) एवं मोहनराव देवतराज, प्रवीण पतंगे, श्याम कुमार नाजरे, मोहनराव बगाड़े, वसंत बास्तुकर, राकेश घनाते, श्याम कुमार नीमकर, श्रीमती वसंता बगाडे, श्रीमती अश्विनी पतंगे, शीतल नीमकर, कविता बास्तुकर अर्चना बासुतकर, शुभांगिनी नाजरे, रेखा घनाते, ज्योति चुटके एवं हेमा रानी परनंकर एवं अन्य भावसार विजन इंडिया हैदराबाद-सिकन्दराबाद के निदेशक मंडल और सदस्यगण शामिल हुए।

कुंती जोन की सम्यक सामायिक संपन्न

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। सामायिक जोन संयोजिका श्रीमती प्रभा दूगड़ ने बताया कि हैदराबाद में साध्वी डॉ.मंगलप्रज्ञा जी आदि ठाणा-6 सुखसाता पूर्वक विराज रहे हैं। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में चलने वाली 23 सामाजिक जोन में मिट्टूगुड़ा स्थित कुंती जोन ने इस महीने की सामायिक श्रीमती सरिता बंबोली के यहां पर शनिवार शाम को की। नवकार मंत्र के जप के द्वारा सामायिक की शुरुआत हुई नितनेम के पश्चात सभी बहनों ने 25 बोल का पुनरावर्तन किया गया तथा सभी ने तेरापंथ प्रबोध का संगान किया। श्रीमती सुनीता बंबोली ने साध्वी डॉ.मंगल प्रज्ञा जी आदि ठाणा-6 की प्रेरणा से मुंबई स्थित नंदनवन में गुरु दर्शनाथ संघ के बारे में जानकारी दी। नारी लोक में आए हुए कार्यक्रमों के बारे में बताया सभी को ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी भरने की प्रेरणा दी तथा दीपावली पर्व एवं महावीर निर्माण दिवस के उपलक्ष में 11-12-13 नवंबर को केंद्र से निर्देशित तेले की तपस्या करने का आह्वान किया।

जप तप स्वाध्याय कर अपने आध्यात्मिक विकास की भावना रखी। सभी बहनों ने मिलकर एक महीने के लिए एक वस्तु का त्याग किया। श्रीमती सुनीता बमबोली ने सबका आभार ज्ञापन किया एवं लिखे शक्ति की नई ऋचाएं अनुशासन के दीप जलाएं के नारे के साथ सामायिक सानंद संपन्न हुई। हैदराबाद के सभी सामायिक जोन की सामायिक देवगुरु धर्म की कृपा से सुचारू रूप से चल रही है । सभी धर्म ध्यान स्वाध्याय का अच्छा लाभ उठा रहे हैं।

वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की श्रीलंका पर पहली जीत

कप्तान शाकिब और शांतो के अर्धशतक, तंजीम को 3 विकेट

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने श्रीलंका पर वर्ल्ड कप में पहली जीत हासिल की है। टीम ने सोमवार को श्रीलंकाई टीम को 3 विकेट से हराया।

दिल्ली के अरुण जेटली मैदान पर बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। श्रीलंकाई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.3 ओवर में 279 रन पर ऑलआउट हो गई। 280 रन का टारगेट बांग्लादेश ने 41.1 ओवर में 7 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

कप्तान शाकिब अल हसन ने 82 और नजमुल हसन शांतो ने 90 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 149 बॉल पर 169 रन की साझेदारी की। इस जीत से टीम वर्ल्ड कप 2023 के पॉइंट्स टेबल के 7वें नंबर पर आ गई है, जबकि श्रीलंका 8 नंबर पर पहुंच गई है।

अग्रवाल समाज गच्ची बावली व महिला शाखा का दीपोत्सव

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज गच्चीबोली शाखा एवं महिला विंग का पूर्व दिवाली उत्सव डेक्कन बैंक्वेट्स कोंडापुर, हैदराबाद में धूमधाम से संपन्न हुआ, सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन जी की पूजा अर्चना की गई। शाखा अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल एडवोकेट ने सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं सहित सबका स्वागत किया । इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल एवं पूर्व अध्यक्ष एवं श्रीशैलम यात्री निवास कमेटी के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम में पधार कर उत्सावर्धन किया। केंद्रीय अग्रवाल समाज ,तेलंगाना के पदाधिकारियों का हर्षोउल्लास से शाखा ने सम्मान किया। महिला विंग अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल द्वारा तिलक लगाकर सभी का स्वागत किया गया। समाज को विशेष उपलब्धियों से गौरांवित करने वाले सम्मानित जनों को महाराजा अग्रसेन जी के पट्टे पहनाकर सम्मान किया गया। जिसमें पूर्व महिला विंग अध्यक्ष एवं वर्तमान अग्रसेन टैलेंट कमेटी चेयरमैन गीता अग्रवाल को हिंदी साहित्यिक क्षेत्र में समाज को दिए गए उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया, अग्रवाल समाज तेलंगाना के पूर्व मानद मंत्री डॉक्टर डी .के .गोयल को अग्रवाल समाज की सेवा करने एवं साहित्यिक क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां के लिए सम्मानित किया गया तथा गच्ची बावली शाखा संस्थापक एवं मानद मंत्री कृष्ण प्रकाश अग्रवाल को शाखा की सेवा के लिए सम्मानित किया गया, शाखा अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल एडवोकेट को समाज की विशेष उपलब्धियां में सेवा प्रदान करने के लिए सम्मानित किया गया। उपरोक्त सम्मानित सदस्यों की उपलब्धियां का संक्षिप्त ब्यौरा शिवानी अग्रवाल एवं सुरेश अग्रवाल द्वारा दिया गया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं एवं सुरेश अग्रवाल एडवोकेट अध्यक्ष के लिए कार्यक्रम की सुंदर आयोजन के लिए बधाई दी एवं गीता अग्रवाल कवयित्री पूर्व अध्यक्ष को उनके द्वारा सुनाई गई अग्रवाल समाज तेलंगाना के अब तक के कार्यों को कविता के माध्यम से सुनाने पर मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

कार्यक्रम के संयोजक अमित अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), सह संयोजक अजय संघी रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शानदार प्रस्तुतियां जिसमें नेहा अग्रवाल द्वारा सर्वप्रथम गणेश आराधना गायन रहा। भक्ति गीत आनंदी अग्रवाल एवं एम.आर. सुरेखा द्वारा एवं गौरव गुप्ता के शंख उद्घोष जय श्री राम, हर हर महादेव गीत के बोल द्वारा वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा का संचार मिला। प्रेरणादायक खास दीपावली नृत्य शालू गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया। मां - बेटी का खूबसूरत नृत्य नेहा एवं नव्या द्वारा एकल नृत्य गीति अग्रवाल एवं रेशु जैन द्वारा नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा सुंदर नृत्य प्रस्तुतियां सिया जैन,मिश्का बंसल, अन्वी और अव्यन,युग जैन। बेमिसाल युगल नृत्य प्रस्तुतियां वीरेश अग्रवाल-मीतू सिंगला, के.पी. अग्रवाल - गीता अग्रवाल जिसमें कृष्ण बनी अंजना टिबरेवाल , सुरेश अग्रवाल-कमलेश अग्रवाल अमित अग्रवाल-शिवानी अग्रवाल की रहीं। बालिका त्रिशिका एवं वरुण अग्रवाल ने अपने गीतों से सबका मन मोह लिया। फोटोशूट कॉर्नर शालू गुप्ता (प्रवीण) एवं महिला शाखा अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल द्वारा अत्यंत मनमोहक दीपावली उत्सव चिन्ह के रूप में सबको अपनी और आकर्षित कर रहा था।

कार्यक्रम का सफल संचालन शाखा अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल एडवोकेट एवं कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने किया। इस प्रकार शाखा संस्थापक एवं मानद मंत्री के.पी. अग्रवाल के लगाए नन्हे पौधे को वृक्ष का रूप देखने को मिला। इसी संदर्भ में के.पी. अग्रवाल ने शाखा की उपलब्धियां एवं विभिन्न जानकारियां से सबको अवगत कराया।

कार्यक्रम में संतोष कुमार टांटिया, राजेश अग्रवाल, आशा अग्रवाल,मीनाक्षी गुप्ता , अरुण कुमार गुप्ता, राम गोपाल अग्रवाल ,किरण अग्रवाल, विवेक अग्रवाल दीपिका अग्रवाल प्रकाश अग्रवाल, संदीप संथालिया, नीतू संथालिया, कीर्ति संघी, अंबर कुमार सतीश गुप्ता दिनेश टिंबरेवाल संगीता चौधरी अभिषेक चौधरी, आशीष अग्रवाल अभिनव जैन ,वरुण अग्रवाल अनुपम गोयल, दीप्ति ,श्वेता, सौरभ लाल ,शंकर लाल अग्रवाल, तरुण गर्ग, साक्षी, अंकित अग्रवाल, प्रवीन गुप्ता , महेश अग्रवाल, राहुल जैन, गौरव टिबरेवाल, दीपक गोयल ,ए.के गुप्ता आदि भारी संख्या में सदस्य मौजूद रहे।

एनएमडीसी का ऑस्ट्रेलिया में गोल्ड खनन शुभारंभ

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। राष्ट्रीय खनन कंपनी एनएमडीसी ने रविवार को अपनी सहायक कंपनी लिगेसी आयरन ओर लिमिटेड के माध्यम से पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के माउंट सेलिया में गोल्ड खनन कार्य का शुभारंभ किया। नागेंद्र नाथ सिन्हा (सचिव) इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार ने अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार), एनएमडीसी और राकेश गुप्ता, सीईओ, लिगेसी की उपस्थिति में लिगेसी के गोल्ड परियोजना का उद्घाटन किया।

लीगेसी का माउंट सेलिया गोल्ड परियोजना अगले दो से तीन महीनों में ब्लू पीटर पिट्स में अयस्क खनन कार्य प्रारंभ करेगा। यह 66 वर्ष पुरानी खनन कंपनी एनएमडीसी के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि यह भारत के खनन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए अपने पोर्टफोलियो में एक नया भूगोल और एक नया खनिज शामिल किया है।

बीडीएल में वेंडर्स मीट का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के एक भाग के रूप में, आज बीडीएल द्वारा एक वेंडर्स मीट का आयोजन किया गया। हैदराबाद में कंपनी की कंचनबाग इकाई में आयोजित बैठक में लगभग 160 विक्रेताओं ने भाग लिया। बैठक की शुरुआत डॉ. उपेन्द्र वेन्नम, आईपीओएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी, बीडीएल द्वारा विक्रेताओं को दिलाई गई "नागरिकों के लिए सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा" के साथ हुई।

विक्रेताओं को नवीनतम विकास से अवगत कराने के लिए इंटीग्रिटी पैक्ट और अन्य अनिवार्य प्रावधानों तथा बीडीएल के पास उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों पर प्रस्तुतियाँ दी गईं। कार्यक्रम स्थल पर स्वदेशीकरण के लिए प्रस्तावित घटकों और उप-असेंबली का एक प्रदर्शन आयोजित किया गया था, ताकि भावी विक्रेताओं को स्वदेशीकरण के लिए वस्तुओं और बीडीएल के साथ उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों के बारे में प्रत्यक्ष समझ प्राप्त हो सके। कमोडोर ए माधवराव (सेवानिवृत्त), सीएमडी, एन. श्रीनिवासुलु, निदेशक (वित्त), डॉ. उपेंदर वेन्नम, आईपीओएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी, जेके खन्ना, आईपीएस (सेवानिवृत्त) स्वतंत्र बाहरी मॉनिटर, ए. शेषगिरी राव, आईआरएसएसई (सेवानिवृत्त) स्वतंत्र बाहरी मॉनिटर, कमोडोर गिरीश रघुनाथ प्रधान (सेवानिवृत्त), कार्यकारी निदेशक (कंचनबाग यूनिट) और बीडीएल के महाप्रबंधकों ने विक्रेताओं के साथ बातचीत की।

राणी सती मंदिर, घांसी बाजार में आयोजित भजन संध्या समारोह में भाग लेते हुए एनआर लक्ष्मण राव, विनय तिवारी, सूर्या शुक्ला व अन्य।

मिथिला सांस्कृतिक परिषदकी मासिक बैठक आयोजित

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थित लायंस भवन में मिथिला सांस्कृतिक परिषद, हैदराबाद की मासिक बैठक की गई जिसमें आगामी 31 दिसंबर 2023 को आयोजित होने वाला विद्यापति पर्व समारोहके संदर्भ में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। विनय कुमार झा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक का संचालन धीरेंद्र कुमार झा ने किया। बैठक में आगामी 31 दिसंबर को आयोजित होने वाला विद्यापति पर्व समारोह के विषय में चर्चा आरंभ करते हुए भूतपूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान सरंक्षक श्रीकांत मिश्र ने सर्व प्रथम ये जानकारी दी कि सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु सुश्री जुली झा एवं श्री माधव राय अपने टीम के साथ यहाँ उपस्थित होंगे । साथ ही उन्होने यह भी कहा कि गत वर्ष की तरह इस बार भी सभागार में प्रवेश हेतु खाश टोकेन (रिस्ट बैंड) की व्यवस्था रखी जाय। कार्यकारी अध्यक्ष रजनीश कुमार झा ने कहा कि इस वर्ष भी आर टी सी सभागार में ही समारोह का आयोजन है । सभागार में उपस्थित परिषद के सदस्य, कार्यक्रम हेतु विशेष सहयोगी एवं आमंत्रित अतिथियों के समुचित सत्कार निर्वहन तथा व्यवस्था को अनुकूल रखने हेतु गैर सदस्यों के प्रवेश को वर्जित रखा जाय। अध्यक्ष विनय कुमार झा ने अनुमोदित करते हुए कहा कि इसके प्रारुप पर कार्यकारिणी समिति की बैठक में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। विचार-विमर्श में शशि कांत मिश्र, सीताराम ठाकुर, अरुण कुमार झा, राहुल कुमार मिश्र, सत्येन्द्र नाथ झा, निर्मल कांत झा, अमरकांत मिश्र, श्रीमती सरोज झा, कंचन झा, ममता मिश्र एवं नीलम मिश्र सहित कतिपय अन्य सदस्य /सदस्या ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

छह दशकों तक लोगों को मारने के बाद झूठे वादे कर रही है कांग्रेस : केटीआर

करीमनगर, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामा राव ने सोमवार को जनता को कांग्रेस द्वारा किए जा रहे झूठे वादों के खिलाफ चेतावनी दी और बताया कि तेलंगाना में सैकड़ों लोगों, विशेषकर छह दशकों से युवाओं की मौत के पीछे वही पार्टी है। युवाओं को सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद अपने वोट का प्रयोग करने की सलाह देते हुए, रामा राव ने कहा कि बीआरएस कांग्रेस के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी, जिसने बिजली, पीने के पानी और सिंचाई के लिए पानी से इनकार करके यहां सैकड़ों लोगों को मार डाला है। सोमवार को सिरसिला, वेमुलावाड़ा और येलारेड्डीपेट में बीआरएस कार्यक्रमों में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि वेमुलावाड़ा और सिरसिला के अलावा, मानेर नदी के किनारे स्थित प्रत्येक गांव ने के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में राज्य आंदोलन में उत्साहपूर्वक भाग लिया था। आगामी चुनाव को दिल्ली के सामंतों और तेलंगाना के चार करोड़ लोगों के बीच लड़ाई बताते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली को हमेशा तेलंगाना से दिक्कत रही है। तेलंगाना क्षेत्र को 17 सितंबर, 1948 को आजादी मिली थी और 1956 में तत्कालीन हैदराबाद राज्य के शासन के तहत सभी मोर्चों पर विकास हो रहा था।

बीआरएस को हराने के लिए एक-दूसरे से मिलीभगत कर रही हैं विपक्षी ताकतें : हरीश राव

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी हरीश राव ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के दिन 30 नवंबर के बाद बीआरएस तेलंगाना में हैट्रिक जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि हालांकि विपक्षी दल परोक्ष रूप से एक-दूसरे के साथ मिलीभगत कर रहे हैं, लेकिन उनका मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव से कोई मुकाबला नहीं है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता नागेश मुदिराज बीआरएस में शामिल हो गए और सोमवार को यहां तेलंगाना भवन में हरीश राव ने उनका पार्टी में स्वागत किया। हैदराबाद शहर, विशेषकर मुशीराबाद विधानसभा क्षेत्र के कई अन्य कांग्रेस नेता भी नागेश के साथ थे। इस अवसर पर बोलते हुए, वित्त मंत्री ने याद दिलाया कि कांग्रेस और टीडीपी ने 2018 विधानसभा चुनावों के दौरान "महा कूटमी" बनाने के लिए एक अपवित्र गठबंधन में प्रवेश किया था। आगामी चुनावों के लिए, कांग्रेस उन लोगों के साथ जुड़ गई है जिन्होंने एक बार फिर तेलंगाना गठन का विरोध किया था। टीडीपी के अलावा, वाईएस शर्मिला के नेतृत्व वाली वाईएसआरटीपी भी कांग्रेस को समर्थन दे रही है।

भारत नंबर-1 पर कायम, कोहली अब डिकॉक से सिर्फ 7 रन पीछे; शमी के नाम 16 विकेट

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भारत ने साउथ अफ्रीका 243 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने पॉइंट्स टेबल में पहला स्थान बरकरार रखा, जबकि साउथ अफ्रीका अब भी दूसरे नंबर पर है। टीम इंडिया अब आखिरी मैच हार जाए तब भी वह 16 पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर ही रहेगी, क्योंकि साउथ अफ्रीका अब ज्यादा से ज्यादा 14 पॉइंट्स तक ही पहुंच सकता है।

मैच में विराट कोहली ने सेंचुरी लगाई, इसी के साथ वह इस वर्ल्ड कप में 500 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। साउथ अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक 550 रन के साथ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में टॉप पर हैं। मोहम्मद शमी ने मैच में 2 विकेट लिए, वह इस टूर्नामेंट के 4 ही मैचों में अब 16 विकेट ले चुके हैं।

इस स्टोरी में हम ग्राफिक्स की मदद से वनडे वर्ल्ड कप 2023 के टॉप बैटर, बॉलर, फील्डर, सिक्सर किंग और बाउंड्री मास्टर को जानेंगे।

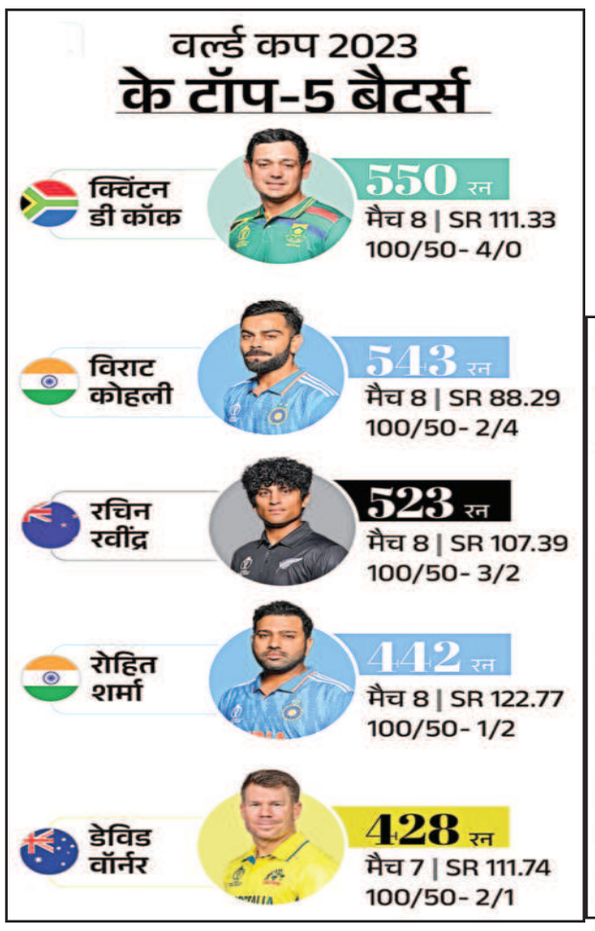

वनडे वर्ल्ड कप का पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	पॉइंट्स	रन रेट
भारत (Q)	8	8	0	16	2.456
सा. अफ्रीका (Q)	8	6	2	12	1.376
ऑस्ट्रेलिया	7	5	2	10	0.924
न्यूजीलैंड	8	4	4	8	0.398
पाकिस्तान	8	4	4	8	0.036
अफगानिस्तान	7	4	3	8	-0.330
श्रीलंका	7	2	5	4	-1.162
नीदरलैंड	7	2	5	4	-1.398
बांग्लादेश (E)	7	1	6	2	-1.446
इंग्लैंड (E)	7	1	6	2	-1.504

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी

भारतीय महिला हॉकी टीम ने फाइनल में जापान को हराया, 4-0 से जीता स्वर्ण पदक

रांची, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के लिए संगीता कुमारी (17वां मिनट), नेहा (46वां मिनट), लालरेमसिआमी (57वां मिनट) और वंदना कटारिया (60वां मिनट) ने गोल दागे। भारत ने इससे पहले सिंगापुर में 2016 में अपना पहला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। वहीं, जापान 2013 और 2021 का विजेता है।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी का खिताब जीत लिया। भारतीय महिला टीम ने फाइनल मुकाबले में जापान को 4-0 से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत ने दूसरी बार यह खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले, शनिवार को देश की बेटियों ने एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता दक्षिण कोरिया को 2-0 से हराकर महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया था।

जानकारी के अनुसार, रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में फाइनल खेला गया था। जीत के बाद, हॉकी इंडिया ने ट्वीट कर एलान किया कि प्रत्येक खिलाड़ी को तीन-तीन लाख रुपये इनाम के रूप में दिए जाएंगे। इसकी के साथ सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 1.5 लाख रुपये इनाम के रूप में दिए जाएंगे।

'हां विराट कोहली स्वार्थी हैं', आखिर क्यों वेंकटेश प्रसाद ने कह दी इतनी बड़ी बात?

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व खिलाड़ी वेंकटेश प्रसाद ने विराट कोहली को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि 'हां विराट कोहली स्वार्थी हैं...

वर्ल्ड कप 2023 में विराट कोहली का बल्ला जमकर गरज रहा है। वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। इसके बावजूद कुछ लोग उन्हें स्वार्थी करार दे रहे हैं। किंग कोहली को स्वार्थी कहे जाने से कुछ पूर्व दिग्गज क्रिकेटर खफा हैं। इस लिस्ट में वेंकटेश प्रसाद का भी नाम शामिल हो गया है। पूर्व क्रिकेटर ने सोशल मीडिया के माध्यम से विराट को लेकर अपना विचार साझा किया है।

54 वर्षीय मीडियम पूर्व तेज गेंदबाज ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा है, 'कोहली के स्वार्थी होने और व्यक्तिगत माइलस्टोन के प्रति जुनूनी होने के बारे में मजेदार बातें सुन रहा हूं। हां, कोहली स्वार्थी है, देश के एक अरब लोगों के सपने को पूरा करने के लिए स्वार्थी होना जरूरी है।

वह इतने स्वार्थी हैं कि उन्हें कुछ हासिल करने के लिए काफी प्रयास करना पड़ा है और नए बेंचमार्क स्थापित करने पड़े हैं। उन्होंने देश के लिए कई मैचों में शानदार प्रदर्शन किए हैं और टीम की जीत सुनिश्चित की है। हां विराट कोहली स्वार्थी है।'

दरअसल, जारी टूर्नामेंट में कई बार विराट कोहली को शतक के करीब जाकर धीमी गति से बल्लेबाजी करते हुए देखा गया है। यही नहीं वह इस दौरान अधिक से अधिक स्ट्राइक भी अपने पास रखते हैं। यही वजह है कि कुछ पूर्व क्रिकेटर एवं फैंस उन्हें स्वार्थी करार दे रहे हैं। पर यह बात सच नहीं है। रोहित शर्मा ने अफ्रीका के खिलाफ संपन्न हुए मुकाबले के बाद खुद कहा था टीम परिस्थिति के अनुसार लगातार अपनी रणनीति में बदलाव कर रही है। यही वजह है कि शुरुआत तेज करने के बाद जब विकेट धीमी हो जाती है तो कोहली को आखिरी के ओवरों में धीमी गति से बल्लेबाजी करते हुए देखा जाता है। इसके अलावा उनके साथी खिलाड़ी कोहली को रन बनाने का भरपूर मौका दे रहे हैं, ना कि कोहली खुद ज्यादा से ज्यादा बल्लेबाजी करना चाहते हैं।

वर्ल्डकप में खराब प्रदर्शन के बाद श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड बर्खास्त

अर्जुन रणतुंगा नए अंतरिम बोर्ड के अध्यक्ष; श्रीलंका सात में से केवल दो मैच जीता

कोलंबो, 6 नवंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद श्रीलंका के खेल मंत्रालय ने सोमवार, 6 नवंबर, को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (SLC) को बर्खास्त कर दिया। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, श्रीलंका क्रिकेट के लिए एक अंतरिम बोर्ड का गठन किया है। श्रीलंका के खेल मंत्रालय ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

खेल मंत्री रोशन रणसिंघे के कार्यालय ने एक बयान में कहा, 'देश के 1996 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा को नए अंतरिम बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।'

बोर्ड पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लगे

बता दें, बोर्ड पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लगे थे। इससे पहले, भारत से मिली हार के बाद खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने शुक्रवार के अपने एक बयान में श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को देशद्रोही और भ्रष्ट कहा था। उन्होंने बोर्ड के सदस्यों से इस्तीफा देने की मांग की थी। इसके बाद, श्रीलंका क्रिकेट के सचिव मोहन डी सिल्वा ने शनिवार, 4 नवंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

श्रीलंका को 2 मैच में जीत और 5 में हार मिली

श्रीलंका सात मैच में दो जीत के साथ 4 पॉइंट्स लेकर पॉइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर है। श्रीलंका को साउथ अफ्रीका ने 102 रन से, पाकिस्तान ने 6 विकेट से, ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट से, अफगानिस्तान ने 7 विकेट से और भारत ने 302 रन से हराया था। वहीं श्रीलंका ने नीदरलैंड को 5 विकेट से और इंग्लैंड को 8 विकेट से हराया था।

भारत से मिली 302 रन से हार के बाद बोर्ड था नाराज

वर्ल्ड कप में 2 नवंबर को खेले गए मैच में श्रीलंका को भारत ने 302 रन से हराया था। श्रीलंका की पूरी टीम 55 रन पर ही ऑल आउट हो गई थी। इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 357 रन बनाया। 358 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका टीम 55 रन ही बना सकी थी।

श्रीलंका की आधी टीम केवल 14 बनाकर आउट हो गई थी। टॉप ऑर्डर पूरी तरह फेल हो गया था। भारत से हार के बाद श्रीलंका बोर्ड ने टीम के खराब प्रदर्शन पर चिंता जाहिर की थी।

हैदराबाद हाफ मैराथनः पुरुषों में रमेश चंद्रा ने जीती

हैदराबाद हाफ मैराथन, महिलाओं में प्राजक्ता चैंपियन

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला वर्ग में 28 वर्षीय प्राजक्ता ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए हाफ मैराथन की दूरी को एक घंटे 23 मिनट और 45 सेकंड में तय किया।

तेलंगाना के बी रमेश चंद्रा और महाराष्ट्र की प्राजक्ता गोडबोले ने यहां हैदराबाद हाफ मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीते। रमेश ने एक घंटे 13 मिनट और 10 सेकंड में 21.1 किलोमीटर की दौड़ पूरी करके पहला स्थान हासिल किया। सतीश कुमार (1.15:50) और पीयूष मसाने (1.16:56) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में 28 वर्षीय प्राजक्ता ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए हाफ मैराथन की दूरी को एक घंटे 23 मिनट और 45 सेकंड में तय किया।

प्रीनू यादव (1.24.46) और तेजस्विनी उम्बकाने (1.25.11) ने उनके बाद दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। इस दौड़ में 8000 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। बाद में तेंदुलकर और राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने विजेताओं को सम्मानित किया।

वर्ल्ड कप के सफल गेंदबाज शमी कभी गुमनाम थे

बंगाल के देवव्रत ने रफ्तार की वजह से करवाई थी बंगाल टीम में एंट्री

कोलकाता, 6 नवंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप के सिर्फ 3 मैच में 14 विकेट लेकर मोहम्मद शमी अहम गेंदबाज साबित हो रहे हैं। वे वर्ल्ड कप इतिहास में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनकी गेंदबाजी की खूब चर्चा हो रही है। लेकिन, एक दौर था, जब शमी गुमनामी में थे और भटकने को मजबूर था।

फिर बंगाल के देवव्रत दास की नजर उन पर पड़ी और उन्होंने शमी की फिटनेस और खेल के प्रति समर्पण देखकर क्रिकेट में मौका दिया।

उन्होंने शमी को अपने घर में भी जगह देकर पाला-पोसा। देवव्रत आर्थिक तंगी से जूझ रहे शमी को उस वक्त हर दिन सौ रुपए देकर मैदान में भेजते। जब शमी मैदान से लौटते तो खेल में सुधार को लेकर उनसे बातचीत भी करते। देवव्रत दास (देबू) मौजूदा समय में बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन में सचिव है।

उप्र टीम में सलेक्ट न होने के बाद बंगाल आए शमी

शमी ने शुरुआती दौर में उत्तर प्रदेश से खेल की शुरुआत की, लेकिन वह असफल रहे। वे उप्र की अंडर-19 टीम में भी जगह नहीं बना सके।

इस के बाद बचपन के कोच बदरुद्दीन ने उन्हें कोलकाता में ट्रेनिंग लेने की सलाह दी। 16 साल के शमी ने कोलकाता के डलहौजी एथलेटिक क्लब से खेलना शुरू किया।

क्लब में देवव्रत की नजर उन पर पड़ी। उन्हें शमी की रफ्तार के साथ अनुशासन बेहद पसंद आया। इसके बाद उन्होंने सीएबी की सलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष के साथ स्पेशल सेशन रखा, जिसमें शमी की गेंदबाजी और उनकी फिटनेस को दिखाया।

वर्ल्ड कप जीत में शमी का योगदान ही दक्षिणाः दास

शुरुआत से शमी की गेंदबाजी पर गहरी नजर रखने वाले देवव्रत ने बताया कि वे अपनी गेंदबाजी में लाइन-लेंथ के साथ, जो बड़ा फर्क डालते हैं वह है अनुशासन। वो इतने अनुसाशित हैं कि अब भी उनके क्रिकेट करियर में किसी को नो बॉल नहीं मिलेगी।

गुमनामी में पड़े एक चेहरे को फर्श से अर्श तक पहुंचाने के बाद जब बात गुरु दक्षिणा की आती है तो भी देबू दा यही कहते हैं कि भारत वर्ल्ड कप जीते और उस जीत के नायक शमी बनें, इससे ज्यादा उन्हें कुछ नहीं चाहिए। उन्हें लगेगा कि उनकी मेहनत सफल हो गई।

नवीन-उल-हक का ऑस्ट्रेलिया टीम पर तंज

कहा- 'क्या विश्व कप में भी करोगे बायकॉट?'

खेल डेस्क, 6 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व कप 2023 में अफगानिस्तान की टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को चौंकाया है। टूर्नामेंट में अफगानिस्तान ने अभी तक सात मुकाबले खेले हैं जिसमें से 4 में जीत और तीन में हार का सामना करना पड़ा है। अफगानिस्तान टीम 8 अंक के साथ 6वें स्थान पर मौजूद है और मजबूती से सेमीफाइनल की तरफ बढ़ रही है। अब टीम का अगला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के साथ 7 नवंबर को होगा। लेकिन इस मैच से पहले अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक की एक पोस्ट काफी तेजी से वायरल हो रही है।

नवीन ने ऑस्ट्रेलिया टीम से पूछा सवाल

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी शेयर करके नवीन-उल-हक ने लिखा कि, "द्विपक्षीय सीरीज में खेलने से मना करने के बाद क्या अब ऑस्ट्रेलिया की टीम विश्व कप में अफगानिस्तान का बायकॉट करेगी?" बता दें, नवीन ये सवाल इसलिए कंगारू टीम से किया है क्योंकि मार्च 2023 में

ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच एक द्विपक्षीय सीरीज खेली जानी थी लेकिन इसके ऑस्ट्रेलिया टीम ने इस सीरीज को खेलने से मना कर दिया था।

उस वक्त अफगानिस्तान पर तालिबान ने कब्जा कर लिया था। जिसके बाद अब नवीन ने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट पर निशाने साधते हुए सवाल किया है। द्विपक्षीय सीरीज को खेलने से मना करने के बाद अफगानिस्तान खिलाड़ियों का ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के प्रति काफी गुस्सा देखने को मिला था। नवीन ने तो खुद ऑस्ट्रेलिया में खेली जाने वाली 'बिग बेस लीग' में हिस्सा लेने से मना कर दिया था।

दोनों टीमों के लिए अहम होगा मुकाबला

बता दें, विश्व कप 2023 में 7 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के बीच मैच खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए सेमीफाइनल के लिहाज से ये मुकाबला बेहद अहम होगा। अगर इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम जीत जाती है तो वो लगभग सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर लेगी। इसके अलावा अगर अफगानिस्तान की टीम मुकाबले को जीत जाती है तो उसकी सेमीफाइनल की राह थोड़ी आसान हो जाएगी। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया से पार पाना अफगान टीम के लिए उतना आसान नहीं होगा।

जोकोविच संघर्षपूर्ण जीत के साथ पेरिस मास्टर्स के फाइनल में, रूबलेव को दी शिकस्त

पेरिस, 6 नवंबर (एजेंसियां)। जोकोविच ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने रूसी प्रतिद्वंद्वी को 5-7, 7-6 (3), 7-5 से हराया और इनडोर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा।

नोवाक जोकोविच ने सेमीफाइनल में आंद्रे रूबलेव के खिलाफ तीन घंटे से अधिक समय और तीन सेट तक जूझने के बाद पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जहां उनका मुकाबला बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा।

जोकोविच ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने रूसी प्रतिद्वंद्वी को 5-7, 7-6 (3), 7-5 से हराया और इनडोर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। वह अब रिकॉर्ड सातवीं बार पेरिस मास्टर्स का खिताब जीतने का प्रयास करेंगे।

जोकोविच ने मैच के बाद कहा,'रूबलेव ने मैच में अधिकतर समय मेरा उसी तरह से दम घोंट रखा था जैसे सांप मेंढक को दबाए रखता है।' दिमित्रोव को भी दूसरे सेमीफाइनल में सातवीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सितसिपास के खिलाफ कड़ा संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने आखिर में तीन सेट तक चले इस मैच में 6-3, 6-7 (1), 7-6 (3) से जीत दर्ज की

कांग्रेस ने पालमूरू जिले को बर्बाद कर दिया : सीएम केसीआर

बीआरएस सुप्रीमों ने जनसभाओं में लोगों को विपक्षी दलों से अगाह किया

देवराकाद्रा, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कांग्रेस पार्टी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि यह वह पार्टी है जिसने पूरे पलामूरू जिले को नष्ट कर दिया है। सोमवार को महबूबनगर जिले के देवराकाद्रा विधानसभा में प्रजा आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भले ही कृष्णा नदी महबूबनगर जिले से होकर गुजर रही है, लेकिन लोग सिंचाई के पानी से वंचित हैं और किसी भी नेता को तत्कालीन आंध्र प्रदेश के पालमुरु की परवाह नहीं है। "बचावत ट्रिब्यूनल में लिखा गया था कि अगर तेलंगाना का आंध्र प्रदेश में विलय नहीं होता तो उसका विकास बेहतर होता। लेकिन, तेलंगाना के किसी भी कांग्रेस नेता ने इस संबंध में ध्यान नहीं दिया और इसके अलावा, उन्होंने आंध्र के नेताओं के हितों के लिए काम किया। केसीआर ने कहा, ''मैंने अब जो कहा है वह इतिहास है। अगर मैं जो कहता हूं वह गलत है, तो लोग हमें हरा सकते हैं।'' उन्होंने लोगों से चुनाव आने पर न घबराने की अपील करते हुए कहा कि लोगों को न केवल चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को देखना चाहिए, बल्कि उन उम्मीदवारों के पीछे की पार्टियों को भी देखना चाहिए। गदवाल बैठक में बीआरएस अध्यक्ष ने कहा कि वाल्मीकि बोया आंध्र प्रदेश में अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी के अंतर्गत हैं, जबकि वे तेलंगाना में बीसी श्रेणी में हैं। "तत्कालीन आंध्र प्रदेश में, तत्कालीन कांग्रेस मुख्यमंत्री नीलम संजीव रेड्डी ने वाल्मिकी बोया समुदाय को आंध्र प्रदेश में एसटी के तहत रखा और तेलंगाना में बीसी के तहत रखा। लोगों को कांग्रेस पार्टी को वोट क्यों देना चाहिए जिसने गदवाल क्षेत्र को नष्ट कर दिया है जिसे वाल्मिकी बोया की परवाह नहीं है,'' उन्होंने लोगों से कांग्रेस और भाजपा को वोट न देने को कहा और कहा कि अगर ये पार्टियां सत्ता में आईं तो तेलंगाना में काले दिन वापस आ जाएंगे।

बाल-बाल बचे सीएम चंद्रशेखर राव

उड़ान के दौरान आई हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी, सकुशल लैंडिंग

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में जीत के लिए सभी दल जोर आजमाइश कर रही है। तमाम दलों के स्टार प्रचारक लगातार प्रदेशभर में रैलियां और प्रचार कर रहे हैं। इसी बीच सूबे के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव भी लगातार प्रचार प्रसार कर रहे हैं। जनसभा के लिए निकले मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव के हेलीकॉप्टर में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। इस दौरान पायलट ने बड़ी सूझबूझ से बड़े हादसे को टाल दिया। तकनीकी खराबी सामने आते ही पायलट ने तुरंत हेलीकॉप्टर को सीएम केसीआर के फार्महाउस पर सुरक्षित उतार दिया। यह घटना तब हुई जब वह देवराकाद्र में एक सार्वजनिक बैठक में भाग लेने के लिए यात्रा पर निकले थे। इस घटना की जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा दी गई।

बता दें तेलंगाना में 30 नवंबर को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए मतदान होगा। जिसके नतीजे तीन दिसंबर को सामने आएंगे। सभी दल जीत का दावा कर रही है। चुनावी सभाओं में आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तेज हो गई है। सभी दल अपनी जीत को लेकर लगातार प्रदेश में प्रचार प्रसार कर रहे हैं। भाजपा, कांग्रेस, बीआरएस के तमाम स्टार प्रचारक जीत का दावा कर रहे हैं।

विधायक जग्गा रेड्डी ने कांग्रेस के सीएम उम्मीदवार पर दिलचस्प टिप्पणी की

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक टी. जग्गा रेड्डी ने विश्वास जताया है कि तेलंगाना में आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को 70 विधानसभा सीटें मिलेंगी। सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए जग्गा रेड्डी ने कहा कि 15 नवंबर के बाद कांग्रेस पार्टी की रफ्तार को कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के मुख्यमंत्री के बारे में किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे सोचेंगे और सभी की राय लेंगे और मुख्यमंत्री उम्मीदवार का फैसला करेंगे।

उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर ने टिप्पणी की है कि वह नौ ईएमआई के मुख्यमंत्री हैं। बीआरएस को डर और संदेह है कि सरकार फिर से वापस नहीं आएगी। यह महज बातों की सरकार है और गांवों में बहस चल रही है कि क्या बीआरएस पार्टी दोबारा सत्ता में आएगी। उन्होंने तेलंगाना मुद्दे को फिर से सामने लाने के लिए सत्तारूढ़ दल की आलोचना की। कर्नाटक सरकार के बारे में फर्जी खबरें फैलाकर तेलंगाना के लोगों को गुमराह किया जा रहा है। केसीआर झूठ बोलना और बाहर निकलना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेता बंदी संजय को उनके प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया गया क्योंकि उन्होंने सीएम केसीआर और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ अपना मुंह खोला था।

मोदी और केसीआर तेलंगाना में कांग्रेस को सत्ता में नहीं आने देने की रणनीति बना रहे हैं। मुंह खोलने के कारण संजय अपने पद से बाहर हो गये। अगर कोई बीजेपी में बोलेगा तो उसे सजा दी जाएगी.'' क्या केसीआर ने उन लोगों के परिवारों के बारे में सोचा जिन्होंने तेलंगाना के लिए आत्महत्या की? केसीआर ने कभी भी शहीदों के परिवारों को प्रगति भवन में आमंत्रित नहीं किया और उनके साथ भोजन नहीं किया, उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि जिन्होंने कुछ निर्दोष लोगों की हत्या की और उनके हाथों में चिट थमा दी वे विधायक और सांसद बन गये। उन्होंने पूछा कि बीआरएस नेता विश्वविद्यालयों में क्यों नहीं जा पा रहे हैं? उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम, बीजेपी और बीआरएस पार्टियां एक ही हैं। उन्होंने हैदराबाद के मुसलमानों से कांग्रेस जैसी धर्मनिरपेक्ष पार्टी को वोट देने और एमआईएम को उसके सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में हराने का आह्वान किया।

मेरी पार्टी हैदराबाद के लोगों के लिए चुनाव नहीं लड़ रही : शर्मिला

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी की संस्थापक-अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने आज कहा कि वे हैदराबाद के लोगों की खातिर आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य के लोगों के प्रति अपनी वफादारी साबित करने के लिए उन्हें किसी ताज की जरूरत नहीं है।

लोटसपॉन्ड में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए शर्मिला ने कहा कि यह याद रखना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट ने टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के खिलाफ मामला खत्म करने से इनकार कर दिया था। उन्होंने टिप्पणी की कि सभी पार्टियों में चोर हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि उन चोरों को सीएम नहीं बनना चाहिए। एपी सरकार के सलाहकार सज्जला रामकृष्ण रेड्डी पर निशाना साधते हुए उन्होंने याद दिलाया कि उनका वाईएसआरसीपी के साथ कोई संबंध नहीं है और पूछा कि वह उनकी पार्टी के बारे में क्यों बात कर रहे हैं। तेलंगाना के सीएम केसीआर ने एपी में सड़कों और बिजली की स्थिति की खुले तौर पर आलोचना की है।

बाहरी लोगों को टिकट देने पर भड़के बीजेपी के वफादार!

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी नेतृत्व द्वारा हाल ही में शामिल हुए लोगों और दल-बदलुओं को अधिकांश टिकट दिए जाने को लेकर पार्टी रैंकों के भीतर व्यापक असंतोष देखा जा रहा है। अब तक, भाजपा ने 88 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है और उनमें से केवल 20 सीटें लंबे समय से चले आ रहे नेताओं को दी गई हैं, और लगभग 15 सीटें उन नेताओं को दी गई हैं जो लगभग पांच से 10 साल पहले पार्टी में शामिल हुए थे। बाकी सीटें उन नेताओं को दी गईं जो हाल ही में प्रतिद्वंद्वी पार्टियों से शामिल हुए हैं। इससे वरिष्ठजन नाराज हैं।

तीन मौजूदा सांसदों को छोड़कर-अरविंद धर्मपुरी (कोरुटला), बंडी संजय (करीमनगर), सोयम बापू राव (बोथ)-विधायक एम. रघुनंदन राव (दुब्बाका), टी. राजा सिंह (गोशामहल) और इटेला राजेंदर (हुजूराबाद)-पूर्व विधायक एंडाला लक्ष्मीनारायण (बांसवाड़ा), एनवीएसएस प्रभाकर (उप्पल) और चिंताला रामचंद्र रेड्डी (खैरताबाद) और कुछ अन्य जैसे राज्य कार्यकारी सदस्य एस. कुमार (धर्मपुरी), पायल शंकर (आदिलाबाद), राव पद्मा (वारंगल पश्चिम), बाकी उम्मीदवार अभी एक या दो साल पहले पार्टी में शामिल हुए हैं।

दरअसल, उनमें से कुछ पूर्व मंत्री चितरंजन दास (जेडचेर्ला) और सी. कृष्णा यादव (अंबरपेट) सूची जारी होने से कुछ दिन पहले पार्टी में शामिल हुए थे। यहां तक कि पूर्व मंत्री मैरी शशिधर रेड्डी (सनथनगर) भी कुछ महीने पहले पार्टी में शामिल हुए थे। पार्टी के सूत्रों ने कहा कि बड़ी संख्या में नेता और पदाधिकारी, जो टिकट हासिल करने में असफल रहे, या तो चुनाव से दूर रहने की योजना बना रहे हैं या बेहतर विकल्प तलाश रहे हैं। पार्टी के पुराने लोग यह भी शिकायत कर रहे हैं कि जो नेता तीन साल से कम समय पहले पार्टी में शामिल हुए हैं, उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारी समिति का सदस्य बना दिया गया और राज्य समितियों में महत्वपूर्ण पद दिए गए। जबकि, दशकों से पार्टी के लिए काम कर रहे कई भाजपा नेताओं और पदाधिकारियों के नाम पर राज्य स्तरीय समिति के सदस्यों के लिए भी विचार नहीं किया जा रहा है।

बीसी की उपेक्षा कर रही हैं कांग्रेस व बीजेपी : कविता

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने भाजपा कांग्रेस दोनों पार्टियों पर देश में पिछड़े वर्गों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है और कहा है कि दोनों पार्टियों ने आजादी के बाद से कभी भी बीसी के हितों के लिए काम नहीं किया है। सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, बीआरएस सांसद वी रविचंद्र, वरिष्ठ नेता पोन्नाला लक्ष्मैया और कसानी ज्ञानेश्वर मुदिराज, विधायक गणेश गुप्ता और ए जीवन रेड्डी के साथ कविता ने मांग की कि केंद्र सरकार को जवाब देना चाहिए कि देश में बीसी जनगणना क्यों नहीं की जा रही है।

मंगलवार को हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बीसी आत्मगौरव सभा की बैठक से

पहले, बीआरएस एमएलसी ने केंद्र सरकार की आलोचना की कि बैकलॉग पद क्यों नहीं भरे जा रहे हैं और देश में ओबीसी आरक्षण को ठीक से लागू नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वास्तव में, भाजपा को बीसी के प्रति कोई प्यार और स्नेह नहीं है। उसे जवाब देना चाहिए कि बीसी जनगणना क्यों नहीं की जा रही है। ओबीसी आरक्षण विधेयक संसद में क्यों पेश नहीं किया गया है। इसके अलावा, भाजपा सरकार कविता ने बताया कि केंद्र ने राष्ट्रीय बीसी आयोग को कमजोर कर दिया है और देश भर के विभिन्न विभागों में बीसी से संबंधित बैकलॉग पदों पर भर्ती करने में विफल रहा है। उन्होंने सत्ता में रहते हुए बीसी के लिए न्याय करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस पार्टी की भी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस पार्टी एक बेकार विपक्षी पार्टी बन गई है, इस तथ्य पर सवाल उठाए बिना कि देश में बीसी के साथ बहुत अन्याय हो रहा है।

आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता में आने पर बीसी नेता को मुख्यमंत्री बनाने के तेलंगाना भाजपा इकाई के वादे पर कविता ने कहा कि भाजपा नेताओं को एहसास हो गया है कि उनकी पार्टी तेलंगाना में सत्ता में नहीं आएगी, इसलिए उन्होंने बीसी सीएम का एक नारा का कदम उठाया है।

विजयवाड़ा के पंडित नेहरू बस स्टैंड पर गंभीर सड़क दुर्घटना 3 की मौत

विजयवाड़ा, 6 नवंबर(स्वतंत्र वार्ता)। एपी के विजयवाड़ा स्थित पंडित नेहरू बस स्टैंड पर गंभीर सड़क दुर्घटना होने से 3 की मौत हुई। इस संदर्भ में एपी पुलिस सूत्रों ने बताया कि, सुबह के दौरान विजयवाड़ा के पंडित नेहरू बस स्टैंड पर गंभीर सड़क हादसा हुवा। जिसमें बस के प्लेटफार्म से टकराने से तीन लोगों की मौत हुई।

इस पर अपनी प्रतिक्रिया में टीडीपी युवा नेता नारा लोकेश ने कहा कि यह दुखद है कि इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि वाईसीपी सरकार को इस दुर्घटना की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए, क्योंकि प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक यह दुर्घटना बस के फॉर्म के ऊपर चढने के कारण हुआ।

मैंने पार्टी को सफलतापूर्वक चलाया : बंडी संजय

करीमनगर, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। करीमनगर के सांसद बंदी संजय ने टिप्पणी की कि उन्होंने राज्य पार्टी अध्यक्ष का पद संभालने के बाद पार्टी को सफलतापूर्वक चलाया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और अनुयायियों के साथ आज करीमनगर विधानसभा सीट के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर बीजेपी की ओर से करीमनगर में एक रैली का आयोजन किया गया। रैली में विधायक राजा सिंह के साथ संजय भी शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, संजय ने कहा कि पार्टी ने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान हुए दुब्बाका, जीएचएमसी और शिक्षक एमएलसी चुनावों में जीत हासिल की थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने पूरे राज्य में 150 दिनों की

'प्रजा संग्राम पद यात्रा' की है और पूरे तेलंगाना में भगवा पार्टी का झंडा फहराया है।

उन्होंने कहा कि जब मैंने राज्य में टीएसपीएससी प्रश्नपत्रों के लीक होने के खिलाफ लड़ाई लड़ी तो मेरे खिलाफ चोरी के 30 मामले दर्ज किए गए। उन्होंने मुझे सांप्रदायिक करार देने की कोशिश की। यह भाजपा थी जिसने धर्म के लिए लड़ाई लड़ी, राजा सिंह और मैंने हमेशा धर्म के लिए लड़ाई लड़ी। हमने भगवा ध्वज को कभी नहीं छोड़ा है।

संजय ने दावा किया कि वह हिंदू वोटों को बीजेपी के वोट बैंक में बदलने में सफल रहे हैं. उन्होंने दावा किया कि वह करीमनगर में स्मार्ट सिटी फंड और राष्ट्रीय राजमार्ग फंड लाए थे। उन्होंने पूछा कि अगर भाजपा का समर्थन नहीं होता तो क्या तेलंगाना राज्य अस्तित्व में आता? उन्होंने कहा कि पूरी तेलंगाना सरकार करीमनगर विधानसभा सीट के चुनाव परिणाम का इंतजार कर रही है। उन्होंने मतदाताओं से जनता के लिए संघर्ष करने वालों को विधानसभा में भेजने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री गंगुला कमलाकर और उनके समर्थक जमीन हड़पने का काम कर रहे हैं। हमें दिखाना होगा कि हमारा वोट बैंक क्या है।

आज आम जनता के लिए बंद रहेंगे एनटीआर गार्डन, लुंबिनी पार्क

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वंतत्र वार्ता)। कल एलबी स्टेडियम, बशीरबाग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक बैठक के मद्देनजर, एनटीआर मार्ग रोड पर एनटीआर गार्डन और लुंबिनी पार्क 7 नवंबर को आम जनता के लिए बंद रहेंगे। बीजेपी की ओर से शाम 4 बजे बैठक का आयोजन किया जा रहा है. नरेंद्र मोदी ने 1 और 3 अक्टूबर को महबूबनगर और निज़ामाबाद में सार्वजनिक सभाओं को संबोधित किया।

राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड में सात नये सदस्य मनोनीत

नई दिल्ली, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्र सरकार ने आज राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड का विस्तार करते हुये आज तीन व्यापार संगठनों और चार राज्यों के व्यापार से जुडे प्रतिनिधियों को बोर्ड का सदस्य मनोनीत किया है। इन सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। एक सरकारी आदेश के अनुसार भारतीय व्यापार उद्योग मंडल से सतीश एच चव्हाण, भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ से डॉ. संजय बंसल और जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन से भावेन कामदार को व्यापार संगठनों की तरफ से राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड का सदस्य बनाया गया है। इससे पहले जून में लघु उद्योग भारती से गिरीश अरोरा, अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ से सुभाष गोयल और छत्तीसगढ़ वाणिज्य एवं उद्योग संघ के श्री अमर परवानी को बोर्ड का सदस्य मनोनीत किया गया था। इस बोर्ड में पश्चिम बंगाल से श्री सुशील पोद्दार, हरियाणा से श्री अजय गुप्ता, उत्तराखंड से श्री प्रकाश चंद मिश्रा और महाराष्ट्र से श्री जितेन्द्र मफतलाल शाह प्रतिनिधि होगें। इनसे पहले बोर्ड में आठ सदस्यों को राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से शामिल किया गया था जिसमें उत्तर प्रदेश के श्री देवेश कुमार रस्तोगी, दिल्ली के दविन्दर कुमार गुप्ता, गोवा के अशीष तुलसीदास शिरोडकर और कर्नाटक के प्रकाश चंद पिरगल शामिल है। केन्द्र सरकार ने इस साल जून में गुजरात के सुनील जीवराज जी सिंघी को राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड का चेयरमैन मनोनीत किया था। यह बोर्ड व्यापारियों के लिए धन की उपलब्धता में सुधार और अनुपालनता के बोझ को कम करने के बारें में सुझाव देगा। खुदरा व्यापार के संबंध में जानकार घनश्याम दास गोयल और राजेश चंदन को गैर-सरकारी सदस्य बनाया गया। बोर्ड व्यापारियों से संबंधित कानूनों का सरलीकरण और उन्हें बीमा, पेंशन और स्वास्थ्य संबंधी जैसी सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के बारें में सुझाव देगा। इस बोर्ड में राजस्व, वित्तीय सेवाओं, आवास, श्रम, इलैक्ट्रानिक्स एवं आईटी और वाणिज्य जैसे आठ मंत्रालयों और विभागों का संयुक्त सचिव स्तर का प्रतिनिधित्व होगा। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड की प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बैठक जरूर आयोजित की जायेगी। गौरतलब है कि घरेलू व्यापार से छह करोड से अधिक व्यापारिक उद्यम जुडे हुए है। इसका घरेलू सकल उत्पाद में करीब 15 प्रतिशत योगदान है और करीब 25 लोगों को रोजगार प्रदान करता है। इन व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन से पहले कोई ऐसा तंत्र नही था जो व्यापारियों और उनके कर्मचारियों के कल्याण और खुदरा व्यापार के विकास के लिये व्यापारियों की दैनिक परिचालन में आने वाली दिक्कतों को समझ सके।

कई मशहूर हस्तियां जनसेना पार्टी में शामिल हुए

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेना पार्टी की विचारधारा और इसके संस्थापक-अध्यक्ष पवन कल्याण के नेतृत्व ने तेलंगाना में कई मशहूर हस्तियों को उनकी पार्टी में शामिल होने के लिए प्रेरित किया है। सोमवार दोपहर को हैदराबाद में पार्टी के तेलंगाना कार्यालय में पवन कल्याण की उपस्थिति में पदभार ग्रहण किया गया। हैदराबाद शहर के रियल एस्टेट डीलर और ग्रेटर हैदराबाद वेस्ट जोन बिल्डर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मुम्मारेड्डी प्रेमा कुमार जन सेना पार्टी में शामिल हो गए हैं। पवन कल्याण ने पार्टी स्कार्फ पहनाकर उनका पार्टी में गर्मजोशी से स्वागत किया।

भद्राद्री-कोत्तागुडेम जिले के एक व्यवसायी और राजनीतिज्ञ लक्किनेनी सुरेंद्र राव अपने अनुयायियों के साथ पार्टी में शामिल हुए। पवन कल्याण ने पार्टी का दुपट्टा और माला पहनाकर स्वागत किया। उसी जिले से मुय्यबोयिना उमादेवी और उनके पति नागाबाबू भी जन सेना पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर पार्टी उपाध्यक्ष बी महेंद्र रेड्डी, तेलंगाना प्रभारी नेमुरी शंकर गौड़, पार्टी नेता राम तल्लुरी, श्रद्धाराम राजलिंगम और अन्य उपस्थित थे।

एपी सरकार ने किया दिवाली की छुट्टियों में बदलाव

दिवाली की छुट्टी 12 नवंबर के बदले 13 नवंबर को होगी

अमरावती, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंप्र सरकार के मुख्य सचिव केएस जवाहर ने अधिसूचना जारी कर कहा कि, आगामी पावन दिपावली के चलते, दिवाली की छुट्टी में बदलाव किया है। इस संदर्भ में, एपी सरकार वरिष्ठ सूत्रों ने बताया कि, सरकार ने दिवाली की छुट्टियों में निम्न बदलाव किया है। दरअसल, पहले जारी की गई 2023 छुट्टियों की सूची में 12 नवंबर को दिवाली त्योहार की छुट्टी की घोषणा की गई थी। पर अब एपी सरकार ने दिवाली की छुट्टी को बदलकर 13 नवंबर करने का फैसला किया है। इस संबंध में राज्य सरकार के मुख्य सचिव केएस जवाहर ने अधिसूचना जारी कर कहा कि, अब राज्य में दिवाली की छुट्टी 12 नवंबर के बदले 13 नवंबर को होगी। क्योंकि 12 नवंबर को रविवार है तथा पहले, 13 नवंबर एक वैकल्पिक अवकाश था, लेकिन अब इसे एपी सरकार द्वारा नियमित अवकाश में बदल दिया गया है। आधिकारिक आदेश में इसका उल्लेख किया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.